THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 102 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.13 2082 मंगलवार, 8 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वोटर लिस्ट से गरीब का वोट गायब करने की साजिश

चुनाव आयोग पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी खास समीक्षा को लेकर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग गरीब आदमी का वोट चुराने की साजिश कर रहा है। इसके साथ ही पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब देश को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर समर्थन चाहिए होता है, तब कोई देश भारत के साथ नहीं खड़ा होता।

इंसानियत पर अटैक : पीएम मोदी

> ट्रम्प की धमकी–नए देश ब्रिक्स से जुड़े तो उन पर एक्स्ट्रा टैरिफ

ब्रिक्स ने पहलगाम हमले की निंदा की

रियो डी जनेरियो, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले (क्वाड) ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई।

पीएम ने कहा, 20वीं सदी में बनाई गईं वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होता। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने की इच्छा रखने वाले नए देशों पर एक्स्ट्रा 10 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया है।

> ब्रिक्स की असली ताकत है इसकी विविधता :
पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

> न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) को सोच-समझकर निवेश करना चाहिए :
उन्होंने कहा कि बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए जो जरूरी हों, लंबे समय तक फायदे वाले हों और जिससे बैंक की साख बनी रहे।

> विज्ञान और रिसर्च के लिए साझा प्लेटफॉर्म बनाने का सुझाव :
पीएम मोदी ने एक ऐसा ब्रिक्स रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें।

> संसाधनों का गलत इस्तेमाल न हो
मोदी ने कहा कि किसी देश को यह हक नहीं कि वो किसी भी संसाधन को सिर्फ अपने फायदे के लिए या हथियार की तरह इस्तेमाल करे।

> डिजिटल कंटेंट पर कंट्रोल जरूरी :
उन्होंने कहा कि हमें ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जिससे पता चले कि कोई डिजिटल जानकारी असली है या नहीं, वो कहां से आई, और उसका गलत इस्तेमाल न हो।

> भारत में होगा एआई इम्पैक्ट समिट
पीएम मोदी ने बताया कि भारत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक बड़ा सम्मेलन करेगा, जिसमें इसकी चुनौतियों और अच्छे उपयोग पर चर्चा होगी।

ट्रम्प की ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों पर 10 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों को धमकी दी। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जो भी देश अमेरिका विरोधी ब्रिक्स नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी।

दरअसल, ब्रिक्स घोषणा पत्र में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के खिलाफ बढ़ते टैरिफ पर चिंता जताई गई। इन टैरिफ को वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला के लिए खतरा बताया गया। हालांकि सीधे तौर पर अमेरिका का नाम नहीं लिया गया।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

10 जुलाई को याचिकाओं पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने इस मामले में दायर याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग के इस कदम की वैधता पर निर्धारित तिथि को विचार करेगा।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के नेतृत्व में कई याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत दलीलों को संज्ञान में लेते हुए गुरुवार (10 जुलाई) को मामले की सुनवाई के लिए सहमति जताई। सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि वह इन याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी करे। इस पर न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, हम इस मामले को गुरुवार को सुनेंगे। मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में राजद सांसद मनोज झा, एडीआर और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने याचिका दायर की है। मनोज झा ने चुनाव आयोग के उस निर्णय को अदालत में खारिज करने की मांग की है, जिसमें आयोग ने बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है।

आतंकी तहव्वुर राणा 26/11 हमले के वक्त मुंबई में था

पूछताछ में कबूला-वह पाक आर्मी एजेंट, हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन किए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने एनआईए की पूछताछ कबूल की। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है।

उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा एनआईए की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

'हर मंडल, हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे'

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश की सुरक्षा के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी चर्चा की गई है। मणिपुर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि इसे पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। संघ का मानना है कि देश हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हासिल कर रहा है। हालांकि, इस विकास को हर दृष्टि से सर्व समावेशी बनाने के लिए संघ काम करेगा। इसके लिए हर मंडल और हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 11360 से अधिक सामाजिक सद्भाव बैठकों को आयोजित करने का निर्णय किया गया है। इस बार विजयादशमी को संघ के ड्रेस कोड में स्वयंसेवक पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज को सुदृढ करने के लिए घर-घर संपर्क करने की संघ की योजना है।

अमीरों को और अमीर बना रही सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर सूचकांकों में कथित रूप से हेराफेरी करने के मामले में सेबी की कार्रवाई के बाद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने का कि शेयर बाजार में बड़े खिलाड़ी हेरफेर कर रहे हैं और सरकार चुप्पी साधे है। इससे साफ है कि सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है। जबकि आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है। बता दें कि सेबी ने हाल ही में अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट समूह पर हेराफेरी मामले में प्रतिबंध लगाया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैंने पहले ही वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) बाजार में खामियों की भविष्यवाणी की थी। मैंने 2024 में स्पष्ट रूप से कहा था कि एफएंडओ बाजार बड़े खिलाड़ियों के लिए खेल का मैदान बन गया है और छोटे निवेशकों की जेबें लगातार खाली हो रही हैं। अब सेबी खुद मान रही है कि जेन स्ट्रीट ने हजारों करोड़ रुपये की हेराफेरी की। सेबी इतने समय तक चुप क्यों रही? उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल दागा कि क्या बाजार में हेराफेरी करने वाले और भी खिलाड़ी हैं? किसके इशारे पर मोदी सरकार आंखें मूंदकर बैठी थी? कितने बड़े शार्क अभी भी खुदरा निवेशकों को धोखा दे रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हर मामले में यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार अमीरों को और अमीर बना रही है तथा आम निवेशकों को बर्बादी के कगार पर धकेल रही है।

उपराष्ट्रपति बोले-जस्टिस वर्मा केस में तुरंत एफआईआर की जरूरत

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत एफआईआर की बात कही। उन्होंने कहा- यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है।

इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरूआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती है। धनखड़ ने नेशनल एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) यूनिवर्सिटी के सेमिनार में ये बातें कही।

'शांति बस एक भ्रम, हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहें'

राजनाथ सिंह की रक्षा अधिकारियों को नसीहत

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों को एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा कि शांति का समय सिर्फ दिखावटी होता है, असल में कभी भी हालात बदल सकते हैं। इसलिए देश को हर वक्त सतर्क और तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में जो साहस दिखाया, उसने पूरी दुनिया में भारत के रक्षा क्षेत्र की साख बढ़ा दी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में अब ज्यादातर रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। पहले हम कई जरूरी हथियार और उपकरण विदेश से मंगवाते थे, लेकिन अब देश में ही आधुनिक हथियार बनने लगे हैं। इससे न सिर्फ हमारी सेना मजबूत हो रही है, बल्कि दुनियाभर में भारत के रक्षा उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने जो साहस और रणनीति दिखाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा। देश में बने हथियारों और मंचो की मजबूती देखकर कई देशों ने भारत के रक्षा उत्पाद खरीदने में रुचि दिखाई है। यह हमारी आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण है। राजनाथ सिंह ने कहा कि चाहे माहौल कितना भी शांत क्यों न लगे, लेकिन हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए। कोई भी अप्रत्याशित घटना कभी भी हो सकती है। इसलिए सेना से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सभी को अपने आर्थिक और सैन्य ढांचे को ऐसा बनाना होगा कि कभी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके।

रक्षा खर्च को देखें निवेश की नजर से :
रक्षा मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि रक्षा खर्च को सिर्फ खर्च न समझा जाए, बल्कि इसे देश के विकास का एक बड़ा निवेश माना जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसे में भारत में रक्षा उद्योग के लिए बड़े मौके हैं। यह क्षेत्र अब देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहा है।

तेलंगाना के वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में रोजाना 10 घंटे काम को मंजूरी

दो स्वदेशी भारी रिएक्टर को लाइसेंस

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। काम के घंटों को लेकर जारी बहस के बीच तेलंगाना सरकार ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों (उद्योगों और कारखानों) के लिए प्रतिदिन 10 घंटे तक काम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही सप्ताह में काम के घंटों की सीमा भी 48 घंटे तय कर दी गई है। सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी कर नई नीति की घोषणा की हालांकि, इसमें दुकानों और मॉल्स को शामिल नहीं किया गया है। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना विभाग ने एक बयान में स्पष्ट किया कि वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रोजाना काम के घंटे 10 घंटे से अधिक नहीं होने चाहिए और साप्ताहिक काम के घंटों की सीमा भी 48 घंटे से ज्यादा न हो।

दो स्वदेशी 700 मेगावाट भारी जल रिएक्टर को मिला परिचालन लाइसेंस :
भारत के परमाणु नियामक एईआरबी ने गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (केएपीएस) में दो स्वदेशी 700 मेगावाट के दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) के लिए परिचालन लाइसेंस दिया है। केएपीएस-3 रिएक्टर को अगस्त 2023 में पूरी क्षमता पर चालू किया गया था जबकि केएपीएस-4 इकाई को एक साल बाद उसी महीने चालू किया गया। नियामक ने बयान में कहा, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) ने डिजाइन और निष्पादन सुरक्षा समीक्षा पूरी कर ली है और देश के पहले 700 मेगावाट के स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) केएपीएस-3 और केएपीएस-4 की इकाइयों तीन और चार के संचालन के लिए लाइसेंस जारी कर दिया है। चूंकि 700 मेगावाट का रिएक्टर अपनी तरह का पहला रिएक्टर है, इसलिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया में रिएक्टर डिजाइन की कठोर बहु-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा और मूल्यांकन किया गया। भारतीय परमाणु बिजली निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) को 3 जुलाई को एईआरबी से केएपीएस-3 और केएपीएस-4 के लिए पांच साल की अवधि के लिए परिचालन लाइसेंस मिला। लाइसेंस जारी होना एनपीसीआईएल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो 700 मेगावाट के 10 पीएचडब्ल्यूआर के निर्माण की अगुवाई कर रहा है।

एक राष्ट्र, एक कृषि पर कर रहा काम :
फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि मैं फिक्की से गहन चर्चा करके मुझे सिफारिशें भेजने का अनुरोध करना चाहता था। हम खेती के लिए एक टीम बनाना चाहते हैं। हमें राज्य सरकार, केंद्र सरकार, वैज्ञानिक, किसान, कृषि विश्वविद्यालय और उद्योग सहित विभिन्न दिशाओं में काम करने की आवश्यकता है। मैं 'एक राष्ट्र, एक कृषि' और 'एक कृषि, एक टीम' में विश्वास करता हूं।

बिहार में परिवार के पांच लोगों की हत्या

पूर्णिया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत राजीगंज पंचायत के टेटगामा वार्ड-10 में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। डायन का आरोप लगाकर गांव के ही एक ही परिवार के पांच लोगों की पीट-पीटकर और जिंदा जलाकर हत्या कर दी गई। मरने वालों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है और पुलिस महकमा अलर्ट पर है।

जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों को सीता देवी (48 वर्ष) पर डायन होने का शक था। रविवार रात गांव के मुखिया (मर्रर) नकुल उरांव की अगुवाई में करीब 200 ग्रामीणों की एक पंचायत बुलाई गई, जिसमें डायन बताकर सीता देवी, उनके पति बाबूलाल उरांव (50), सास कातो देवी (65), बेटे मंजीत उरांव (25) और बहू रानी देवी (23) को बुलाकर तालिबानी फरमान सुनाया गया। इसके बाद सभी को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया, फिर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया गया। घटना को अंजाम मृतक के पुत्र सोनू कुमार के सामने ही दिया गया।

हिसार की यूट्यूबर ज्योति को कोर्ट ने फिर जेल भेजा

खुलासा-सरकारी इन्विटेशन पर गई थी, मंत्री ने सफाई दी

हिसार, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हुई हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर नया खुलासा हुआ है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर की गई एक याचिका के जवाब में सामने आया है कि ज्योति राज्य सरकार के निमंत्रण पर केरल गई थी।

केरल सरकार में टूरिज्म मिनिस्टर पीए मोहम्मद रियाज ने भी कंफर्म किया है कि ज्योति समेत कई ब्लॉगर्स को केरल बुलाया गया था, ताकि वे केरल के टूरिज्म को देश और दुनिया में फैला सकें। इनका खर्चा सरकार ने उठाया था।

मिनिस्टर रियाज ने कहा- हमने यूट्यूबर्स को अच्छी नीयत के साथ केरल में इनवाइट किया था। इस बारे में सभी जानते हैं। पहले भी ऐसा होता आया है। आपको क्या लगता है कि राज्य सरकार ज्योति को जासूसी के लिए इनवाइट किया और उसे संबंधित सारी मदद दी गई? इधर, जासूसी मामले में ज्योति की सोमवार (7 जुलाई) को छठी बार कोर्ट में पेशी हुई। इसके बाद ज्योति को फिर से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की तरफ से चलाए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ज्योति को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

महंगी हाउसबोट में रुकी थी ज्योति

जानकारी के मुताबिक, केरल में ज्योति मल्होत्रा ने कोच्चि, कन्नूर, कोझीकोड, अलपुझा, मुन्नार और तिरुवनंतपुरम का दौरा किया था। इस दौरान उसने वीडियो बनाए और 31 जनवरी 2025 को यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए।

इस दौरान ज्योति केरल के जांदरी रिवरस्केप्स हाउसबोट में ठहरी थी, जिसमें एक रात रुकने का किराया करीब 15 हजार रुपए प्रतिदिन है। हालांकि, यह खर्चा सरकार ने वहन किया था।

पंजाब में सवारियों से भरी बस पलटी, 8 की मौत

17 से ज्यादा गंभीर-कार की टक्कर से बेकाबू हुई, जेसीबी से निकालीं लाशें

होशियारपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के होशियारपुर जिले में सोमवार सुबह 10 बजे यात्रियों से भरी एक बस सामने से आ रही कार से टकरा गई। इसके बाद बस बेकाबू होकर बीच सड़क पर ही पलट गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 17 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में कुल 39 यात्री सवार थे। मरने वालों में मां और बेटी भी शामिल हैं।

जिनकी पहचान रज्जू बाला बेटी अशरफ अली और मीना पत्नी अशरफ अली निवासी बुड्ढा मल के रूप में हुई है। यह हादसा दसूहा-हाजीपुर रोड पर अड्डा सगरां के पास हुआ। हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार को सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे। मौके से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद 7 से ज्यादा लोगों को गंभीर हालत में अमृतसर रेफर किया गया। बस से घायलों और मृतकों को निकालने के लिए जेसीबी का सहारा लेना पड़ा। जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। डीएसपी का कहना है कि जांच में जो भी फैक्ट सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मराठी भाषा विवाद, मंत्री शेलार बोले हिंदुओं को पीटना पहलगाम हमले जैसा

कुछ नेता इसका आनंद ले रहे; अठावले की मांग-एमएनएस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई हो

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मराठी बोलने को लेकर विवाद बड़ा सियासी मुद्दा बनता जा रहा है। हिंदीभाषी लोगों के खिलाफ हिंसा के बीच महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने पहलगाम आतंकी हमले और मुंबई में 'हिंदुओं' की पिटाई को एकसमान बताया है। शेलार ने उद्धव-राज ठाकरे का नाम न लेते हुए रविवार को कहा कि राज्य देख रहा है कि कैसे कुछ नेता 'अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं।' उनकी यह टिप्पणी उस घटना के बाद आई है, जिसमें एमएनएस कार्यकर्ताओं ने मुंबई में मिठाई की दुकान के मालिक की मराठी न बोलने पर पिटाई कर दी थी। इसके अलावा शनिवार को मनसे कार्यकर्ताओं ने शेयर बाजार निवेशक सुशील केडिया के वर्ली स्थित दफ्तर के कांच के दरवाजे तोड़ दिए थे। केडिया ने राज ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा था कि वे मराठी नहीं बोलेंगे। इधर, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणियों की आलोचना की है और उन्हें 'दादागिरी' को बढ़ावा देने वाला बताया और एमएनएस कार्यकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि लोगों को मराठी बोलने के लिए मजबूर करना गलत है। हिंसा में शामिल मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

गर्भवती महिला की जान बचाकर हीरो बने सेना के मेजर रोहित

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की तारीफ

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के जवान सिर्फ सरहद पर ही नहीं, आम जिंदगी में भी लोगों की सुरक्षा और सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसका एक शानदार उदाहरण हाल ही में सामने आया, जब सेना के मेजर रोहित बच्चवाला ने बिना किसी मेडिकल सुविधा के एक गर्भवती महिला की जान बचाई। उनकी इस बहादुरी और समझदारी की तारीफ खुद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की है।

यह घटना 5 जुलाई 2025 की है। सेना के मेजर रोहित बच्चवाला छुट्टी पर अपने घर हैदराबाद जा रहे थे। वे झांसी मिलिट्री अस्पताल से निकलकर झांसी रेलवे स्टेशन पहुंचे, तभी उनकी नजर स्टेशन के लिफ्ट के पास एक महिला पर पड़ी। वह महिला व्हीलचेयर से गिर गई थी और गंभीर प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी।

बिना देर किए महिला की मदद के लिए आगे आए मेजर

मेजर रोहित ने तुरंत हालात को समझा और बिना किसी देरी के महिला की मदद करने के लिए आगे बढ़े। वहां कोई डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ नहीं था। मेजर रोहित ने अपनी मेडिकल ट्रेनिंग और समझदारी का इस्तेमाल करते हुए महिला की स्थिति संभाली। महिला की हालत बहुत नाजुक थी, लेकिन मेजर ने हिम्मत नहीं हारी।

मुश्किल हालात में दिखाया दमखम और संयम

रेलवे स्टेशन जैसे भीड़-भाड़ वाले और संसाधन कम होने वाले स्थान पर किसी भी व्यक्ति के लिए इस तरह की मेडिकल सहायता देना आसान नहीं होता। लेकिन मेजर रोहित ने न सिर्फ धैर्य रखा बल्कि महिला की सही तरीके से मदद की। उनकी सूझबूझ और हिम्मत से महिला को सुरक्षित चिकित्सा सहायता मिल सकी।

सेना प्रमुख ने जताया गर्व, कही बड़ी बात

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मेजर रोहित की तारीफ करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना के उस जज्बे और सेवा भाव का बेहतरीन उदाहरण है, जिसके लिए हमारी फौज जानी जाती है। उन्होंने कहा कि मेजर रोहित ने जो किया, वह सिर्फ एक कर्तव्य नहीं, बल्कि इंसानियत और सेना की सच्ची परंपरा का परिचायक है।

सिर्फ वर्दी में नहीं, आम जिंदगी में भी देश के लिए समर्पण

भारतीय सेना के जवान सिर्फ वर्दी पहनकर ही देश की सेवा नहीं करते, बल्कि हर परिस्थिति में आम जनता की मदद के लिए तैयार रहते हैं।

मेजर रोहित की यह घटना इस बात को साबित करती है कि चाहे सीमा पर हो या किसी रेलवे स्टेशन पर, भारतीय सेना का हर जवान देश और जनता के लिए हमेशा खड़ा रहता है।

सरकार और सेना ने जताई सराहना, दिया संदेश

इस पूरे मामले में सरकार और सेना ने साफ संदेश दिया है कि भारतीय सेना के जवान सिर्फ युद्ध के मैदान में ही नहीं, बल्कि आम जिंदगी में भी हर भारतीय की सुरक्षा और मदद के लिए तत्पर हैं। मेजर रोहित बच्चवाला की बहादुरी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है।

कंगना मंडी के बाढ़ प्रभावित इलाके में पहुंचीं

नाराज महिला बोली-फोटो खिंचाने आई हो, बीजेपी सांसद बोलीं-फंड लाऊंगी तो कांग्रेस वाले डकार जाएंगे

मंडी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट अपने संसदीय मंडी (हिमाचल प्रदेश) के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सराज पहुंचीं। यहां कंगना पर एक महिला भड़क गई। कंगना से कहा, 'अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या। ऐसा थोड़ी होता है कि 2 आदमी पकड़ो, फोटो खिंचाओ और चलते बनो।'

इस पर कंगना ने महिला से कहा- 'सारे लोग कंगना-कंगना बोलते रहते हैं। मेरे पास कौन सी कोई कैबिनेट है? मेरे पास मेरे 2 भाई हैं, जो मेरे साथ चलते रहते हैं। न ही मेरे पास कोई राहत कोष आता है। मैं स्पेशल पैकेज (फंड) लेकर आऊंगी, लेकिन उसे कांग्रेस सरकार डकार जाएगी।' मंडी में 30 जून की रात से लेकर अब तक 16 जगह बादल फट चुके हैं। बाढ़ में बहने से 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोग अभी भी लापता हैं। कंगना मंडी से सांसद हैं। बाढ़ से हुए नुकसान के बाद वे 6 जुलाई से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में न जाने पर ट्रोल हुई थीं कंगना

कंगना रनोट अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया पर ट्रोल हुई थीं। कंगना ने X पर लिखा था कि मैं मंडी क्षेत्र का दौरा कर रही थी। इसी दौरान मेरी गाड़ी पर पत्थर आकर गिरा। यह समय हिमाचल में ट्रैवल के लिए सेफ नहीं है। इसके बाद लोगों ने मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा न करने पर कंगना सवाल उठाने शुरू कर दिए। इस पर जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे मालूम नहीं है। मैं इस बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता। यहां हम लोग हैं। हम उन लोगों के साथ जीने मरने के लिए हैं, जिनका कन्सर्न है।

जिनका नहीं है, उनके बारे में मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता।' इसके जवाब में कंगना ने कहा था- 'मैंने सराज और मंडी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने की कोशिश की, लेकिन जयराम ठाकुर ने सलाह दी कि जब तक सड़कें बहाल नहीं हो जातीं, तब तक इंतजार करें। पिछले साल 31 जुलाई को शिमला के समेज, कुल्लू के बागीपुल और मंडी में एक गांव में बादल फट गया था। तब करीब 51 लोगों की बाढ़ में बहने से मौत हो गई थी। उस दौरान भी कई दिन तक कंगना आपदा प्रभावितों से मिलने नहीं पहुंचीं।

'कोई भी अमित शाह से मिल सकता है'

> राज ठाकरे की मुलाकात पर बोले केंद्रीय मंत्री अठावले

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने एक साप्ताहिक लेख में मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर तीखा तंज कसा और शिवसेना यूबीटी के मुश्किल वक्त में राज ठाकरे के अमित शाह से मुलाकात पर सवाल खड़े किए। संजय राउत का यह लेख ऐसे समय सामने आया है, जब बीते शनिवार को ही राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे करीब दो दशक बाद एक ही मंच पर दिखाई दिए।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले बोले-ये लोकतंत्र है

संजय राउत के लेख पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि 'मुझे लगता है कि राज ठाकरे महाराष्ट्र के एक जाने-माने नेता हैं और उन्होंने बालासाहेब ठाकरे से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। उन्होंने पीएम मोदी का भी समर्थन किया। ऐसे में उनकी बैठक को निशाना बनाना सही नहीं है। एक गृह मंत्री होने के नाते अमित शाह से कोई भी मिल सकता है और यही लोकतंत्र है।' अठावले ने ब्रिक्स सम्मेलन पर कहा कि पीएम मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दा उठाया और अन्य देशों ने भी एक सुर में इसकी निंदा की। गौरतलब है कि संजय राउत ने लेख में लिखा कि 'उद्धव और राज ठाकरे के रास्ते, राजनीति में एक दूसरे के विपरीत रहे। शिवसेना के बंटवारे के बाद, जो कि अमित शाह ने कराया था, राज ठाकर ने भाजपा और शिंदे गुट के साथ बैठकर चाय पी। वे दिल्ली भी गए और अमित शाह से मिले, लेकिन इससे महाराष्ट्र और मनसे की राजनीति को कोई फायदा नहीं मिला।' संजय राउत ने लिखा कि ठाकरे बंधुओं में मनमुटाव दिल्ली के हित में है। राउत ने भाजपा पर मतदाता सूची में भी फेरबदल का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा और इसके सहयोगी मतदाता सूची में धांधली कर रहे हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच फिर से खुला दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज, पिछले महीने छात्रा का हुआ था दुष्कर्म

कोलकाता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता स्थित लॉ कॉलेज सोमवार को एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद रहने के बाद भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच फिर से खोला गया। बता दें कि इस कॉलेज में पिछले महीने एक छात्रा के साथ परिसर में सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। कॉलेज की उप-प्राचार्या नयना चटर्जी ने बताया कि कॉलेज खुलने के पहले दिन केवल बीए एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के उन छात्रों को बुलाया गया है जिन्होंने अपनी परीक्षा फॉर्म नहीं भरे थे। कॉलेज परिसर में कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा की निगरानी कर रहे थ, जबकि निजी सुरक्षा गार्ड छात्रों के पहचान पत्र की गहन जांच कर रहे थे। कॉलेज के गेट खुलते ही लगभग 100 छात्र कॉलेज पहुंचे। इन छात्रों में कई अपने माता-पिता के सात आए थे। प्रथम सेमेस्टर के एक छात्र के पिता शशांक धारा ने कहा कि हम अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। परीक्षा के प्रत्येक दिन अपने बेटे को कॉलेज तक लेकर जाएंगे जब तक कि स्थिति सामान्य न हो जाए। कॉलेज प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कोलकाता के कसबा इलाके में स्थित इस परिसर को फिर से खोलने का निर्णय कोलकाता पुलिस की अनुमति मिलने के बाद लिया गया। उन्होंने बताया कि कॉलेज के छात्रसंघ कक्ष और सुरक्षा गार्ड के कक्ष को पुलिस ने जांच के लिए सील कर दिया है।

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी का मोबाइल नंबर एक्टिव करने की कोशिश

मुंबई पुलिस ने धर दबोचा युवक

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उनके मोबाइल नंबर को फिर से एक्टिव करने की कोशिश की गई। बाबा सिद्दीकी का यह नंबर उनके पारिवारिक व्यवसाय के खाते से जुड़ा था। मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से जब सत्यापन के लिए बाबा सिद्दीकी की पत्नी के नाम पर ईमेल आया तो मामले का खुलासा हुआ। बाबा सिद्दीकी की बेटी अर्शिया सिद्दीकी की शिकायत पर पुलिस ने दिल्ली से युवक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि साइबर ठगी करने के लिए आरोपी नंबर एक्टिव कराने की कोशिश कर रहा था। बीते साल अक्तूबर में बाबा सिद्दीकी की हत्या तब कर दी गई थी जब अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय से बाहर निकले थे। अब पुलिस को बाबा सिद्दीकी का नंबर एक्टिव करने की कोशिश की शिकायत मिली। बाबा सिद्दीकी की बेटी अर्शिया सिद्दीकी ने मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई।

अर्शिया ने बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनके दिवंगत पिता के नाम पर जारी मोबाइल नंबर के लिए अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता बनने की कोशिश कर रहा है। यह नंबर अब भी सक्रिय है और पारिवारिक व्यवसायों जियर्स बिज़नेस इंडिया एलएलपी और फ्लेवर फूड वेंचर से जुड़ा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। मामले में पुलिस ने दिल्ली के बुराड़ी इलाके से युवक विवेक साबरवाल को गिरफ्तार किया। पुलिस युवक को पूछताछ के लिए मुंबई लेकर आई। पुलिस ने बताया कि साबरवाल ने बाबा सिद्दीकी के नाम पर नया सिम कार्ड प्राप्त कर नंबर को फिर से सक्रिय करने की कोशिश की। वह इस नंबर के जरिये साइबर धोखाधड़ी करना चाहता था। पुलिस ने कहा कि आरोपी पहले भी साइबर अपराध के मामलों में शामिल रहा है। मौजूदा समय में वह एक अन्य साइबर अपराध के मामले में जमानत पर बाहर था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस धोखाधड़ी में और कौन-कौन शामिल हो सकता है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बाबा सिद्दीकी की पत्नी शाहज़ीन सिद्दीकी के नाम से एक फर्जी ईमेल आईडी बनाई। उसका उपयोग कर मोबाइल सेवा प्रदाता को संपर्क कर नंबर पर अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। आरोपी ने शाहज़ीन सिद्दीकी के व्यक्तिगत दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, जीएसटी विवरण और कंपनी का लेटरहेड का इस्तेमाल कर यह फर्जी अनुरोध किया।

खबरे जरा हटके

एग्जाम में 100 में से 257 मार्क्स, फिर भी फेल

अगर मैं कहूं कि एग्जाम में किसी को 100 परसेंट से ज्यादा नंबर मिलें और फिर भी वह फेल हो गया, तो क्या आप यकीन करेंगे। नहीं, न... लेकिन ऐसा बिहार में हुआ है। बाबा साहब भीमराव बिहार यूनिवर्सिटी ने एक स्टूडेंट को 100 नंबर के एग्जाम में 257 मार्क्स दिए। इसके बावजूद उसे पास नहीं सिर्फ प्रमोट ही किया गया। यूनिवर्सिटी ने 1 जुलाई की देर शाम पोस्ट ग्रेजुएशन का रिजल्ट जारी किया। यूनिवर्सिटी से एफिलिएटेड आरडीएस कॉलेज की एक स्टूडेंट ने जब अपना रिजल्ट चेक किया तो वो हैरान रह गई। उसे हिन्दी सब्जेक्ट के 30 नंबर के प्रैक्टिकल में 225 नंबर दिए गए थे। पेपर में उसे कुल 257 मार्क्स दिए गए थे। इसके बाद भी उसे पास नहीं किया गया था। उसकी मार्क शीट में 'प्रमोटेड' लिखा हुआ था। स्टूडेंट ने जब यूनिवर्सिटी से कॉन्टैक्ट किया तो पता चला कई स्टूडेंट्स के रिजल्ट में गड़बड़ी है। एग्जाम कंट्रोलर प्रो. डॉ. रामकुमार ने बताया कि एक्सल शीट में टाइपिंग एरर की वजह से ऐसा हुआ है। इसे ठीक करवाया जा रहा है।

बिहार के सरकारी स्कूलों में लड़कियां ज्यादा

केंद्र सरकार की एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसएआर) के अनुसार बिहार के सरकारी स्कूलों में पहली क्लास के 31.9% बच्चों को 9 तक की गिनती नहीं आती। वहीं, तीसरी क्लास के 62.5% बच्चे जोड़-घटाने के सवाल हल नहीं कर पाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में एडमिशन का प्रतिशत देश में सबसे ज्यादा बिहार में है। इनमें लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की संख्या ज्यादा होती है, जबकि प्राइवेट स्कूलों में लड़कों की संख्या ज्यादा होती है। राज्य के ग्रामीण इलाके में 6 से 14 साल के 80 फीसदी बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। नेशनल लेवल पर यह आंकड़ा 66.8% है।

चीन के साइंटिस्ट्स ने चूहे का डैमेज कान फिर से बनाया

चीन में साइंटिस्ट्स ने चूहे के डैमेज कान को फिर से बना दिया। इसे 'ऑर्गन रिजनरेशन' कहते हैं। ऐसा 'जेनेटिक स्विचिंग' यानी शरीर में बेजान पड़े जीन को एक्टिव करके किया गया। इस रिसर्च से इंसानों के भी डैमेज अंग दोबारा बनने की एबिलिटी विकसित करने में मदद मिलेगी। दरअसल, रेटिनोइक एसिड डैमेज टिश्यूज को रिपेयर होने में मदद करता है। ये विटामिन- ए का एक प्रकार है। साइंटिस्ट्स ने चूहों में रेटिनोइक एसिड बनाने वाले एक जीन को एक्टिव कर दिया। इससे उसका डैमेज कान के टिश्यूज फिर से बन गए। साइंटिस्ट्स का कहना है कि अब वे रीढ़ की हड्डी के रिजनरेशन पर रिसर्च करेंगे।

चूहों पर ही क्यों किए जाते हैं ज्यादातर एक्सपेरिमेंट

अधिकतर एक्सपेरिमेंट्स और रिसर्च में चूहों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके शरीर की संरचना और जेनेटिक बनावट इंसानों से काफी मिलती-जुलती है। इसका मतलब है कि चूहों पर किए गए प्रयोगों के नतीजे इंसानों पर लागू हो सकते हैं। इसके अलावा चूहों का प्रजनन दर बहुत ज्यादा होती है। इससे साइंटिस्ट कम समय में कई पीढ़ियों पर प्रयोग कर पाते हैं।

नागों का जोड़ा नहीं, खास तरह के जूते हैं ये-सांप का दिया गया है आकार

देखकर आपका भी झन्ना जाएगा दिमाग!

फैशन अक्सर हैरान करता है. कई बार तो कुछ लोग फैशन के नाम पर ऐसा ही पहन लेते हैं जिससे वे बिलकुल ही अलग दिखें या फिर लोगों की नज़रें उन पर पड़ जाए. इसकी सबसे अच्छी मिसाल उर्फी जावेद हैं. जो फैशन के लिए तरह तरह के प्रयोग कर लोगों को चौकाते रहती हैं. लेकिन यह काम केवल सेलिब्रिटी ही नहीं करते हैं. कई बार आम लोगों में इस तरह की प्रवृत्ति देखी जाती है. एक वायरल वीडियो में एक महिला ऐसे जूते पहनी है जो किंग कोबरा सांप की तरह फन फैलाए दिखाई देता है. खास बात ये है कि देखकर ऐसा लगता है जैसे कि पतलून में सांप ही निकल कर आ गया है.

बूट की तरह है यह जूता

वीडियो में महिला को जूते पहनते हुए दिखाया गया है. यह जूता बूट की तरह लंबा है जिसका रंग सांप के केचुली की तरह है. ऊपर से यह बूट चौड़ा है जिससे की पैर इसके अंदर आसानी से समा सके. लेकिन पैरों की ऊंगलियों तक आते आते इसकी चौड़ाई कम होने लगती है और उसके बाद सांप के आकार जितना पाइप जैसा कुछ ऊपर की ओर निकलता दिखता है. बूट का असली आकर्षण उसका सबसे आगे का हिस्सा है जो कि फन फैलाए नाग की तरह ऊपर की ओर उठता है. देखने में साफ लगता है कि नाग फन फैलाए ऊपर की ओर बचाव के लिए हमला करने के लिए तैयार खड़ा है. चूंकि दोनों ही पैरों में एक ही तरह का जूता है इससे यह एक तरह का नाग नागिन या दो नागों को जोड़ा लगता है, जो कि साथ में रहते हुए लगते हैं. इन जूतों में फिनिशिंग ऐसी गी गई है कि ये जूते ना लगे और असली नाग लगे. लेकिन यहां पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस तरह के जूते पहनने वाले शख्स के लिए आरामदेह रह पाएंगे.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सच्चा दोस्त वो है, जो कभी आपके रास्ते में नहीं आता है वो अपना कदम तभी बढ़ाता है, जब आपका रास्ता गलत नज़र आता है

ट्रेड यूनियनों ने की सिगाची प्रबंधन की गिरफ्तारी की मांग

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची क्लोरो केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड दुर्घटना स्थल का दौरा करने वाले विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने कंपनी के प्रबंधन को घटना के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। यूनियन के सदस्यों ने घटनास्थल पर पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की और त्रासदी से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। पत्रकारों से बात करते हुए, सीआईटीयू के महासचिव पलादुगु भास्कर ने मांग की कि सरकार इस घटना की पारदर्शी जांच का आदेश दे, जो जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक मौजूदा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा की जाए।

उन्होंने सरकार से प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को वादा किए गए 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि बिना किसी देरी के जारी करने का भी आग्रह किया। ट्रेड यूनियन नेताओं ने आगे उन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जिनकी लापरवाही से यह दुर्घटना हुई। विरोध प्रदर्शन में एआईटीयूसी, आईएफटीयू, बीआरटीयू, टीएनटीयूसी, टीयूसीआई और अन्य यूनियनों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज और अन्य अधिकारियों से भी बातचीत की और बचाव और जांच प्रयासों की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री रेवंत ने केंद्र से तेलंगाना में खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी करने का आग्रह किया

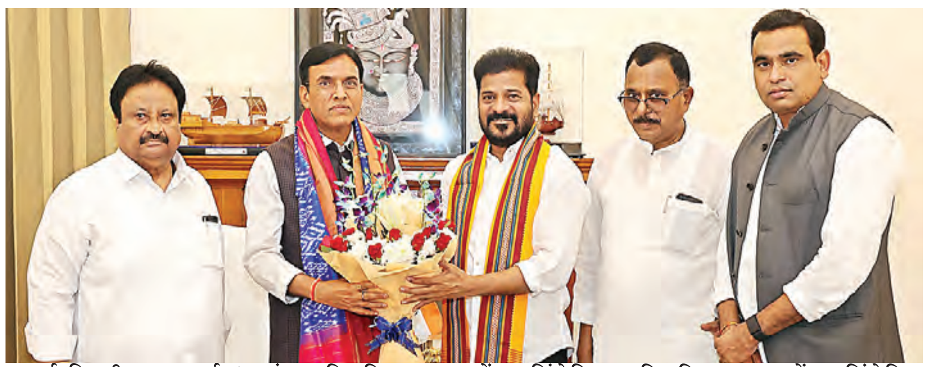

नई दिल्ली, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख एल. मंडाविया से संपर्क किया है और उनसे तेलंगाना में खेलो इंडिया गेम्स-2026 की मेजबानी करने पर विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्रीय मंत्री खेलो इंडिया पहल के साथ-साथ तेलंगाना में राष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के आयोजनों के आयोजन के विकल्प पर विचार करें।

रेवंत रेड्डी ने सोमवार को दिल्ली में मनसुख एल. मंडाविया से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, एथलीटों को प्रशिक्षित करने, खेल विशेषज्ञों का चयन करने और खेलो इंडिया पहल के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए धन के आवंटन की वकालत की। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि भुवनागिरी में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम, रायगिरी में स्विमिंग पूल, महबूबनगर में पलामुरु विश्वविद्यालय में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, करीमनगर में सातवाहन विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल, हैदराबाद के हकीमपेट में तीरंदाजी रेंज, सिंथेटिक हॉकी मैदान, स्क्वैश कोर्ट, एलबी स्टेडियम में प्राकृतिक फुटबॉल मैदान विकास और सिंथेटिक ट्रैक, गाच्चीबोवली में हॉकी मैदान का जीर्णोद्धार, नलगोंडा में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने चाहिए। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार वर्तमान में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और उसने केंद्र सरकार से पर्याप्त समर्थन का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से 2036 में होने वाले ओलंपिक के दौरान तेलंगाना में कम से कम दो आयोजनों की मेजबानी करने का भी आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों में भाग लेने वाले एथलीटों के लिए ट्रेन यात्रा पर किराए में रियायत देने के लिए भी कहा, जैसा कि पहले भी व्यवस्था की गई है।

इसके बाद, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में एक खेल विश्वविद्यालय की स्थापना पर चर्चा करने के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव से उनके घर पर मुलाकात की। हिंदी फिल्म अभिनेता अजय देवगन ने भी तेलंगाना में एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी बनाने में अपनी रुचि व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आवास का दौरा किया। उन्होंने एआई तकनीक को शामिल करते हुए वीएफएक्स और स्मार्ट स्टूडियो की स्थापना का प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान कपिल देव से मुलाकात करते हुए।

मुख्यमंत्री अभिनेता अजय देवगन से मुलाकात करते हुए।

वास्तविक प्रगति पिछड़े क्षेत्रों में बदलाव लाने में निहित है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को कामारेड्डी जिले के पिछड़े जुक्कल विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मंत्री ने तिम्मानगर में मडेलचेरुवु-पिटलम मार्ग पर 4.86 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक नवनिर्मित उच्च स्तरीय पुल का उद्घाटन किया।

उन्होंने बिचकुंडा से डोंगली तक 13.20 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाली एक नई सड़क की आधारशिला भी रखी। इस यात्रा में भारी जनभागीदारी देखी गई, जिसमें स्थानीय विधायक लक्ष्मीकांत राव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल रैलियां आयोजित कीं। मंत्री का माला पहनाकर और ढोल नगाड़ों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया और वे पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए भीड़ के साथ चले। बाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कोमटिरेड्डी ने कहा, वास्तविक विकास तभी होता है जब जुक्कल जैसे पिछड़े निर्वाचन क्षेत्रों में बदलाव लाया जाता है। उन्होंने कहा, हालांकि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना दिया, लेकिन 2014 से सत्ता में न होने का उसे कभी अफसोस नहीं हुआ।

पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, केवल चार परिवारों को लाभ मिला, जबकि शेष तेलंगाना की अनदेखी की गई। केसीआर ने अपने फार्महाउस तक सड़कें बनवाईं, लेकिन जुक्कल की उपेक्षा की। चुनाव हारने के बाद उन्होंने अपनी बेटी को एमएलसी का पद दिया, लेकिन बेरोजगार युवाओं की अनदेखी की।

मौजूदा कांग्रेस नीत सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पहले ही 60,000 नौकरियां प्रदान की हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमिहीनता की परवाह किए बिना प्रत्येक किसान को 9 दिनों के भीतर उनके खातों में रैतु भरोसा भुगतान प्राप्त हुआ, उन्होंने योजना के बारे में फैलाई जा रही झूठी कहानियों को खारिज कर दिया। मंत्री ने कहा कि वह जुक्कल के विकास को अपनी जिम्मेदारी मानते हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और क्षेत्र के प्रभारी मंत्री सीतक्का से बात करने का वादा किया। उन्होंने लोगों के दिल से किए गए स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि विधायक लक्ष्मीकांत राव एक गतिशील नेता हैं जो क्षेत्र में तेजी से विकास सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा, अब मैं जुक्कल की जिम्मेदारी साझा करता हूं और इसकी प्रगति के लिए काम करूंगा। जुक्कल विधायक तोता लक्ष्मीकांत राव, सांसद सुरेश शेतकर, विधायक संजीव रेड्डी, सेटविन के चेयरमैन गिरिधर रेड्डी, जिला कलेक्टर आशीष सांगवान, एसपी राजेश चंद्रा, आरएंडबी के मुख्य अभियंता मोहन नाइक, कामारेड्डी डीसीसी अध्यक्ष कैलाश श्रीनिवास, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि और नेता मौजूद थे।

स्वर्णकारों को परेशान करना बंद करें : कविता

कारीगरों की सुरक्षा के लिए कानून में

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी और तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता ने स्वर्णकारों द्वारा हाल ही में की गई आत्महत्याओं की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है तथा उनकी दुर्दशा के लिए पुलिस उत्पीड़न और सरकारी सहायता की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। एक्स पर एक पोस्ट में कविता ने आईपीसी की धारा 411 के तहत सुनारों के खिलाफ पुलिस के मामलों को समाप्त करने की मांग की, जो चोरी की संपत्ति को संभालने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि पुलिस चोरी का सोना खरीदने के लिए निर्दोष सुनारों के खिलाफ मामले दर्ज कर रही है, लेकिन असली चोरों को पकड़ने में विफल रही है। उन्होंने कहा, यह अन्याय कई लोगों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर रहा है।

बीआरएस एमएलसी ने धारा 411 में तत्काल संशोधन की मांग की तथा कारीगरों को वित्तीय सहायता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, स्वर्णकारों को अपनी आजीविका चलाने के लिए ऋण दिया जाना चाहिए।

वंदे भारत ट्रेन महबूबाबाद में भैंस से टकराई, मामूली नुकसान

महबूबाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस रविवार को केसमुद्रम मंडल के तल्लापूसापल्ली रेलवे स्टेशन के पास भैंस से टकराने के बाद आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के कारण ट्रेन कुछ देर के लिए रुकी रही और उसमें सवार यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विशाखापट्टनम से आ रही यह ट्रेन 428/11 अपलाइन के पास पटरियों पर चर रही भैंसों से टकरा गई। टक्कर के कारण ट्रेन के आगे लगे कैटल गार्ड का एक हिस्सा टूट गया, जिससे ट्रेन को बिना किसी पूर्व सूचना के रुकना पड़ा।

फील्ड स्टाफ से सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस और स्टेशन अधिकारी मौके पर पहुंचे, शव को हटाया और कैटल गार्ड के टूटे हुए हिस्सों को निकाला। घटनास्थल साफ होने के बाद ट्रेन ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मवेशियों को पटरियों पर आने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भैंस के मालिक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। वंदे भारत सेवा की शुरूआत के बाद से ही देश भर में आवारा पशुओं से टकराने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अलग-अलग राज्यों में ऐसी कई दुर्घटनाएं हुई हैं, जिससे ट्रैक सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

सिगाची पीड़ित की फर्जी पहचान के लिए किया सांसद के पत्र का इस्तेमाल

मांगी अनुग्रह राशि

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति ने तेलंगाना के एक सांसद के अनुशंसा पत्र का उपयोग करके सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड दुर्घटना के मृतक पीड़ितों की सूची में एक फर्जी नाम शामिल करने का प्रयास किया, ताकि कंपनी द्वारा घोषित एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का कथित रूप से धोखाधड़ी से दावा किया जा सके।

उस व्यक्ति ने औद्योगिक क्षेत्र में हेल्प डेस्क से संपर्क किया और मांग की कि 30 जून की दुर्घटना में मरने वालों की सूची में 'मनोहर रेड्डी' का नाम भी शामिल किया जाए। हालांकि, कर्मचारियों ने उस दिन ड्यूटी पर मौजूद 143 कर्मचारियों की सूची की जांच की और ऐसे किसी व्यक्ति का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।

संदेह बढ़ने पर अधिकारियों ने उस व्यक्ति से और पूछताछ की, जिस पर वह पत्र लेकर अचानक चला गया और दावा किया कि वह और सबूत लेकर वापस आएगा। एक अन्य घटना में, 12 साल पहले अपने पति से अलग हुई एक महिला दुर्घटना स्थल पर तब पहुंची जब उसे पता चला कि उसके पति की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। उसने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वह खुद को और अपने बच्चों को कानूनी लाभार्थी के रूप में पंजीकृत करें। ऐसी कई घटनाओं के बाद, संगारेड्डी जिले के अधिकारियों ने एक संरचित सत्यापन प्रक्रिया को लागू करने का निर्णय लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 1 करोड़ रुपये का मुआवजा केवल वास्तविक परिजनों तक ही पहुंचे।

यह देखते हुए कि कई मृतक और घायल एजेंटों के माध्यम से काम करते थे, अधिकारियों को संदेह है कि कुछ बिचौलिए अनुग्रह राशि प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शोक संतप्त परिवारों से हिस्सा मांग सकते हैं। इस तरह के शोषण को खत्म करने के लिए, सिगाची प्रबंधन अनुग्रह राशि को तेलंगाना सरकार को हस्तांतरित करेगा, जो बदले में मृतकों की संबंधित राज्य सरकारों को राशि भेजेगी। स्थानीय तहसीलदार, स्टेशन हाउस अधिकारी और अन्य हितधारक कानूनी लाभार्थियों की पहचान करने से पहले गहन सत्यापन करेंगे। अधिकारियों ने दोहराया कि धोखाधड़ी और बिचौलियों के हस्तक्षेप को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AMARTA KUMARI, W/O: HAV BABLU KUMAR, R/O. VILLAGE: DHELWA BAGICHA, POST: DHELWA, DISTT: PATNA, BIHAR - 800020, have changed my name from AMARTA KUMARI to AMRITA KUMARI vide Affidavit dt.07-07-2025 AT Hyderabad

I, NARAYANA KANAKAM S/O: Chinna Thirupathaiah, R/O. 389C, PUSALAPADU, PRAKASAM, ANDHA PRADESH - 523334 have changed my name from NARAYANA KANAKAM to KANAKAM NARAYANA vide Affidavit dt.07-07-2025 AT Hyderabad

I, SAROJ RANI, W/O: HAV VIRENDRA KUMAR, R/O. SAKAHAN KALAN, DEOBAND, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247554 have changed my name from SAROJ RANI to SAROJ DEVI vide Affidavit dt.07-07-2025 AT Hyderabad

I, NAGESWARAMMA, M/O: SUB KOMMURI RAMBABU , R/O. VEJENDLA, GUNTUR, ANDHA PRADESH - 522213 have changed my name from NAGESWARAMMA to KOMMURI NAGESWARAMMA vide Affidavit dt.10-03-2025 AT Hyderabad

I, SUBBARAO, F/O: SUB KOMMURI RAMBABU , R/O. VEJENDLA, GUNTUR, ANDHA PRADESH - 522213 have changed my name from SUBBARAO to KOMMURI SUBBARAO vide Affidavit dt.10-03-2025 AT Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

क्षेत्रीय रिंग रोड से तनाव में किसान

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी भाग के लिए एक नए संरेखण को मंजूरी दी है, लेकिन इसका विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे किसानों में चिंता पैदा हो गई है, उन्हें डर है कि परियोजना के लिए उनकी जमीन का अधिग्रहण किया जा सकता है। संशोधित योजना के अनुसार, दक्षिणी खंड अब 201 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जो यदाद्री भोंगीर के चौटुप्पल से संगारेड्डी तक फैला हुआ है। इसके यदाद्री भोंगीर, नलगोंडा, रंगारेड्डी, महबूबनगर, विकाराबाद और संगारेड्डी जिलों से होकर गुजरने की उम्मीद है। पहले संरेखण को लगभग 182 किलोमीटर पर अंतिम रूप दिया गया था। कैबिनेट की मंजूरी के बाद राज्य सरकार ने नए एलाइनमेंट के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना शुरू कर दिया है। इस कार्य के लिए सलाहकारों को लगाया गया है, जिससे परियोजना नियोजन में कुछ और महीनों की देरी होने की संभावना है।

सड़क एवं भवन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, डीपीआर तैयार हो जाने के बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी और परियोजना मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। नए एलाइनमेंट को लेकर गोपनीयता ने किसानों और रियल एस्टेट डेवलपर्स दोनों को चिंतित कर दिया है।

> **पहले संरेखण को लगभग 182 किलोमीटर पर अंतिम रूप दिया गया था।**

फोर्थ सिटी प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण का पहले से ही विरोध कर रहे किसानों ने आरआरआर के लिए अपनी कृषि भूमि खोने के डर से विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है। आरएंडबी विभाग के सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि सड़क परियोजना के लिए लगभग 2,000 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी।

हाल ही में हुई समीक्षा बैठकों में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आरआरआर का दक्षिणी विस्तार प्रस्तावित चौथे शहर योजना के अनुरूप हो। रियल एस्टेट सेक्टर ने भी पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है। बाजार में पहले से ही मंदी का दौर चल रहा है, ऐसे में आरआरआर अलाइनमेंट और प्रोजेक्ट रोलआउट को लेकर अनिश्चितता से स्थिति और खराब हो सकती है। एक रियल एस्टेट डेवलपर ने कहा, जब तक संपूर्ण आरआरआर संरेखण पर स्पष्टता नहीं होगी, खरीदार अपने निर्णय को और विलंबित करेंगे। इस बीच, आरआरआर के उत्तरी भाग के लिए निविदाएं पहले ही जारी की जा चुकी हैं, जो 161.51 किलोमीटर की दूरी तय करती है। हालांकि, राज्य ने यातायात सर्वेक्षण के बाद केंद्र से इस हिस्से को चार लेन से छह लेन में अपग्रेड करने का अनुरोध किया है। एक बार जब केंद्रीय मंत्रिमंडल अध्ययन रिपोर्ट को मंजूरी दे देता है, तो उत्तरी संरेखण निविदाओं पर और स्पष्टता की उम्मीद है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने केंद्र से आरआरआर के उत्तरी और दक्षिणी दोनों खंडों को एक साथ लेने का आग्रह किया है, तथा तर्क दिया है कि ऐसा करने से समग्र व्यय में काफी कमी आएगी।

एचएमडीए ने की 607 चिन्हित झीलों की जांच के लिए जिला कलेक्टरों से हस्तक्षेप की मांग

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) ने सिंचाई और सीएडी विभाग (आईसीएडी) द्वारा पहचानी गई 607 झीलों के निरीक्षण में जिला कलेक्टरों के हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। आईसीएडी ने एचएमडीए क्षेत्र में चिन्हित 607 अतिरिक्त झीलों की सूची प्रस्तुत की है और एचएमडीए के झील संरक्षण प्रकोष्ठ (एलपीसी) ने संबंधित जिला कलेक्टरों को सूची भेजी है, ताकि एचएमडीए द्वारा पूर्व में अधिसूचित झीलों के साथ विवरण का मिलान किया जा सके। एचएमडीए झील शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन अतिरिक्त झीलों की जानकारी प्राप्त होने के बाद प्रारंभिक और अंतिम अधिसूचनाओं के प्रकाशन की प्रक्रिया जल्द ही की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि 14 साल पहले अपनी स्थापना के बाद से झील संरक्षण प्रकोष्ठ ने 2,525 झीलों के लिए प्रारंभिक अधिसूचनाएं और 230 झीलों के लिए अंतिम अधिसूचनाएं जारी की हैं। अगस्त 2024 और जून 2025 के बीच, एचएमडीए ने 408 झीलों के लिए प्रारंभिक अधिसूचनाएं और अन्य 995 झीलों के लिए अंतिम अधिसूचनाएं जारी कीं।

स्टाफ की कमी से जनजातीय स्वास्थ्य सेवा प्रभावित

आदिलाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी)- उटनूर में कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे मानसून के दौरान मौसमी बीमारियों के प्रति पहले से ही संवेदनशील जनजातीय समुदायों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कुछ हिस्सों को कवर करने वाली इस एजेंसी के पास 32 स्वास्थ्य केंद्र हैं। ये वर्तमान में 1,135 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 837 कर्मचारियों के साथ काम कर रहे हैं। 297 रिक्त पदों में 26 डॉक्टर, 62 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 19 लैब तकनीशियन, 15 फार्मासिस्ट और 26 स्टाफ नर्स शामिल हैं, जिससे आदिवासी आदिवासियों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर बाधा आ रही है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा किए गए एक त्वरित बुखार सर्वेक्षण से पता चला है कि हाल के दिनों में 1,101 आदिवासियों में वायरल बुखार का पता चला है। इसके अलावा, डायरिया के 125 मामले और टाइफाइड के 12 मामले सामने आए हैं, जो बढ़ते स्वास्थ्य संकट को उजागर करता है। दूरदराज के आदिवासी इलाकों के निवासियों ने कहा कि वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कर्मचारियों की कमी के कारण बुनियादी चिकित्सा सेवाओं तक भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। तिरयानी मंडल के चिंतालमदरा के तुमराम गोपाल ने कहा कि हमारे स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त कर्मचारियों की कमी के कारण हमें कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग ग्रामीण चिकित्सकों और दूरदराज के निजी अस्पतालों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर हैं, जिससे यात्रा और उपचार पर बड़ी रकम खर्च होती है।

आदिवासी समुदायों ने यह भी आरोप लगाया कि वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की खराब निगरानी के कारण पीएचसी में तैनात कुछ डॉक्टर अपने कर्तव्यों की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल रिक्त पदों को भरने और एजेंसी क्षेत्रों में विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने की अपील की। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, आईटीडीए-उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने हाल ही में एक समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को मौसमी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए तत्काल निवारक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं. : CAT-ADVTD-001

लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VZM-OSD-227-25-1 (Advertising - On Station Premises (Digital))

विवरण : विजयनगरम रेलवे स्टेशन पर RDN (डिजिटल) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए 51" एलईडी की 24 स्क्रीन के साथ 185.41 वर्ग फुट का स्थान।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 16.07.2025 को 1100 बजे

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 16.07.2025 को 1130 बजे

ट्रिप/दिन: 1826, न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-327/Q/25-26

PUBLIC NOTICE

"The General public is hereby intimated that Nirmala Agarwal W/o Jugal Kishore Agarwal R/o 16-10-227/G6, MCH Colony, Old Malakpet, Hyderabad-500036 filed a suit on the file of Hon'ble II Junior Civil Judge, City Civil Court Hyderabad vide O.S. No. 2457 OF 2025 filed on 25.06.2025 praying to declare the Plaintiff as the Legal heir of Late Varsha Modi @ Varsha Agarwal W/o of Late Pankaj Modi for declaring Plaintiff as legal heir cum Successor of Late Varsha Modi @ Varsha Agarwal, and if any person or persons may have objections such person or persons should appear before the Hon'ble Court on the next date of hearing i.e. 25.07.2025 at 10.30 am, failing which the Hon'ble Court will proceed with the case basing on the record of the case. Hence the notice as per the orders of Hon'ble Court."

AVADESH NARAYAN SANGHI
Advocate
#203, 204, Prathima Residency, King Kothi Road, Basheerbagh, Hyderabad-500029. Cell: 9849001994

'सरकार ने बंद कर दिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट'

अखिलेश बोले-नालों का पानी व गंदगी सीधे नदियों में जा रही

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि भाजपा के लोग जहां देखों जमीन कब्जा करने पहुंच जाते हैं। अयोध्या में लोगों के घर उजाड़े गए। उन्हें ठीक से मुआवजा भी नहीं मिला। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर लोगों के घर उजाड़े गए।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार आस्था को व्यापार बना रही है। कारिडोर के नाम पर विरासत खत्म की जा रही है। गलियां खत्म की जा रही हैं। कारोबार या किसी भी प्रकार के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ते हैं। मेले और पर्व हमें खुशियां देते हैं। लेकिन, ये लोग किसी को खुश नहीं देख सकते। इस सरकार में सभी अवैध काम हो रहे हैं। संगी साथी सब अवैध काम कर रहे हैं। आज पार्क, तालाब, ट्रस्टों में कब्जा किया जा रहा है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए

उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाली जा रही है। बुंदेलखंड की नदियों को इतना खोद दिया गया कि हर जिले में सड़क पर, खेत के किनारे टीले बने हुए हैं।

हमने सुना है कि नोएडा के लोगों की 'प्रति व्यक्ति आय' जापान के लोगों से ज्यादा है। ये लोग इस तरह के आंकड़े लेकर आते हैं। अखिलेश यादव ने शिल्पग्राम में आयोजित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव के आखिरी दिन आम लेने के लिए मची लूट पर सरकार की चुटकी ली। कहा कि यदि हादसे में किसी की मौत हो जाती, तो खबर बनती। ये सरकार किसी कार्यक्रम का आयोजन ठीक से नहीं कर पाती। मैनेजमेंट की कमी से आम लूटने के लिए भगदड़ मची।

कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया सपा मुखिया ने आगे कहा कि ये सरकार आस्था के नाम पर सिर्फ वोट लेती है। 9 वर्षों में कांवड़ियों के लिए कुछ भी काम नहीं किया। सात हजार करोड़ से गोरखपुर के लिए एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। लेकिन, कांवड़ियों के लिए एक हजार करोड़ से कॉरिडोर नहीं बना पाई। मुख्यमंत्री ने अपने घर के लिए तो काम किया। लेकिन, कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया।

लखनऊ के 2 दोस्तों की खाटूश्याम जाते वक्त मौत

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा के पास बारां में 4 दोस्तों की मौत हो गई। इसमें लखनऊ के नमन चतुर्वेदी (25) और जया शर्मा (25) भी थे। नमन अपनी मां से कानपुर में दोस्त का बर्थडे मनाने की बात कहकर निकला था। वहीं, जया ने घर में बताया था कि वह दोस्तों के साथ खाटूश्याम दर्शन करने जा रही है। इस हादसे में जान गंवाने वाली जया के 2 भाई-बहनों की भी एक्सीडेंट में ही जान गई थी। अब तीसरी बेटी की भी दर्दनाक मौत से परिवार पूरी तरह से टूट चुका है। गहरे सदमे की वजह से जया के पिता किसी से कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं। वहीं, नमन के घर मातम पसरा है। मोहल्ले में सन्नाटा है।

केशव पर एफआईआर हो...मांग वाली याचिका दोबारा खारिज

कहा था-फर्जी डिग्री से 5 चुनाव लड़े, पेट्रोल पंप लिया

प्रयागराज, 7 जुलाई (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री मामले में सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर याचिका खारिज कर दी। यह याचिका पूर्व भाजपा नेता और आरटीआई कार्यकर्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने दायर की थी। याचिका में कहा गया- केशव प्रसाद मौर्य ने फर्जी डिग्री लगाकर 5 अलग-अलग चुनाव लड़े। कौशांबी में फर्जी डिग्री के आधार पर ही इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पेट्रोल पंप हासिल किया। इसलिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो।

2 साल पहले दिवाकर की याचिका हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी थी। कहा था- याचिका तथ्यहीन है। याचिका में लगाए गए आरोपों में बल नहीं है। इसके बाद दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया था। कहा था- हाईकोर्ट में फिर से याचिका दाखिल की जाए। इसके बाद दिवाकर ने हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने 24 अप्रैल 2025 को स्वीकार लिया। याचिकाकर्ता की तरफ से वकील रमेश चंद्र द्विवेदी और यूपी सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने और शासकीय अधिवक्ता एके संड ने बहस की। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कहा था- याची ने अधीनस्थ अदालत में झूठा हलफनामा दाखिल किया है। जो आरोप लगाया गया है, उससे अपराध संज्ञेय नहीं है। फिर 23 मई 2025 को हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। आज 7 जुलाई को पुनर्विचार याचिका कोर्ट ने खारिज कर दिया। जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया। आरटीआई एक्टिविस्ट का दावा है कि डिप्टी सीएम ने साल 2014 में फूलपुर लोकसभा सीट से नामांकन के दौरान हलफनामे में अपनी डिग्री बीए बताई। इसमें दिखाया गया कि उन्होंने हिंदी साहित्य सम्मेलन से साल 1997 में बीए किया है।

इंदिरा गांधी के 'यूपी टाइगर' का निधन

राजा आनंद सिंह ने लखनऊ में अंतिम सांस ली, गोंडा से 4 बार सांसद रहे पूर्व कृषि मंत्री

मनकापुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी के यूपी टाइगर कहे जाने वाले मनकापुर नरेश राजा आनंद सिंह अब नहीं रहे। गोंडा से 4 बार सांसद रहे पूर्व कृषि मंत्री का 87 साल की उम्र में रविवार देर रात निधन हो गया। वह केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता थे। राजा आनंद सिंह की तबीयत बीते कुछ दिनों से खराब चल रही थी। उन्हें रविवार रात को सांस लेने में तकलीफ हुई। इसके बाद परिजन रात 1:15 बजे उन्हें लेकर लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल पहुंचे। इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों ने उनका चेकअप कर मृत करार दे दिया। आनंद सिंह का पार्थिव शरीर सोमवार सुबह 11 बजे लखनऊ से उनके पैतृक आवास मनकापुर कोट लाया गया, जहां अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों और लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। अंतिम संस्कार शाम को किया जाएगा। गोंडा की जनता के बीच आनंद सिंह 'अनु भइया' के नाम से लोकप्रिय थे। वह पूर्वांचल की राजनीति के भीष्म पितामह माने जाते थे। आनंद सिंह कांग्रेस के टिकट पर चार बार 1971, 1980, 1984 और 1989 में सांसद बनकर संसद पहुंचे। वो तीन बार लगातार सांसद रहे। 1991 में पांचवी बार चुनाव लड़ते हुए उन्हें भाजपा नेता बृजभूषण से हार का सामना करना पड़ा था। 2012 में आखिरी बार गोंडा की गौरा विधानसभा सपा से चुनाव लड़े और जीते थी। बसपा के प्रत्याशी प्रभात वर्मा को हराया था। अखिलेश की कैबिनेट में वो कृषि मंत्री बने।

कानपुर में मां और वकील बेटे की मौत

कानपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में बेकाबू कंटेनर ने बाइक सवार वकील और उनकी मां को टक्कर मारी दी। दोनों 20 फीट उछलकर सड़क पर गिर पड़े। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा कंटेनर ने कार और एक अन्य बाइक को भी टक्कर मारी। बाइक सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार सुबह चालक ने प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर 5 किमी तक कंटेनर को रॉन्ग साइड में दौड़ाया। कंटेनर में तीन सवारियां बैठी थीं। तीनों बचाओ-बचाओ चिल्लाते रहे। दो सवारियां चलती कंटेनर से कूद गईं। सरसौल ओवरब्रिज से 200 मीटर दूर भीड़ कंटेनर के सामने आ गई। यह देखकर चालक ने कंटेनर रोक दिया।

गोपाल खेमका को पटना के ही शूटर ने मारी थी गोली

> अंतिम संस्कार में आए संदिग्ध समेत पांच से पूछताछ जारी

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बड़े उद्योग पति गोपाल खेमका की हत्या मामले में पुलिस को बड़ी लीड मिली है। पुलिस ने दो शूटर को हिरासत में लिया है। उसकी निशानदेही के आधार पर पुलिस अन्य अपराधियों की तलाश कर रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि गोपाल खेमका की हत्या के लिए पटना सिटी से शूटर हायर किए गए थे।

उसने ही गोपाल खेमका के सिर में गोली मारी थी। पुलिस सूत्रों की मानें तो उसका नाम विजय है। उसपर हत्या के तीन मामले दर्ज हैं। हालांकि, वह इस वक्त फरार है। पुलिस ने उससे जुड़े कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उसकी निशानदेही पर पटना समेत कई जिलों में छापेमारी चल रही है। पुलिस ने हिरासत में लिए गए संदिग्ध की निशानदेही पर दो और अपराधियों को पकड़ा है। इधर, गोपाल खेमका के अंतिम संस्कार में आए एक शख्स को पटना पुलिस ने हिरासत में लिया है। वह पुष्प गुच्छ लेकर गुलबी घाट पहुंचा था। सूत्र बता रहे हैं कि इस हत्याकांड में यह संदिग्ध भी शामिल था। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। जल्द ही पटना पुलिस की टीम बड़ा खुलासा कर सकती है। वहीं इस मामले में बिहार पुलिस ने दो शूटरों को भी हिरासत में लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। बिहार पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बताया कि गोपाल खेमका हत्या मामले में पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम प्रभावी ढंग से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मैंने एसटीएफ में जाकर अनुसंधान की स्थिति का जायजा लिया। काफी प्रगति हुई है, लेकिन इसे साझा नहीं किया जा सकता। हमें उम्मीद है कि जल्द ही इस कांड का उद्भेदन होगा।

गोपाल खेमका को पहले से पुलिस सुरक्षा दी गई थी

डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि गुंजन खेमका की हत्या के बाद 2018 में उन्हें अंगरक्षक प्रदान किया गया था। गुंजन खेमका के हत्या कांड में चार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, और वैशाली पुलिस ने एक महीने के भीतर मामले का उद्भेदन किया था।

भूत भगाने के नाम पर महिला की पीट-पीटकर हत्या

आजमगढ़, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आजमगढ़ में ओझा ने भूत उतारने के नाम पर महिला को पीट-पीटकर मार डाला। झाड़-फूंक के दौरान गला दबाया, बाल पकड़कर घसीटा और टॉयलेट का पानी पिलाया। महिला ने ऐसा करने से मना किया तो बोला- बड़ा साया है, ऐसे नहीं भागेगा। महिला की तबीयत बिगड़ने पर ओझा उसे हॉस्पिटल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद ओझा फरार हो गया। महिला के परिजन ओझा के घर के पहुंचे। रविवार रातभर शव रखकर हंगामा किया। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। गांव में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार सुबह परिजनों को समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

झांसी में नाले में मिली युवक की लाश

झांसी, 7 जुलाई (एजेंसियां)। झांसी में सोमवार सुबह एक युवक की लाश नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। उसके हाथ पर गायत्री नाम लिखा था। इसके जरिए युवक की पहचान हो गई।

वो परिवार के साथ करीब 200 मीटर दूर रहता था। दो दिन पहले भी वह नाले में गिर गया था। पुलिस फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर जांच पड़ताल में जुटी है। हालांकि अभी तक मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पूरा मामला मोंठ कस्बे के टीकाराम वाली गली का है।

मलेशिया से ली 10 लाख की सुपारी-प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

दो लाख केएम तक भटकी पुलिस, चार बार घिसे गाड़ी के टायर-एनकाउंटर में गिरफ्तार

प्रॉपर्टी डीलर सुरेश राणा

सहारनपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सहारनपुर में जनवरी महीने में हुए प्रॉपर्टी डीलर सुरेश राणा हत्याकांड का मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्त कर लिया है। सोमवार को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद इनामी शूटर अरमान उर्फ दीपू उर्फ सिप्पी को गिरफ्तार कर लिया।

एक लाख का इनामी ये अपराधी हत्या के बाद लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था, जिससे पुलिस को उसे पकड़ने में 6 महीने लग गए। गिरफ्तारी के समय बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी है। दो साथी मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ खजुरी-अकबरपुर रोड की है।

1 लाख का इनाम, पकड़ने को 2 लाख किमी घूमी पुलिस

मुख्य आरोपी अरमान उर्फ दीपू उर्फ सिप्पी की तलाश में पुलिस की पांच टीमें देश के पांच राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और बिहार तक गईं। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में दो लाख किलोमीटर तक सफर किया गया। चार बार गाड़ियों के टायर तक बदलने पड़े।

तकनीक में माहिर था सिप्पी, इंटरनेशनल नंबर से करता था बात

एसएसपी आशीष तिवारी ने बताया- सिप्पी बेहद शातिर और टेक्नोलॉजी में निपुण था। वह कभी इंटरनेशनल नंबर से, तो कभी किसी राहगीर के मोबाइल हॉटस्पॉट से बात करता था। वाई-फाई या ब्रॉडबैंड से जुड़कर लोकेशन ट्रेसिंग से बचता था। उसके खिलाफ यूपी, हरियाणा और राजस्थान में रंगदारी, एनडीपीएस समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हैं।

एनकाउंटर के दौरान लगी गोली, दो साथी फरार सीओ सदर मनोज यादव ने बताया- गाग लहेड़ी पुलिस और सर्विलांस टीम को सूचना मिली थी कि सिप्पी खजुरी-अकबरपुर रोड पर अपने साथियों के साथ बाइक पर मौजूद है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सिप्पी के दोनों पैरों में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दो अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। हत्या की साजिश रचने वाला प्रमोद फिलहाल मलेशिया में है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

परिवार ने रचा मौत का खेल-पत्नी और बेटी ने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई मेरठ में सुभाष की हत्या

मेरठ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के एक और हत्याकांड ने सबको हैरान कर दिया है। कुछ दिन पहले ही मेरठ की मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी और शव के टुकड़ों को नीले ड्रम में डालकर सीमेंट से भर दिया था। लेकिन 2 हफ्ते पहले हुए हत्याकांड के नए खुलासों ने सबको चौंका दिया है। 23 जून को सुभाष नाम के व्यक्ति की हत्या हुई थी, जिसमें उसकी पत्नी और बेटी दोनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पत्नी और बेटी ने अपने-अपने प्रेमियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा के मुताबिक, सुभाष 23 जून को खेत में पानी लगाने के बाद वापस लौट रहा था। रास्ते में उसे बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। घायल अवस्था में सुभाष को अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटों के बाद उसका निधन हो गया था। इस मामले में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पूरे घटनाक्रम में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें मृतक सुभाष की पत्नी कविता और बेटी सोनम भी शामिल हैं। सोनम का दोस्त विपिन भी इस हत्याकांड में गिरफ्तार हुआ है। अन्य आरोपियों में गुलजार (सुभाष की पत्नी का प्रेमी) और अजगर उर्फ शिवम शामिल हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सुभाष की बड़ी बेटी पहले ही लव मैरिज कर चुकी थी।

मुहर्रम जुलूस के दौरान लहराया गया फिलिस्तीन का झंडा

> वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में एक बार फिर मुहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने का मामला सामने आया है। ताजा मामला जिले के जजुआर थाना क्षेत्र का है, जहां मुहर्रम के मातमी जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सैकड़ों की भीड़ के बीच एक युवक फिलिस्तीन का झंडा लहरा रहा है, जबकि अन्य लोग ताजिया उठाए हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान भारतीय तिरंगा झंडा भी जुलूस में लहराया जा रहा था। वायरल वीडियो में कुछ युवक हाथों में तलवार और अन्य प्रतिबंधित सामग्री लिए हुए भी दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि इससे पहले जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र में भी एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक फलस्तीन का झंडा लहराते हुए दिखा था। हालांकि, वहां पर जुलूस में शामिल युवक ने थोड़ी देर बाद खुद ही वह झंडा हटा लिया था। उस घटना का भी वीडियो एक स्थानीय व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाला, जो तेजी से वायरल हो गया।

अब जजुआर क्षेत्र से आए इस नए वीडियो ने फिर से विवाद को हवा दे दी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और वीडियो की सत्यता के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि या प्रतिबंधित प्रतीकों का प्रदर्शन कानून के विरुद्ध है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक स्कूलों के विलय का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाएं खारिज कीं

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से स्कूलों के विलय मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने प्राथमिक स्कूलों के विलय के आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाओं को सोमवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों समेत एक अन्य याचिका पर यह फैसला सुनाया। इनमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है। याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा था। साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूल दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया था। याचियों की ओर से खासतौर पर दलील दी गई थी कि स्कूलों को विलय करने का सरकार का आदेश, 6 से 14 साल के बच्चों के मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उलंघन करने वाला है। उधर, राज्य सरकार की ओर से याचिकाओं के विरोध में प्रमुख दलील दी गई कि विलय की कार्रवाई, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए बच्चों के हित में की जा रही है। सरकार ने ऐसे 18 प्राथमिक स्कूलों का हवाला दिया था, जिनमें एक भी विद्यार्थी नहीं है। कहा कि ऐसे स्कूलों का पास के स्कूलों में विलय करके शिक्षकों और अन्य सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जाएगा। सरकार ने पूरी तरह शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिहाज से ऐसे स्कूलों के विलय का निर्णय लिया। कोर्ट ने बीते शुक्रवार को सुनवाई के बाद में फैसला सुरक्षित कर लिया था। इसे सोमवार की दोपहर में सुनाया।

मुकेश सहनी बोले-जनता के खिलाफ ही षड्यंत्र रचा जा रहा है

> मतदाता पुनरीक्षण का काम रोके चुनाव आयोग

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता पुनरीक्षण कार्य को रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रेस वार्ता में वीआईपी के संस्थापक मुकेश सहनी ने कहा कि आज मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान बिहार के सभी स्कूलों का कार्य ठप है। सभी शिक्षकों को इस कार्य में लगाया गया है।

जनता चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है मुकेश सहनी ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग और बिहार सरकार यहां के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर रहा है? दो-तीन महीने अगर स्कूल ठप रहेगा तो यहां के बच्चों की पढ़ाई कैसे संभव है? उन्होंने चुनाव आयोग से आग्रह करते हुए कहा कि वे सोशल साइटों पर किए जा रहे कमेंटों को पढ़ें, उसे समझ में आ जाएगा कि बिहार की जनता सोच क्या रही है। बिहार की जनता चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है, जिसे आयोग को गंभीरता से समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण कार्य को वापस लेना चाहिए। अभी चुनाव आयोग का कहना है कि बिना पेपर के भी अपलोड किया जा सकता है। लेकिन, बीएलओ कार्यों से परेशान है। उन्होंने कहा कि अगर किसी बूथ पर 200 मतदाता का नाम कट जाता है तो इससे स्थिति खराब होगी। बीएलओ के साथ ही लोग मारपीट करने लगेंगे। बिहार में लोकतंत्र है। जनता मालिक है और जनता के खिलाफ ही षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने सत्ता पक्ष द्वारा इस मामले में सामने नहीं आने पर कहा कि जनता की परेशानियों से उन्हें कोई मतलब नहीं है, यही कारण है कि वे चुप हैं।

भारी बारिश से उत्तर भारत हुआ तरबतर, हिमाचल-उत्तराखंड में रेड अलर्ट

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में सोमवार सुबह से ही बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी हल्की बारिश की संभावना जताई है। देश के कई हिस्सों में बारिश और बाढ़ ने तबाही मचाई है। पहाड़ से लेकर मैदान तक सैलाब ही सैलाब नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश का संभावना जताई है।

उत्तर प्रदेश के 47 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार के लिए मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के तराई जिलों सहारनपुर, शामली, बरेली, पीलीभीत समेत और उत्तराखंड और दिल्ली एनसीआर से सटे कुल 16 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही 47 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले तीन चार दिन फिलहाल मानसूनी बारिश के मद्धिम पड़ने के संकेत हैं। इस दौरान पूर्वांचल के इलाकों में बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बूंदाबांदी के ही आसार हैं। फिलहाल यहां अच्छी बारिश की संभावना न के बराबर है। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश व कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई है। नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, पीलीभीत, संभल, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा और ललितपुर, में अनेक जगहों पर आज बारिश होगी। वहीं सहारनपुर, बागपत, मुजफ्फरनगर, रामपुर और बिजनौर में भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है।

इन जिलों में मेघगर्जन और वज्रपात होने की संभावना

बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में आज कुछ स्थानों बारिश के कई दौर देखने को मिल सकते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश से हाहाकार

हिमाचल में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश ने तबाही मचा रखी है। हिमाचल प्रदेश में बादल के फटने, पहाड़ों के टूटने और आकस्मिक बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। मंडी और चंबा जिले में फिर बादल फटने से 50 बीघा जमीन और पांच पुल बह गए हैं। हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच चंबा, मंडी और कांगड़ा जिलों में भारी बारिश हो रही है। प्रदेश के 10 जिलों में सोमवार को भी भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम और भूस्खलन के चलते राज्य में रविवार को भी 243 सड़कें अवरुद्ध रहीं। बिजली के 244 ट्रांसफार्मर और 278 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित रहीं। हालांकि, शिमला के लिए नई दिल्ली से फ्लाइट हालांकि नियमित रूप से चली।

उत्तराखंड भारी बारिश की चपेट में

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा ने रौद्र रूप ले लिया है। नदी किनारे स्थापित भगवान शिव की मूर्ति डूब गई है। उत्तराखंड में टनकपुर-तवाघाट-लिपुलेख सड़क तवाघाट के पास भारी बोल्डर और मलबा आने से बंद हो गई।

अमरनाथ यात्रा-4 दिन में 50 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

बारिश के बीच 5वां जत्था जम्मू से रवाना; 3.5 लाख यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन किया

पहलगाम, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के पहले 4 दिनों में 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए हैं।

यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। चौथे दिन रविवार को 21,512 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। इस बीच रविवार को 7502 यात्रियों का 5वां जत्था जम्मू से पहलगाम के नुनवान और कश्मीर के गांदरबल के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। जत्थे में 5,973 पुरुष, 1,169 महिलाएं, 34 बच्चे, 310 साधु और 16 साध्वी शामिल हैं। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। अबतक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

भारी बारिश के चलते स्कूलों की हुई छुट्टी-केदारनाथ यात्रा रोकी गई

गोपेश्वर (चमोली), 7 जुलाई (एजेंसियां)। चमोली जनपद में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बदरीनाथ हाईवे उमट्टा में पहाड़ी से मलबा आने के चलते बाधित है तो ज्योतिर्मठ क्षेत्र में 66 केवी की विद्युत लाइन पर फाल्ट आने से क्षेत्र में बिजली सप्लाई रात से ही ठप पड़ी है। उधर, भारी बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। मौसम विभाग के भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी को देखते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर चमोली जनपद के सरकारी, अर्द्धसरकारी विद्यालयों में आज अवकाश घोषित कर दिया गया है।

दुकानदार ने चप्पल नहीं ली वापस तो महिला ने काट लिया अंगूठा

चोरी का भी लगाया आरोप

जम्मू , 7 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पुराने शहर के केंद्रीय बेसिक स्कूल के पास एक बेहद ही चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां पर एक महिला कस्टमर ने चप्पल वापस नहीं लेने पर महिला दुकानदार का अंगूठा ही दांतों से काट लिया। केवल इतना ही नहीं इससे पहले दोनों के बीच जमकर बहसबाजी हुई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद आसपास के दुकानदार भी इकट्ठा हो गए और किसी तरह उन्होंने बीच बचाव करके दुकानदार को कस्टमर से बचाया और जीएमसी के अस्पताल में एडमिट करवाया। सिटी थाना प्रभारी के मुताबिक अभी तक किसी भी पक्ष की तरफ से कोई भी लिखित शिकायत नहीं दी गई है। हालांकि, मामला पूरी तरह से हमारे संज्ञान में है।

दोनों पक्षों की ओर से बताए गए तथ्यों की सही से जांच की जा रही है। महिला कस्टमर ने भी दुकान चलाने वाली महिला पर आरोप लगाए हैं। उसके मुताबिक दुकानदार ने खुद उसके साथ बुरा बर्ताव किया। इतना ही नहीं उसने यह भी कहा कि उसके साथ जमकर मारपीट की गई। महिला दुकानदार का इलाज जीएमसी में चल रहा है। वहीं, महिला दुकानदार ने कहा कि सुबह एक महिला अपने बच्ची के साथ चप्पलों को लेने आई थी। उसने बच्ची को चप्पल पहनाई और वह वापस अपने घर पर चली गई। फिर वह महिला कस्टमर वापस दुकान पर आती है और चप्पल बदलने को कहती है। साथ ही वह अपने पैसे वापस मांगती है।

'महाराष्ट्र में नहीं तो क्या मराठी पाकिस्तान-बांग्लादेश में बोली जाएगी'

भाषा विवाद पर बोले संजय राउत

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में नहीं तो मराठी भाषा कहां बोली जाएगी-पाकिस्तान या बांग्लादेश में? इससे पहले राउत ने रविवार को कहा था कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित सत्तारूढ़ महायुति के नेता घबरा गए हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, "कुछ लोग संस्कृति और मराठी भाषा को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। महाराष्ट्र में नहीं, तो मराठी भाषा कहां होगी-पाकिस्तान, बांग्लादेश या नेपाल में? अगर लोग किसी भाषा के लिए आंदोलन करते हैं तो आशीष शेलार उनकी तुलना पहलगाम के आतंकवादियों से करते हैं, यह गलत है और यह भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है।"

राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष

राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस सहित सत्तारूढ़ 'महायुति' के नेता घबरा गए हैं। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे बंधुओं ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा हिंदी भाषा संबंधी सरकारी आदेश वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए 'विजय' रैली आयोजित की जिससे महायुति के नेता असमंजस में हैं।

मराठी भाषा विवाद पर बीजेपी सांसद ने दिया चैलेंज

चचेरे ठाकरे भाई पिछले दो दशकों में पहली बार एक साथ राजनीतिक मंच पर नजर आए थे। इस दौरान उद्धव ने संकेत दिया कि शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच राजनीतिक गठबंधन हो सकता है। राउत ने कहा, ''महायुति नेता और देवेंद्र फडणवीस ठाकरे बंधुओं के साथ आने से परेशान हैं।'' शिवसेना-मनसे की जनसभा के बाद फडणवीस ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे ने रुदाली जैसा भाषण दिया है। जिस पर राउत ने कहा, ''फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ठाकरे बंधुओं के साथ आने पर अब रोने का कार्यक्रम शुरू करना चाहिए।'' उद्धव और राज ठाकरे ने दरअसल, शनिवार को संयुक्त रूप से मुंबई के वर्ली में आवाज मराठीचा नाम से एक विजय रैली आयोजित की थी। इसमें फडणवीस सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने संबंधी दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाया गया था।

अबोहर में ताबड़तोड़ फायरिंग

प्रसिद्ध शोरूम संचालक संजय वर्मा की हत्या कार से उतरते समय गोलियों से भूना गया

अबोहर (पंजाब), 7 जुलाई (एजेंसियां)। अबोहर के भगत सिंह चौक पर स्थित न्यू वियर वैल शोरूम के संचालक संजय वर्मा की सोमवार सुबह गोली मार कर हत्या कर दी गई। वारदात शोरूम के बाहर ही हुई। संजय वर्मा को उस समय गोली मारी गई जब वे अपनी कार से उतर रहे थे। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोलियां चलने से वहां दहशत का माहौल बन गया और बाजार भी बंद हो गया।

पुलिस ने शुरू की जांच

संजय वर्मा को सरकारी अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। सूचना के बाद एसएसपी गुरमीत सिंह भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। संजय वर्मा प्रसिद्ध व्यापारी जगत वर्मा के छोटे भाई थे। संजय वर्मा की हत्या की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में व्यापारी अस्पताल पहुंच गए और शहर में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। हत्यारे कौन थे और हत्या क्यों की गई, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। बता दें न्यू वियरवेल कपड़ों व फैशन डिजाइन की दुनिया में एक बड़ा नाम है।

शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने व्यापारी की हत्या की निंदा की है। उन्होंने ट्वीट किया-पंजाब में कानून व्यवस्था अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। अबोहर में द न्यू वेयर वेल टेलर्स के मालिक संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या मौजूदा जंगल राज को दर्शाती है। डॉक्टर, कलाकार और एथलीट सहित व्यवसायी और पेशेवर लोग जबरन वसूली करने वालों से गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पहुंचे ओवैसी

> कहा-प्रक्रिया के लिए और समय दिया जाए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर एआईएमआईएम का प्रतिनिधिमंडल सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में चुनाव आयोग पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल के चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान ओवैसी ने कहा कि हम मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ नहीं है। लेकिन इस प्रक्रिया के लिए थोड़ा और समय दिया जाना चाहिए।

एआईएमआईएम के प्रमुख अगर 15-20 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची से छूट भी गए, तो वे अपनी नागरिकता भी खो देंगे। अगर किसी का नाम हटा दिया जाएगा, तो वह व्यक्ति न केवल अपना वोट खो देगा, बल्कि यह उसकी आजीविका का भी मुद्दा है। हमारा एकमात्र मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग इतने कम समय में इस तरह की कवायद को कैसे लागू कर सकता है? लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ेगा और हमने व्यावहारिक कठिनाइयों को उजागर करते हुए इन मुद्दों को चुनाव आयोग के सामने रखा है। बिहार में एमआईएमआईएम के राज्य प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि पुनरीक्षण की तिथि बढ़ा दी जाए या रोक लगा दी जाए क्योंकि राज्य में कई लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं हैं, कई प्रवासी मजदूर हैं और मानसून का मौसम भी है। राज्य में केवल 2% आबादी के पास पासपोर्ट है और स्नातकों की संख्या 14% है। गरीब लोगों के पास कोई दस्तावेज नहीं है। बाढ़ के दौरान कई लोगों ने अपने दस्तावेज और सामान खो दिए हैं। डर है कि लोग वोट नहीं कर पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, 10 जुलाई को सुनवाई

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पर सहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में राजद सांसद मनोज झा, एडीआर और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने याचिका दायर की है।

चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआईआर करने के निर्देश जारी किए थे, जिसका उद्देश्य अपात्र नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना था कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों। आयोग ने कहा कि तेजी से बढ़ती शहरीकरण, प्रवासन, युवा मतदाता बनने, मौत की सूचनाएं न मिलने और विदेशी अवैध प्रवासियों के नाम जुड़ने जैसे कारणों से यह पुनरीक्षण जरूरी हो गया है। इस प्रक्रिया में बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर नामों की जांच करेंगे।

राहुल से कांग्रेस शासित स्टेट नहीं संभल रहे-बिहार सरकार कर रही कार्रवाई : अनिल विज

अंबाला, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने विपक्ष पर निशाना साधा है। अनिल विज ने राहुल गांधी से कहा है कि वो खुद के स्टेट तो संभाल नहीं पा रहे हैं। भाजपा शासित प्रदेश पर उंगली उठा रहे हैं। दरअसल, अंबाला में आज मंत्री अनिल विज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पत्रकारों के सवाल पर कि खेमका की हत्या पर राहुल गांधी ने कहा कि बिहार क्राइम कैपिटल बना है, इस पर अनिल विज ने कहा कि बिहार सरकार इस केस में जरूरी कार्रवाई कर रही है।

एमपी में प्रमोशन में आरक्षण पर रोक

हाईकोर्ट ने कहा-नए नियम लागू नहीं कर सकते

जबलपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण पर फिलहाल रोक लगा दी है। सोमवार को पदोन्नति के नए नियमों को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पुराने नियम (2002) और नए नियम (2025) में क्या फर्क है? सरकार इसका कोई साफ जवाब नहीं दे पाई। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसी स्थिति में नए नियमों को लागू नहीं किया जा सकता। अब अगली सुनवाई 15 जुलाई (मंगलवार) को होगी। तब तक सरकार नियमों का अंतर समझकर अदालत को बताए।

संघ की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए सरकार नए नियमों के तहत फिलहाल प्रमोशन में आरक्षण नहीं दे सकती। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस और जजों की बेंच ने सरकार से यह भी सवाल किया कि जब पदोन्नति का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो फिर सरकार ने नए नियम क्यों बनाए? क्या पहले सुप्रीम कोर्ट से पुराना मामला वापस नहीं लेना चाहिए था? राज्य सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पेश हुए, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं कर सके कि 2002 और 2025 के नियमों में असली फर्क क्या है। उन्होंने कहा कि अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। कोर्ट ने कहा कि जब तक इस मामले में हाईकोर्ट कोई अंतिम फैसला नहीं देता, तब तक सरकार नए नियमों के आधार पर कोई भी पदोन्नति या संबंधित कार्रवाई नहीं करे।

पद्मनाभस्वामी मंदिर में स्मार्ट ग्लास पहनकर घुस रहा शख्स पकड़ाया

चश्मे में लगे हुए थे सीक्रेट कैमरे, मंदिर में दाखिल होते ही सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में लिया

तिरुवनंतपुरम, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में स्मार्ट ग्लास पहनकर प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक शख्स को पकड़ा गया है। श्रद्धालु की पहचान 66 वर्षीय सुरेंद्र शाह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गुजरात का रहने वाला है। सुरेंद्र शाह को रविवार शाम मंदिर के सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया।

पुलिस के मुताबिक, मंदिर में कैमरा लगे चश्मे जैसे उपकरण प्रतिबंधित हैं। इसके बावजूद सुरेंद्र स्मार्ट ग्लास पहनकर मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। शाह मुख्य प्रवेश द्वार से मंदिर में दाखिल हुआ। उसके हावभाव से सुरक्षाकर्मियों को उस पर शक हुआ और उन्होंने उसे वापस बुलाया। जांच करने पर पता चला कि उसके चश्मे में छिपे हुए कैमरे लगे थे। मंदिर प्रशासन ने सुरेंद्र शाह के खिलाफ बीएनएस धारा 223 (लोक सेवकों के वैध आदेशों की अवज्ञा) के तहत मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने कहा कि इस स्तर पर किसी गलत इरादे का संदेह नहीं है, लेकिन विस्तृत जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि शाह को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस दिया गया है। भारत के वैष्णव मंदिरों में शामिल यह ऐतिहासिक मंदिर केरल के पर्यटन और धर्मिक आस्था का केंद्र है। मंदिर में अत्यंत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ- साथ यहां श्रद्धालुओं के प्रवेश के नियम भी हैं। पुरुष केवल धोती पहनकर ही प्रवेश कर सकते हैं और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना अनिवार्य है। अन्य किसी भी लिबास में प्रवेश यहां वर्जित है।

हरियाणा में गैंगवार, दो युवकों को लगी गोली

जींद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जींद में रोहतक की सीमा के पास बाइक सवार दो युवकों को गोलियों से भून दिया। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे का रोहतक पीजीआई में उपचार चल रहा है। मृतक पर हत्या, फिरौती, अपहरण, आर्म्स एक्ट के 12 केस दर्ज थे।

गैंगवार से जुड़ा है मामला

हमलावर दो बाइकों पर सवार होकर आए थे और आते ही 15 से ज्यादा राउंड फायर किए। मामला गैंगवार से जुड़ा बताया जा रहा है। मृतक की पहचान जींद के राजपुरा भैण निवासी रिषी लोहान के रूप में हुई, जबकि घायल युवक गांव का ही मनीष बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक राजपुरा भैण निवासी रिषी और मनीष रात को 9 बजे के करीब जींद से रोहतक की तरफ जा रहे थे।

राजा के परिवार ने शिलॉन्ग-दिल्ली में हायर किए 3 वकील

कोर्ट में सोनम-राज के नार्को टेस्ट की मांग करेंगे; भाई बोला-मर्डर की वजह जानना है

इंदौर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर अब शिलॉन्ग हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। इसके लिए राजा के परिवार ने 3 वकील हायर कर लिए हैं। हाईकोर्ट में अपील खारिज होती है तो परिजन सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। दरअसल, राजा का परिवार आज भी उसकी हत्या की वजह तलाश रहा है। परिजन का मानना है कि नार्को टेस्ट के जरिए ही आरोपी हत्या की वजह बताएंगे। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा- मैं आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर इसी हफ्ते शिलॉन्ग जाऊंगा।

> हम मेघालय हाईकोर्ट में नार्को टेस्ट के लिए अपील करेंगे। इसके लिए वहां के हाईकोर्ट से एक और सुप्रीम कोर्ट के 2 वकील हायर किए हैं। अगर मेघालय हाईकोर्ट में हमारी नार्को टेस्ट की अपील खारिज कर दी जाती है तो हम दिल्ली सुप्रीम कोर्ट में नार्को टेस्ट की मांग करेंगे। अभी मैं वकीलों के नाम ओपन नहीं करना चाहूंगा।
>
> **विपिन रघुवंशी, राजा के भाई**

हत्या में बड़ा नेटवर्क शामिल होने का शक विपिन ने कहा- राजा की हत्या सोनम और राज ने क्यों की, ये अभी तक सामने नहीं आया है। मुझे शक है कि इसमें बड़ा नेटवर्क शामिल है। नार्को टेस्ट से इस नेटवर्क का खुलासा होगा और वजह भी सामने आएगी। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि उन्होंने राजा को मारने के लिए वकील या पुलिस की सलाह ली होगी या तांत्रिक क्रिया की होगी। इनका नेटवर्क बड़ा है, जो बाहर नहीं आ रहा है। मैं इसी हफ्ते मंगलवार से शनिवार के बीच पहले दिल्ली और फिर वहां से शिलॉन्ग जाऊंगा। विपिन रघुवंशी ने कहा- मेघालय पुलिस नार्को टेस्ट नहीं कराना चाहती है, हमें उसमें कोई परेशानी नहीं है। पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच की है। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार्रवाई पर कोई संदेह नहीं है। मैं उनके काम से संतुष्ट हूं, लेकिन मैं भाई होने का पूरा फर्ज निभाऊंगा। विपिन ने कहा- हमने राजा को छोटे से बड़ा किया। उसका पूरा बचपन देखा। धूमधाम से शादी की। उसकी शादी को लेकर हम बहुत खुश थे, लेकिन हनीमून से लापता होने के बाद सारी चीजें बदल गईं। फिर उसकी मौत का पता चला। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि राजा के साथ ऐसा होगा। सोनम ने धोखा दे दिया। अगर किसी हादसे में राजा चला जाता तो इतना दुख नहीं होता, जितना आज हो रहा है। 6 जुलाई को देवशयनी ग्यारस पर पूरे परिवार ने उसके लिए उपवास भी रखा।

विपिन ने बताया कि राजा की शादी के वक्त घर के गेट पर जो बंदनवार लगाया था, वह आज भी लगा है। शादी के बाद उसका कमरा सजाया था, वह आज भी वैसा ही सजा है। जब तक राजा को इंसाफ नहीं मिलेगा, उसकी हत्या की वजह हमें पता नहीं चलेगी, तब तक हम शांत नहीं बैठेंगे।

सोनम के भाई से मांगी शादी की फोटो

विपिन ने कहा- सोनम के भाई गोविंद ने कहा था कि मैं आप लोगों के साथ हूं। राजा को न्याय दिलाने की बात कही थी। अगर वह अपनी बात पर टिका रहता है तो हमें कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर वे लोग बदलेंगे तो वैसा ही हो जाएगा, जैसा सोनम ने हमें धोखा दिया है। गोविंद को जो करना है, वह करे लेकिन हमें दिया वचन न तोड़े। कुछ दिन पहले मेरी गोविंद से बात हुई है। हमने उससे राजा और सोनम की शादी की फोटो वाली पेनड्राइव मांगी है। उसमें राजा की कई यादें हैं। हो सकता है कि उन फोटोज में हमें कुछ क्लू मिल जाए।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 8 जुलाई - 2025

चिराग पासवान बिहार में किसका खेल बिगड़ेंगे?

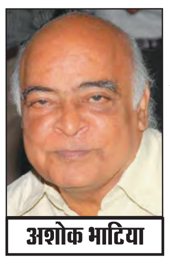

अशोक भाटिया

0बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपने एक बयान से बीजेपी और जेडीयू की मुश्किलें बढ़ा दीं है। चिराग पासवान ने बिहार में सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए में शामिल है। नीतिश कुमार की जेडीयू भी एनडीए का हिस्सा है। यानि लोजपा, भाजपा और जेडीयू बिहार मे इस समय साथ-साथ हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि चिराग पासवान क्या अपने सहयोगी दलों से अलग होकर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।चिराग के इस ऐलान ने फिलहाल भाजपा और जेडीयू को सकते में डाल दिया है। बता दें कि चिराग पासवान इस समय एनडीए की मोदी सरकार में मंत्री भी हैं।चिराग पासवान ने रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित करते हुए कहा कि वह बिहार के हित में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके विरोधी उनके रास्ते में रोड़ा अटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

एलजेपीआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि खुद को बहुत लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता। उन्होंने यह भी कहा है कि बिहार वापस जाना चाहता हूं।चिराग पासवान ने कहना है कि मेरे राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी रहे हैं। जिस सोच के साथ राजनीति में आया हूं, वह ये है कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में आए। उन्होंने कहा कि यही मेरी इच्छा है और तीसरी बार सांसद बनकर मुझे समझ आया कि दिल्ली में रहकर बिहार के लिए काम करना संभव नहीं होगा। चिराग ने कहा कि मेरा अपना एक विजन भी है 'बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट'। चिराग पासवान का कहना है कि कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की बराबरी पर आकर खड़ा हो, यह चाहता हूं। चिराग ने यह भी कहा कि पार्टी के सामने अपनी इच्छा रखी थी। जल्द वापस बिहार जाना चाहता हूं। मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने से पार्टी को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी इसका आकलन कर रही है। हम चाहे जितनी सीटों पर भी चुनाव लड़ें, हमारा ध्यान स्ट्राइक रेट पर है।चिराग ने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी और मेरे गठबंधन का प्रदर्शन अगर बेहतर होता है, तो जरूर लडूंगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले चिराग पासवान ने कहा था कि पार्टी की तरफ से मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव आया है। उन्होंने यह भी कहा था कि इस पर अभी और विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी ने प्रस्ताव दिया है कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ूं। हालांकि, अभी इस पर और चर्चा होना बाकी है।

वैसे चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री हैं। केंद्रीय मंत्री रहते हुए अगर वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, तो जाहिर है उनका लक्ष्य मंत्री बनना तो नहीं ही होगा। फिर उनका प्लान क्या है? दरअसल, चिराग पासवान जानते हैं कि केंद्रीय राजनीति में भी उनके पैर तब तक ही जमे हैं, जब तक वह बिहार में मजबूत हैं। आखिरकार, उनकी सियासत का बेस तो बिहार ही है। बीजेपी मध्य प्रदेश और राजस्थान से लेकर हरियाणा तक, केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाती आई है। 2020 के बिहार चुनाव में चिराग की पार्टी शून्य सीट पर सिमट गई थी। खुद मैदान में उतरने के पीछे चिराग की रणनीति यह भी हो सकती है कि शायद इससे एलजेपीआर को कुछ सीटों पर फायदा मिल जाए।

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश अश्क ने कहा कि राजनीति में कोई अस्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। चिराग की रणनीति कुछ सीटें जीतकर अपनी बारगेनिंग पावर बढ़ाने की हो सकती है, खासकर ऐसे माहौल में जब नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति हो। चिराग भी भविष्य के सीएम दावेदारों में गिने जाते हैं, 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' जैसे कैंपेन से अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। वह बिहार की सियासी पिच खाली नहीं छोड़ना चाहते। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी कम सीटें होने के बावजूद सीएम बन सकते हैं, निर्दलीय मधु कोड़ा झारखंड के सीएम बन सकते हैं, नीतीश कुमार तीसरे नंबर की पार्टी का नेता होने के बावजूद पांच साल सरकार चला सकते हैं, तो सियासत में कुछ भी हो सकता है। चिराग को भी नीतीश के भविष्य पर संशय में अपने लिए उम्मीद दिख रही है।

साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकू जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं? चिराग की पार्टी ने जब 2020 में एकला चलो की राह पकड़ी थी, तब भी वही पार्टी के अध्यक्ष थे। तब पार्टी एनडीए में भी थी। हालांकि, चिराग तब केंद्र में मंत्री नहीं थे। 20 साल पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब चिराग के पिता रामविलास पासवान केंद्र सरकार में मंत्री थे। केंद्र में यूपीए की सरकार थी और जब बिहार चुनाव की बारी आई, एलजेपी ने अकेले चुनाव लड़ा। केंद्र की सरकार में साथ होते हुए भी रामविलास पासवान का समर्थन आरजेडी को नहीं मिल पाया और पार्टी सत्ता से ऐसी चूकी कि नीतीश के बगैर सत्ता का स्वाद चखने की स्थिति में कभी आ नहीं पाई। क्या चिराग इस बार एनडीए के लिए वही कहानी दोहरा पाएंगे?

वैसे चिराग ने बिहार सरकार कि आलोचना करने से भी नहीं डर रहे । बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर चिराग पासवान ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाएं उस सरकार में हो रही हैं, जिसकी पहचान सुशासन की है। मैं भी उस सरकार का समर्थन कर रहा हूं। यह वाकई चिंता का विषय है। मैं इस सवाल से भागने की कोशिश नहीं करूंगा, न ही हमारी सरकार को ऐसा करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर इतनी बड़ी घटना शहरी इलाकों में खुलेआम होती है, अगर इतने पॉश इलाके में होती है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। मैं सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के भी संपर्क में हूं... लेकिन ऐसी घटनाएं हमारी चिंता बढ़ाती हैं .... अगर परिवार (गोपाल खेमका का) डरा हुआ है, तो यह जायज है। यह ऐसा परिवार है जिसने पहले भी इसका सामना किया है। क्या स्थानीय प्रशासन ने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई?..... यह प्रशासन की जिम्मेदारी थी।'चिराग पासवान ने कहा कि हत्या चाहे राजधानी पटना में हो या बिहार के किसी दूर-दराज के गांव में, सरकार को कानून-व्यवस्था के लिए जवाहदेह होना पड़ेगा। चिराग ने कहा कि सरकार जवाबदेही से भाग नहीं सकती। शहरी इलाके में खुलेआम घटना घट जाती है। थाना बगल में था, अधिकारी उसी इलाके में रहते हैं। इतने पॉश इलाके में ऐसी घटना घट जाती है तो चिंता का विषय है। सुशासन के राज में अपराधियों को इतना बल कहां से मिल गया ये हमें देखना होगा।

भारत बनेगा समंदर का सिकंदर !

17 युद्धपोत और 9 पनडुब्बियां अभी मंजूरी के इंतजार में हैं। यदि इनकी मंजूरी मिल गई तो वह दिन दूर नहीं जब समंदर में भारत के पोत ही राज करेंगे। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद से ही भारतीय सशस्त्र बल लगातार अपनी ताकत बढ़ाने में जुटा है। नए-नए हथियारों की खरीद को लेकर अहम फैसले लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय नौसेना को भी और ताकतवर बनाने की योजना पर काम चल रहा है। 17 युद्धपोत और 9 पनडुब्बियों पर फैसला लिया जाना है, ये प्रोजेक्ट अलग-अलग मंजूरी के स्तर पर हैं। अभी भारतीय नौसेना के पास 61 वॉरशिप और पनडुब्बियां हैं। ये सभी भी अलग-अलग चरणों में बन रहे हैं। जो भी नए जहाज बनने वाले हैं, वे सब भारत में ही बनेंगे। सात अगली पीढ़ी के फ्रिगेट (युद्धपोत) बनाए जाएंगे। इसके साथ ही दो बहुउद्देशीय जहाजों के निर्माण का प्रोजेक्ट भी शुरू होगा। प्रोजेक्ट 75-इंडिया (I) में छह आधुनिक पनडुब्बियां बनेंगी, जिस पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रोजेक्ट 75 (एड-ऑन) के तहत तीन स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां बनेंगी, जिनकी लागत लगभग 36,000 करोड़ रुपये होगी। आठ अगली पीढ़ी के कॉर्वेट (छोटे युद्धपोत) बनाने का प्रोजेक्ट भी पाइपलाइन में है, जिस पर लगभग 36,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन सभी प्रोजेक्टों की कुल लागत 2,40,000 करोड़ रुपये से अधिक होगी। भारतीय नौसेना ये तैयारी किसी खतरे को देखकर नहीं, बल्कि अपनी क्षमता और ताकत को बढ़ाने के लिए कर रही है। बता दें कि नए जहाजों का आना बहुत जरूरी है, क्योंकि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी में 355 युद्धपोत और पनडुब्बियां हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है और इसकी मौजूदगी हिंद महासागर सहित दुनिया के कई समुद्री क्षेत्रों में है। चिंता की बात यह है कि भारतीय नौसेना के कई जहाज पुराने हो रहे हैं। ऐसे में नए जहाजों को न केवल पुराने जहाजों से बदलना जरूरी है, बल्कि जहाजों की कुल संख्या भी बढ़ानी है। नए जहाज शामिल किए गए हैं और नए प्रोजेक्ट्स भी चल रहे हैं। वैसे भी भारतीय नौसेना की पनडुब्बी ब्रांच पुरानी सबमरीन से परेशान है। अभी भारतीय नौसेना 12 पुरानी पनडुब्बियों का इस्तेमाल कर रही है। उनमें भी विध्वंसक जहाजों की कमी महसूस की जा रही है। भारतीय नौसेना ने 1997 में दिल्ली क्लास के विध्वंसक जहाजों को शामिल किया था। ये जहाज लगभग 25 साल पुराने हैं और इनकी मरम्मत करके इन्हें 10-15 साल तक और इस्तेमाल किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि इनके बदले नए जहाजों की योजना बनाई जाए। विध्वंसक जहाज कई तरह के काम कर सकते हैं। वे सतह पर, पानी के नीचे और हवा में हमले और बचाव दोनों कर सकते हैं। भारतीय नौसेना का लक्ष्य 2035 तक 175 जहाजों का बेड़ा बनाना है। भारतीय नौसेना के प्रोजेक्टों का मकसद पुराने जहाजों को बदलना और नौसेना की ताकत को बढ़ाना है। चीन की नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी है और हिंद महासागर में उसकी मौजूदगी बढ़ रही है। ऐसे में भारत को भी अपनी नौसेना को मजबूत करना जरूरी है। नए जहाजों को शामिल करने से नौसेना की ताकत बढ़ेगी और वह बेहतर तरीके से देश की रक्षा के काम आ सकेगी।

कहीं महंगा न पड़ जाये आस्था से मजाक

सचिन त्रिपाठी

भारत की सांस्कृतिक परंपरा पर्वों की उस रंग-बिरंगी माला के समान है जिसका प्रत्येक मनका किसी ऋतु, किसी फसल, किसी प्राकृतिक तत्व या किसी लौकिक सत्य से बंधा हुआ है। यहां उत्सव केवल उल्लास नहीं, ऋतुओं का स्वागत है, आकाश-पवन-नदी का वंदन है, और भूमि माता के चरणों में अर्पित श्रद्धा है। मकर संक्रांति के साथ जब सूर्य उत्तरायण होता है तो वह मात्र खगोल घटना नहीं होती, वह अन्नदाता के हृदय में नई आशा की किरण भी जगाता है। छठ पूजा में सूर्य को अर्घ्य देते समय केवल एक देवता नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रकाश व्यवस्था के प्रति आभार प्रकट किया जाता है किंतु दुःख की बात यह है कि आज इन्हीं पर्वों को उपहास का विषय बना दिया गया है, कभी सोशल मीडिया की मीम संस्कृति के माध्यम से तो कभी तथाकथित बुद्धिजीविता के नाम पर।

आश्चर्य होता है जब छठ पूजा जैसे विराट और श्रमसाध्य पर्व को 'रिवर्स योगा' कहा जाता है या होली जैसे रंगों के उत्सव को जल अपव्यय की उपमा देकर बदनाम किया जाता है। हास्य की यह धारा जब आस्था का उपहास बनने लगे, तब वह केवल मनोरंजन नहीं, सांस्कृतिक विघटन का औजार बन जाती है। कुछ वर्ष पूर्व एक वेब सीरीज में छठ व्रत करने वाली स्त्रियों को 'गंवार और अंधविश्वासी' कहकर चित्रित किया गया। यह कोई अलग घटना नहीं बल्कि एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति का उदाहरण था जहां पर्वों को 'साइंटिफिक टेंपर' की कसौटी पर कसा जाने लगा किंतु बिना यह समझे कि ये पर्व ही तो भारतीय मानस का विज्ञान हैं, हमारे शरीर, पर्यावरण और समाज के सामूहिक संतुलन का जीवंत उदाहरण हैं। दीपावली के आते ही शोर उठता है 'पटाखे मत जलाओ, प्रदूषण होता है!' मानो पूरे वर्ष का पर्यावरणीय संतुलन केवल एक रात के दीपोत्सव से डगमगाने लगे। क्या किसी ने होली के पूर्व गांवों में की जाने वाली तालाब सफाई देखी है? क्या किसी एनजीओ ने छठ पूजा से पूर्व गंगा घाटों की सामूहिक सफाई की सराहना की है? नहीं, क्योंकि अब आलोचना का उद्देश्य सुधार नहीं, अपमान है। भारतीयता को 'पर्यावरण विरोधी' दिखाकर, पश्चिमी मानकों की श्रेष्ठता स्थापित करना है। क्या आपने कभी देखा है कि 'थैंक्स गिविंग' पर टर्की की बलि का मज़ाक उड़ाया गया हो? क्या 'ईस्टर' पर अंडों और चॉकलेट्स की बर्बादी के खिलाफ कोई अभियान चला? लेकिन भारत में तो हर त्योहार के साथ एक झूठा अपराधबोध जोड़ दिया जाता है। गणेश चतुर्थी को 'नदी प्रदूषण का पर्व', होली को 'जल बर्बादी का उत्सव', और दीपावली को 'ध्वनि और वायु प्रदूषण का महापर्व' कहकर प्रस्तुत किया जाता है। पर्व केवल पूजा नहीं होते. वे समाज की चेतना होते हैं। होली, जहां रंगों में जाति-वर्ग-भेद मिट जाता है; छठ, जहां स्त्री प्रकृति से तादात्म्य स्थापित करती है; गणेश चतुर्थी, जहां बुद्धि और बाधाओं के बीच संवाद होता है, इन सभी को 'जोक्स' के जरिए तुच्छ बना देना किसी सभ्यता की जड़ों को काटने जैसा है। वर्तमान में सोशल मीडिया ने 'मीम' को संवाद का माध्यम बना दिया है लेकिन यह मीम, जहां किसी विदेशी प्रधानमंत्री की टोपी का मजाक हल्के हास्य में लिया जाता है, वहीं जब किसी भारतीय स्त्री की 'करवा चौथ' की तस्वीर आती है तो उसके साथ 'पितृसत्ता की गुलामी' जैसे कटाक्ष जोड़े जाते हैं। यह केवल मज़ाक नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक मानस को चुपचाप नष्ट करने की चेष्टा है। पर्वों के पीछे की वैज्ञानिकता को समझे बिना उन्हें 'अंधविश्वास' कहना उस दृष्टिहीन व्यक्ति जैसा है जो सूर्य की गर्मी से डरकर उसे नकारता है।

एलन मस्क बनाम ट्रंप: आदर्शों की लड़ाई या निजी युद्ध?

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

अमेरिका की राजनीति में एक नया सूरज उग रहा है, जिसकी चमक ने वाशिंगटन के गलियारों को हिलाकर रख दिया है। एलन मस्क, वह शख्स जिसने अंतरिक्ष को छुआ और धरती को इलेक्ट्रिक सपनों से सजाया, अब एक नए युद्धक्षेत्र में कदम रख चुके हैं। उनकी 'अमेरिकन पार्टी' न केवल एक राजनीतिक दल का ऐलान है, बल्कि यह एक क्रांति का शंखनाद है, जो अमेरिकी जनता की खोई हुई आजादी को वापस लाने का वादा करता है। यह वह आग है जो डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को चुनौती दे रही है, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट के एकछत्र राज को झकझोर रही है, और अमेरिकी लोकतंत्र को एक नया रास्ता दिखाने का दम रखती है। मस्क का यह कदम न तो सनक है, न ही तमाशा—यह एक ऐसी चिंगारी है, जो अमेरिका के सियासी जंगल में आग लगा सकती है।

मस्क का गुस्सा 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' से शुरू हुआ, जिसे ट्रंप ने अपनी नीतियों का ताज बताया। इस 940 पन्नों के महालेख में ट्रंप के पहले कार्यकाल की कर कटौती को स्थायी करने, सैन्य और सीमा सुरक्षा पर खर्च बढ़ाने, और सामाजिक कल्याण योजनाओं में कटौती जैसे प्रावधान हैं। ट्रंप इसे अमेरिका की महानता की वापसी कहते हैं, लेकिन मस्क इसे देश को कर्ज के गड्ढे में धकेलने वाला 'पागलपन' मानते हैं।

उनका मानना है कि यह बिल न केवल सरकारी खजाने को खोखला करेगा, बल्कि नवाचार और उभरते उद्योगों—जैसे इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा—को भी चोट पहुंचाएगा। मस्क की टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियां इस बिल के प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी, और यही वह आर्थिक और वैचारिक जंग है, जिसने मस्क को सियासत के मैदान में उतार दिया।

मस्क का दावा है कि अमेरिका में सच्चा लोकतंत्र खतरे में है। डेमोक्रेट और रिपब्लिकन पार्टियों का एकछत्र राज अब एक 'पॉर्की पिग सिस्टम' बन चुका है, जहां बर्बादी, भ्रष्टाचार और अनावश्यक खर्च की नीतियां जनता की आवाज को दबा रही हैं। उनकी 'अमेरिकन पार्टी' इस बंद गली से निकलने का रास्ता है। यह पार्टी केवल चुनावी गणित का हिस्सा बनने नहीं आई, बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जिम्मेदार राजकोषीय नीतियों और कम सरकारी हस्तक्षेप का झंडा बुलंद करना चाहती है। मस्क ने साफ कहा है कि वे उन नेताओं का विरोध करेंगे, जो देश को कर्ज के बोझ तले दबाने की नीतियों का समर्थन करते हैं।

उन्होंने प्रतिनिधि थॉमस मैसी जैसे नेताओं का समर्थन किया, जिन्होंने इस बिल का डटकर विरोध किया, और उन सांसदों को प्राइमरी चुनाव में हराने की बात कही, जिन्होंने इसे पास करवाया। मस्क और ट्रंप का रिश्ता कभी दोस्ती का प्रतीक था। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मस्क ने ट्रंप के लिए करीब 288 मिलियन डॉलर का चंदा दिया और उन्हें 'अमेरिका का सच्चा नेता' बताया। ट्रंप ने भी मस्क को 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' का नेतृत्व सौंपकर उनका सम्मान किया। लेकिन यह बिल दोनों के बीच की खाई को चौड़ा कर गया। मस्क ने ट्रंप की नीतियों को 'देश के लिए आत्मघाती' करार दिया, जबकि ट्रंप ने मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सरकारी सब्सिडी खत्म करने और उन्हें दक्षिण अफ्रीका वापस भेजने की धमकी दी। यह तनातनी अब वैचारिक मतभेदों से आगे बढ़कर निजी हमलों तक पहुंच चुकी है, जिसमें मस्क ने ट्रंप पर एपस्टीन फाइल्स जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाकर पलटवार किया है।

'अमेरिकन पार्टी' का ऐलान भले ही जोश और जुनून से भरा हो, लेकिन इसका रास्ता कांटों से भरा है। अमेरिकी इतिहास में तीसरी पार्टी कभी सत्ता के शिखर तक नहीं पहुंची। रॉस पेरोट ने 1992 में 19% वोट हासिल किए, लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज में उनकी पार्टी को एक भी वोट नहीं मिला। मस्क का दक्षिण अफ्रीकी मूल उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य बनाता है, और उनकी पार्टी की नीतियां, संगठन और नेतृत्व अभी तक धुंध में हैं। विदेश नीति, सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य जैसे जटिल मुद्दों पर मस्क की स्थिति स्पष्ट नहीं है। फिर भी, उनकी आर्थिक ताकत, तकनीकी नवाचार और युवाओं के बीच लोकप्रियता उन्हें एक अनोखा खिलाड़ी बनाती है। उनके मंच एक्स पर लाखों समर्थक उनकी हर बात को गंभीरता से लेते हैं, और उनकी वित्तीय शक्ति 2026 के मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

मस्क की पार्टी का प्रभाव कितना गहरा होगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितनी जल्दी एक स्पष्ट रणनीति और संगठन तैयार कर पाते हैं। अगर यह केवल ट्रंप के खिलाफ उनकी नाराजगी का परिणाम साबित हुई, तो यह एक अल्पकालिक हलचल बनकर रह सकती है। लेकिन अगर मस्क अपनी दृष्टि को एक ठोस वैचारिक ढांचे में ढाल पाए, तो 'अमेरिकन पार्टी' अमेरिकी सियासत में तीसरे विकल्प की कमी को पूरा कर सकती है। खासकर वे युवा मतदाता, जो मौजूदा व्यवस्था से असंतुष्ट हैं, मस्क में एक नया नेतृत्व देख सकते हैं।

दूसरी ओर, यह भी संभव है कि उनकी पार्टी ट्रंप के वोट बैंक को बांटकर डेमोक्रेट्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचाए। मस्क का यह कदम केवल एक पार्टी का गठन नहीं है; यह एक विचार है, जो अमेरिकी जनता को यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या वाकई उनका लोकतंत्र सच्चा है। उनकी 'अमेरिकन पार्टी' उस सपने का प्रतीक है, जिसमें सरकार जनता की सेवा करती है, न कि जनता सरकार की गुलाम बनती है।

यह वह ललकार है, जो वाशिंगटन के सत्ता प्रतिष्ठानों को चुनौती दे रही है। क्या मस्क इस आग को बुझने देंगे, या इसे एक ऐसी ज्वाला में बदल देंगे, जो अमेरिका की सियासत को हमेशा के लिए बदल दे? यह सवाल आज हर अमेरिकी के दिल में गूंज रहा है। मस्क ने शायद एक नई क्रांति की नींव रख दी है, जिसका असर आने वाले दशकों तक देखा जाएगा। यह वह क्षण है, जब एक व्यक्ति ने इतिहास को पलटने का साहस दिखाया है, और दुनिया सांस थामे देख रही है कि यह साहस कितनी दूर तक जाएगा।

विदेशी फंड से चलता है धर्मपरिवर्तन का सुनियोजित षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश एटीएस की जांच में धर्म परिवर्तन से जुड़े एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। मुख्य आरोपी झांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन और उसके साथियों ने पूछताछ में कबूल किया है कि वे जाति के आधार पर लड़कियों को इस्लाम मत अपनाने के लिए लालच और डर का सहारा लेते थे। गिरफ्तार झांगुर बाबा ने बताया कि धर्म परिवर्तन के लिए लड़कियों को मोटी रकम दी जाती थी। खासकर ब्राह्मण, क्षत्रिय और सिख समुदाय की लड़कियों के धर्मांतरण पर 15 से 16 लाख रुपये खर्च किए जाते थे। पिछड़ी जाति की लड़कियों के लिए यह राशि 10 से 12 लाख रुपये और अन्य जातियों के लिए 8 से 10 लाख रुपये थी। गिरोह पहले लड़कियों से दोस्ती करता, फिर उन्हें प्यार, शादी, नौकरी और पैसे का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। जब लड़कियां इंकार करती थीं, तो उन्हें धमकाया जाता और मजबूरन धर्म परिवर्तन कराया जाता। कुछ मामलों में तो ब्लैकमेल और मानसिक प्रताड़ना का भी इस्तेमाल हुआ। अगर कोई लड़की धर्म परिवर्तन के लिए राजी नहीं होती थी, तो उसे डराया धमकाया जाता था। कई बार फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी जाती थी। इस तरह से जबरन धर्म परिवर्तन कराए गए मामलों में पीड़ितों को कोई आर्थिक सहायता नहीं दी जाती थी।

गिरोह के कई सदस्य अब तक 40 बार इस्लामिक देशों की यात्रा कर चुके हैं। इन यात्राओं का खर्च विदेश से होने वाली फंडिंग से उठाया गया। एटीएस को इन आरोपों से जुड़े बैंक खातों में कई संदिग्ध लेनदेन के सबूत मिले हैं, जिनका संतोषजनक जवाब झांगुर बाबा नहीं दे पाया है। एटीएस ने बताया कि इस गिरोह में झांगुर बाबा के अलावा महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, एमेन रिजवी (जो खुद को पत्रकार बताता है), और सगीर शामिल हैं। इसके अलावा एक सिंधी दंपत्ति, जिसने इस्लाम धर्म अपना लिया था, भी गिरोह के हर काम में सहयोग करते थे। इस गिरोह के खिलाफ देवगांव (जिला आजमगढ़) थाने में 2023 में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। वहीं, हाल ही में गोमतीनगर के विशालखंड इलाके में इस गिरोह के शिकार हुए 15 लोगों ने विधिवत रीति-रिवाज से हिंदू धर्म में वापसी की है। धर्म में वापसी करने वाले लोगों ने पुलिस को बताया कि किस तरह उन्हें पहले प्रेम और शादी का झांसा दिया गया, फिर जबरन धर्म बदलवाया गया। कुछ को नौकरी और पैसों का लालच दिया गया, तो कुछ को ब्लैकमेल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। अब एटीएस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। विदेश से फंडिंग, संदिग्ध बैंक ट्रांजेक्शन, यात्राओं और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है आप को बता दें कि उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए यूपी एटीएस ने जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया है। इसी मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर दूसरी आरोपी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, जमालुद्दीन खुद को हाजी पीर जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता है, उस पर लड़कियों को बहला-फुसलाकर जबरन धर्मांतरण करवाने का आरोप है। हर जाति की लड़कियों का रेट फिक्स था। वह बलरामपुर के उटरौला कस्बे में एक लंबे समय से धर्मांतरण का नेटवर्क चला रहा था। इस नेटवर्क के लिए कथित तौर पर विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग भी मिलने की बात सामने आ रही हैADGP (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश ने बताया कि यूपी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बलरामपुर जिले के उटरौला कस्बे में एक व्यक्ति छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन बाबा, खुद को हाजी पीर जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता है, वह एक संगठित धर्मांतरण नेटवर्क चला रहा है।

जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अपने एजेंटों के जरिए लड़कियों को बहलाकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित करता था। यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क को 100 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी फंडिंग मिली है, जिसका इस्तेमाल धर्मांतरण के काम में किया जा रहा था। एडीजीपी के मुताबिक, जमालुद्दीन बाबा ने अब तक 40 से 50 बार इस्लामिक देशों की यात्रा की है। जांच में यह भी पाया गया है कि बलरामपुर में उसने कई संपत्तियां भी खरीदी हैं। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और यूपी एटीएस जांच कर रही।

फिलहाल इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एसटीएफ का कहना है कि इस नेटवर्क की पहुंच पूरे भारत में फैली हुई है। विदेशी फंडिंग खासकर खाड़ी देशों से आने की बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। एडीजीपी ने यह भी संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी हैं। पुलिस इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द से जोड़कर देख रही है।

ईश्वरपुत्र और मसीहा

डॉ टी महादेव राव

वे समुद्र के किनारे पार्क में बेंच पर बैठे अपने चेले चपाटों के साथ हवा-खोरी कर रहे थे। मैं वॉकिंग के बाद उनके पास पहुंचा उन्होंने अपने बगल में बैठने का इशारा किया। मैं उनके सामने वाले बेंच पर जाकर बैठा और कहा बगल में बैठना मतलब आपकी हर बात से सहमत होना है, बातचीत अच्छी नहीं हो सकती तो चलिए आमने-सामने बात करते हैं।

वे मंद मंद मुस्कान के साथ हामी भर दिए। मैंने पूछा बड़े इत्मीनान के साथ बैठे हुए हैं। आजकल लोकप्रियता दिन दूनी बढ़ने लगी है, शायद इसलिए। वे बोले यह सब तो मुझे पहले ही पता है। मैं तो और अधिक लोकप्रिय हो रहा हूं। मैंने कहा इतना कॉन्फिडेंस अचानक कैसे आ गया? पिछले दिनों आप तो हर भाषण में जो डर दिखाते थे, जो अस्थिरता का भाव लोगों में पैदा करते थे उससे मुझे लगा कि आप डर का आंचल थामे हम होने की कगार पर हैं और इसीलिए आपके भाषणों में वह बचाव वाला पक्ष ज्यादा उजागर हो रहा है। वे लंबी सांस लेकर बोले मैं तो भगवान का बेटा हूं। आपने कभी बताया नहीं कि आप भगवान दादा के बेटे हैं। यह तो मेरे लिए समाचार हो गया। कौन भगवान दादा? वे आतुर हो प्रश्न करने लगे। जिनकी नाचने की शैली को अमिताभ ने अपनाया, दो हाथ सामने करके हल्के हल्के कमर हिलाना। वही भगवान दादा जिन्होंने फिल्म अलबेला जैसी सुपरहिट फिल्म में हीरो का रोल किया था बाद में कॉमेडियन बने। चेहरा मोहरा भी आपका उनसे बहुत ज्यादा ही मिलता है। तुम भी कहां से कहां ले आते हो? लेकिन अभी आप ही ने तो कहा था कि मैं भगवान का पुत्र हूं। भगवान का बेटा हूं। भगवान मतलब ईश्वर, गॉड या परमात्मा। तो यह आपको कब से लगने लगा आप भगवान के पुत्र है पता नहीं क्यों कुछ दिनों से लगातार भगवान मेरे सपनों में आ रहे हैं और कह रहे हैं कि तुमने जो मेरे अस्तित्व को, लोगों में मेरे प्रति आस्था और श्रद्धा को जगाया है और उनके मन में धार्मिक भावनाएं जगाकर जो अच्छा काम किया है इससे सिद्ध होता है कि तुम मेरे बेटे हो। मेरा आशीष है कि तुम न कभी हारोगे न कोई तुम्हें हरा पाएगा। तो कल ही अखबारों में घोषित कर दें कि आप भगवान के सपूत हैं। अब तक आपको हम सामान्य मनुष्य समझ रहे थे। अब तक तो आपकी सिंगल कमाई थी, अब लोगों में असली भक्ति भाव जागेगा और वे आपके दर्शन के लिए आयेंगे वहां से भी अच्छी कमाई हो जाएगी। आप भी डबल इनकम वाले हो जाएंगे। कुछ भी बोलते हो तुम। मुझे लगता है जीसस की तरह मैं भी ईश्वर पुत्र हूं। लोगों को सन्मार्ग और सही जीवन देने राजनीति में अवतरित हुआ हूं। मेरी हंसी रुक नहीं रही थी। मैं उठ खड़ा हुआ और बोला सावधान रहें कहीं आपको कोई सूली न चढ़ा दे, वैसे भी लोगों में सब्र बिलकुल नहीं बचा, क्योंकि असली मसीहा की आखिरी मंजिल सूली ही होती है। ध्यान रहे असली मसीहा और चला आया।

भौम प्रदोष के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर

कर्क समेत इन 4 राशियों की शिव कृपा से बढ़ेगी आमदनी, संपत्ति और सम्मान

शुक्र ग्रह भौम प्रदोष व्रत के दिन रोहिणी नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। रोहिणी नक्षत्र के स्वामी चंद्र देव हैं और इनके नक्षत्र में शुक्र का गोचर से 4 राशि वालों के लिए अच्छा रहने वाला है। इन 4 राशियों की आमदनी में अच्छी वृद्धि होगी और पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में शुभ समाचार भी मिलेंगे। आइए जानते हैं भौम प्रदोष व्रत के दिन शुक्र ग्रह का रोहिणी नक्षत्र में गोचर होना किन किन राशियों के लिए शुभ रहने वाला है।

शुक्र ग्रह 8 जुलाई को रोहिणी नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं और इस नक्षत्र में 20 जुलाई तक रहेंगे। भौम प्रदोष व्रत के दिन रोहिणी नक्षत्र में शुक्र ग्रह का होना वैदिक ज्योतिष में सबसे अनुकूल ज्योतिषीय स्थितियों में से एक है। ज्योतिष में, शुक्र ग्रह को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है, जो भौतिक सुख सुविधा, सुंदरता, जुनून, प्रेम, कला और विलासिता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वृषभ और तुला राशि के स्वामी शुक्र जब भी चाल बदलते हैं, तब इसका प्रभाव देश दुनिया समेत करियर, अर्थव्यवस्था और मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर पड़ता है। आज हम आपको उन राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे शुक्र गोचर से फायदा होने वाला है। शुक्र के रोहिणी नक्षत्र में गोचर से 4 राशियों को धन दौलत की कमी नहीं होगी और नौकरी व कारोबार में जमकर लाभ होगा। आइए जानते हैं भौम प्रदोष के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर किन किन राशियों के लिए फायदेमंद रहने वाला है।

शुक्र ग्रह के रोहिणी नक्षत्र में गोचर से वृषभ राशि वालों को अटके धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इस राशि के जो जातक काफी समय से नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनको इस अवधि में करियर की शुरुआत करने का मौका मिलेगा। शुक्र गोचर के प्रभाव से वृषभ राशि वालों के अटके हुए कार्य किसी सरकारी अधिकारी की मदद से पूरे होते जाएंगे और प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बनाने का मौका मिलेगा। अगर ससुराल पक्ष के साथ संबंध खराब हैं तो शुक्र के प्रभाव से संबंधों में सुधार आएगा और जीवनसाथी के साथ मजबूत संबंध होंगे, जिससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी।

शुक्र के नक्षत्र गोचर से कर्क राशि वालों को धन प्राप्ति के नए नए अवसर मिलेंगे और आपके मित्रों की संख्या में अच्छी वृद्धि होगी। भौम प्रदोष व्रत के दिन से ही आपकी लाइफ में गोल्डन टाइम शुरू हो जाएगा और लाइफ स्टाइल में भी सुधार देखने को मिलेगा। इस राशि के जो छात्र सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उनको शिवजी की कृपा प्राप्त से शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। नौकरी करने वाले शुक्र गोचर के प्रभाव से आसानी से टारगेट पूरा करने में सक्षम होंगे और साथ काम करने वालों के साथ अच्छे संबंध बनेंगे।

शुक्र के नक्षत्र गोचर से कन्या राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपका बैंक बैलेंस भी बढ़ेगा। कन्या राशि वाले अगर काफी समय से मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो शिवजी की कृपा से आपकी इच्छा पूरी होगी और खुद का घर ले पाने की स्थिति में होंगे। अगर आप खुद का बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपको भविष्य में अच्छा लाभ होगा। माता पिता की सेहत अच्छी रहेगी और आप भी दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की करेंगे। आपको अटके धन की प्राप्ति होगी और आमदनी बढ़ाने के नए नए मार्ग भी मिलेंगे।

शुक्र के रोहिणी नक्षत्र में गोचर करने से मकर राशि वालों के सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में भी जमकर लाभ होने क` योग भी बन रहे हैं। इस राशि के जो जातक काफी समय से नौकरी की तालश कर रहे हैं, उनको शुभ समाचार मिलेगा। दोस्तों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और उनकी मदद से आपके कई घरेलू कार्य भी पूरे होंगे। मकर राशि वालों के परिवार में शुक्र ग्रह के नक्षत्र गोचर के प्रभाव से सुख-शांति बनी रहेगी और किसी तीर्थ स्थल पर भी जा सकते हैं। अगर कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे हुए हैं तो आपको जल्द ही इससे राहत मिल सकती है। इस राशि वालों की लव लाइफ में सुधार आएगा और सिंगल जातकों के लिए अच्छे रिश्ते भी आ सकते हैं।

असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे आचार्य भिक्षु

मुनि चैतन्य कुमार

तीन सौ वर्ष पूर्व जिस व्यक्ति ने जन्म लिया था आज भी जिसका नाम इतिहास के पृष्ठों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित है, जिनकी साधना और आराधना एक प्रेरणा स्फूरणा पैदा कर रही है इसका मतलब वह असाधारण व्यक्तित्व का धनी था। सचमुच वह एक महापुरूष था जिनके पदचिन्हों पर लाखों-लाखों व्यक्ति चलने को आतुर है, जिनकी वाणी में अमरत्व का संदेश है। ऐसे महापुरुषों का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव भावी जीवों के लिए मार्गदर्शक है। जीवन नैया को पार उतरने में एक मजबूत पतवार है जिसके सहारे संसार समुद्र को तैरा जा सकता है। वह व्यक्तित्व भिक्षु नाम से विश्रुत है। नाम था जिनका भीखण जिसने गृहस्थ जीवन में कुछ समय रहने के बाद वैराग्य भाव जागा और तैयार हो गया संयम पथ पर अग्रसर होने को।

भरी जवानी में पत्नी का वियोग, नष्वरता का अवबोध और वह लालयित हो गया कल्याण मार्ग पर अग्रसर होने पर माता के मन में पुत्र के मोह की चेतना रोक रही थी। मां को भी समझाया न केवल समझाइश दी, अपितु भावी जीवन के लिए आर्थिक व्यवस्था की। आखिर मां की आज्ञा प्राप्त हुई और दीक्षा स्वीकार कर साधना के मार्ग पर महावीर के वाणी के आधार पर चरण चले। आगमवाणी का वाचन पठन मनन का क्रम चला। कुछ जिज्ञासाएं उभर कर सामने आई समाधान खोजा स्वयं के द्वारा गुरू के समक्ष जिज्ञासाएं रखी पर सटीक समाधान नहीं मिला। संकल्प-विकल्प उभरते रहे। आखिर सटीकता के साथ चिन्तन निर्णय क्रियान्विति को तत्पर हुए। मन में एक ही भावना जिस उद्देष्य से घर बार छोड़ा है उस उद्देष्य की पूर्ति करना है। यद्यपि जानते थे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक कष्ट आएंगे। लेकिन कष्टों से घबराना तो कायरता का प्रतीक है। कष्ट आएंगे तो आएंगे पर मुझे अपना सम्यक चुनाव कर आगे बढ़ना होगा। आगमवाणी के आधार पर जं क्षेयं तं समायरे जो श्रेय है उसका समाचरण करना है। अभिनिष्क्रमण कर चल पड़े साधना के मार्ग पर। आहार और स्थान सम्बन्धित अनेक कष्ट आए, मानसिक कष्ट भी आए। पर निष्चिन्त होकर चलते रहे। योग ऐसा स्वयं की साधना के साथ पर कल्याण के योग बने। सहजयोग से काफिला जुड़ा। पंथ का निर्माण, नाम मिला तेरापंथ अर्थात हे प्रभो आपका पंथ-मार्ग हम है आपके पथिक। संघ है जहां वहां होती है मर्यादाएं अनुशासन व्यवस्था और आज्ञा। मर्यादाएं बनी पर थोपनेवाली नहीं सहजमन से स्वीकृति। थोपा हुआ कानून होता है। मर्यादाएं सहज स्वीकृत होती है तभी पालना संभव है। आचार्य भिक्षु विलक्षण प्रतिभा के धनी दूर द्रष्टा आचार्य थे।

भावी को समझते हुए मर्यादाएं बनाई और आज भी वे मर्यादाएं अक्षुण्ण रूप में पालन हो रही हैं। भावी की डोर उत्तरवर्ती आचार्यों को सौंप दी जैसा उचित समझे परिवर्तन या संशोधन का अधिकार आचार्य के हाथ में रखा। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमण है ग्यारहवें अनुशास्ता। जिनके नेतृत्व में आचार्य श्री भिक्षु का 300 वां जन्मदिवस संघ को विकास के लिए मनाने के लिए कटिबद्ध है। मैं इस अवसर पर अपना सर्वस्व समर्पण आचार्य भिक्षु एवं तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अनुशास्ता के श्री चरणों में समर्पित कर साधना के मार्ग पर अग्रसर होता रहूं। यह है अन्तः भावना-पुनःपुनः आचार्य श्री भिक्षु की वह संयम की उत्कृष्ट साधना हमारे जीवन को आलोक प्रदान करे। और अंत में अंतिम लक्ष्य सिद्धगति-मोक्ष को प्राप्त करने की प्रबल भावना।

जैसा संकल्प, वैसी ही सफलता

हमारे विचार ही हमें बनाते हैं। हम जैसा सोचते हैं, वैसे बन जाते हैं। हमारा जैसा संकल्प होगा, वैसी ही सफलता मिलेगी। हमारे पास अनंत शक्तियां हैं। हमें स्वयं के साथ रहना चाहिए। उपासना का अर्थ है- स्वयं के पास रहना। हमें अपने स्वभाव में रहना चाहिए। शास्त्र कहते हैं, प्रसन्नता के लिए हमें स्वयं की ओर लौटना चाहिए।

मन को शांति कैसे मिल सकती है?

प्रेरक कथा; राजा हमेशा रहता था अशांत, एक संत ने उसे ध्यान करने की सलाह दी, लेकिन फिर भी उसे शांति नहीं मिली

पुराने समय में एक राजा के पास महल, सेवक, स्वादिष्ट भोजन सब कुछ था, लेकिन फिर भी उसका मन हमेशा बेचैन रहता था। एक परेशानी जाती तो दूसरी आ जाती।

एक दिन राजा अपने राज्य में घूमने निकला। रास्ते में उसे एक संत की छोटी सी कुटिया दिखाई दी। राजा उनके पास गया। संत ध्यान में बैठे थे। जब उन्होंने आंखें खोलीं, तो राजा ने उन्हें प्रणाम किया और बोला, "गुरुदेव, मेरे पास सब कुछ है, लेकिन फिर भी मैं परेशान रहता हूं। कृपया कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी सभी समस्याएं खत्म हो जाएं।" संत ने कहा, "ध्यान करो, मन शांत हो जाएगा।" राजा ने आंखें बंद कीं, लेकिन दिमाग में बहुत सारी बातें घूमती रहीं। उसने कहा, "गुरुदेव, मेरे लिए ध्यान करना बहुत कठिन है।"

संत मुस्कराए और बोले, "कोई बात नहीं, चलो बाग में टहलते हैं।"

वे बाग में पहुंचे। राजा का हाथ गलती से एक कांटेदार पौधे से छू गया और उसे कांटा चुभ गया। खून निकलने लगा। संत ने उसका इलाज किया और बोले, "राजन्, एक छोटा सा कांटा चुभा तो खून निकला और दर्द हुआ। सोचो, जब मन में गुस्सा, लालच, जलन जैसे बड़े कांटे चुभे हों तो कितनी पीड़ा होती होगी।"

संत ने आगे कहा, "जब तक मन से ये कांटे नहीं निकलते, शांति नहीं मिल सकती। इन्हें छोड़ दो, तभी जीवन में सच्चा सुख आएगा।"

राजा को संत की बातें समझ आ गईं। राजा ने ये बुराइयां छोड़ने का संकल्प लिया और इसके बाद उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगे।

कहानी से सीख सकते हैं ये 5 सूत्र

बाहरी सुख सीमित हैं, आंतरिक शांति अनंत है

राजा की तरह आज के जीवन में भी हमारे पास सुविधाएं हो सकती हैं, लेकिन जब तक मन में बेचैनी है, संतोष नहीं है, तब तक खुशी अधूरी रहती है।

ध्यान केवल आंखें बंद करने का नाम नहीं

शुरुआत में ध्यान कठिन लग सकता है, जैसे राजा को लगा, लेकिन धीरे-धीरे ये मन के कांटों को निकालने का एक सशक्त माध्यम बनता है। ध्यान से लालच, क्रोध जैसे बुराइयां दूर हो सकती हैं।

मन के कांटे पहचानें और निकालें

गुस्सा कब आता है? उसे समझें। लालच किस चीज के लिए है? क्या वह वाकई जरूरी है? किससे जलन होती है और क्यों? इन सवालों के जवाब तलाशें और रोज थोड़ा-थोड़ा इन भावनाओं से दूरी बनाएं।

प्राकृतिक जीवनशैली अपनाएं

संत का कुटिया में रहना, बाग में घूमना, यह सब जीवन की सादगी को दर्शाता है। शांति के लिए हमें भी रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ा समय प्रकृति के साथ बिताना चाहिए।

समस्याओं का समाधान बाहर नहीं, भीतर है

हर इंसान सोचता है कि कोई उपाय मिल जाए, जिससे सारी समस्याएं खत्म हो जाएं, लेकिन असली उपाय खुद के भीतर झांकने में है।

अब 4 महीने बंद रहेंगे विवाह-मुंडन जैसे शुभ कार्य

वैदिक पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन भगवान श्री हरि विष्णु चार महीना के लिए गहरी निद्रा में चले जाते हैं। उस दौरान कोई भी मांगलिक अथवा शुभ कार्य नहीं किया जाता। चातुर्मास लग जाता है और चातुर्मास में सभी देव सो जाते हैं। उस दौरान सृष्टि का संचालन महादेव करते हैं।

जिसमें कोई भी 4 महीने तक शुभ कार्य जैसे विवाह गृह प्रवेश मुंडन इत्यादि कार्य वर्जित रहता है। कल देवशयनी एकादशी थी और कल ही भगवान विष्णु गहरी निद्रा में चार महीने के लिए चले गए ऐसी स्थिति में 4 महीने बाद ही कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है।इस रिपोर्ट में विस्तार से समझते हैं किन-चार महीना तक क्या करना चाहिए। 4 महीने बाद विवाह का कौन सा शुभ मुहूर्त रहेगा।

4 महीने तक रहेगा चातुर्मास

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि कल 7 जुलाई को भगवान विष्णु गहरी निद्रा में चले गए हैं। आगामी 4 महीने तक चातुर्मास रहेगा। इस दौरान सृष्टि की देखभाल भगवान शंकर करेंगे। 4 महीने तक कोई भी शुभ कार्य करना मनाही होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार अवधि चातुर्मास कहलाती है। इस अवधि में व्यक्ति को आत्म चिंतन, भक्ति तप और आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर रहना चाहिए। इस दौरान भक्ति करने से अत्यंत लाभ भी प्राप्त होता है।

दिसंबर महीने में 4,5,6 को शुभ मुहूर्त

इस साल अब नवंबर महीने में विवाह के शुभ मुहूर्त होंगे। जिसमें 2 नवंबर 3, 8, 12 ,15, 16, 22 ,23 और 25 नवंबर को शहनाइयां बजेगी। इसी के साथ दिसंबर महीने में 4,5,6 को शुभ मुहूर्त है

यानी कि अब 117 दिन बाद शुभ मुहूर्त पड़ेंगे।इन चार महीना में भगवान भोले की आराधना करने का विधान है। इसी चार महीना के बीच में सावन का भी पवित्र महीना रहता है और सावन का पवित्र महीना भोले शंकर को बहुत प्रिय माना जाता है। इस महीने पढ़ने वाले प्रत्येक सोमवार को भक्त शिव मंदिरों में जाकर भगवान शंकर की पूजा आराधना में लीन रहते हैं। उनको प्रसन्न करने के लिए रुद्राभिषेक करते हैं ऐसा करने से भगवान शंकर की विशेष कृपा प्राप्त होती है

सत्यनारायण कथा का मुख्य प्रसाद है पंजीरी

पंजीरी बनाने के लिए ज़रूरी सामग्री

पंजीरी बनाने के लिए जिन चीज़ों की ज़रूरत होती है, वे अधिकतर हर घर में मिल जाती हैं। जैसेः

-गेहूं का आटा, -देसी घी,-चीनी (या बूरा), मखाना, बादाम, काजू, किशमिश, सूखा नारियल, इलायची पाउडर

बनाने की विधि

आटे की भुनाई

सबसे पहले कढ़ाई में देसी घी गर्म करें और उसमें गेहूं का आटा डालें। मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें। जब आटा सुनहरे रंग का हो जाए और खुशबू आने लगे, तब समझिए कि यह ठीक से भुन चुका है। यह पूरी प्रक्रिया करीब 10–12 मिनट लेती है।

मेवा की तैयारी

उसी कढ़ाई में थोड़ा और घी डालें और उसमें मखाना, बादाम, काजू, किशमिश और सूखे नारियल के टुकड़े डालें। धीमी आंच पर इन्हें कुरकुरा और सुनहरा होने तक भूनें। ध्यान रखें कि मेवा जलने न पाए।

मिलाना और मिठास जोड़ना

एक बड़े बर्तन में भुना हुआ आटा और भुनी हुई मेवा मिलाएं। अब इसमें बारीक पिसी हुई चीनी (या बूरा) और इलायची पाउडर डालें। सब चीज़ों को अच्छे से मिक्स करें ताकि स्वाद बराबर फैले। अगर आप चाहें तो थोड़ी सी तुलसी भी अंत में मिला सकते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग भोग लगाते समय ही तुलसी का पत्ता डालते हैं।

भोग लगाने और स्टोर करने की जानकारी

-इस पंजीरी को कथा शुरू होने से पहले बनाकर रख लें ताकि कथा के बाद तुरंत भोग लगाया जा सके।

-इसे एयरटाइट डिब्बे में भरकर आप कई दिनों तक रख सकते हैं। यह जल्दी खराब नहीं होती।

-रोज़ ठाकुर जी को भोग लगाने के लिए भी यह बहुत अच्छा विकल्प है।

मंगल का व्रत और हनुमान जी की पूजा कैसे करें?

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन विशेष रूप से बजरंगबली की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि मंगलवार का व्रत रखने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और हनुमान जी की कृपा से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। ज्योतिषाचार्य अंशुल त्रिपाठी के अनुसार अगर कोई व्यक्ति मंगलवार को व्रत रखकर श्रद्धा से हनुमान जी की पूजा करता है तो उसे बल, बुद्धि और विद्या के साथ ही रोगों से भी मुक्ति मिलती है। इतना ही नहीं, मंगल दोष की शांति के लिए भी मंगलवार का व्रत बहुत लाभकारी माना गया है। कई लोग अपने घर में सुख-शांति, भाईचारे और प्रेम बनाए रखने के लिए भी इस व्रत को रखते हैं। हनुमान जी कलियुग के सबसे जाग्रत देवता माने जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई सच्चे मन से उन्हें याद करता है, उसकी हर मनोकामना जल्द पूरी होती है। इस व्रत को स्त्री और पुरुष दोनों ही रख सकते हैं। विशेष रूप से शादी में आ रही बाधाएं दूर करने, नौकरी में तरक्की और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को मिटाने के लिए यह व्रत बहुत उपयोगी है।

मंगलवार व्रत की विधि

मंगलवार के दिन व्रत करने के लिए प्रातःकाल जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद साफ लाल कपड़े पहनें। घर के मंदिर को अच्छे से साफ करके वहां हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखें। अगर संभव हो तो इस दिन घर या मंदिर में बजरंग बाण और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

सबसे पहले एक आसन पर बैठकर भगवान हनुमान जी को लाल फूल, चोला, सिंदूर, चमेली का तेल, गुड़ और चने का प्रसाद चढ़ाएं। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ कम से कम सात बार करें। बजरंग बाण का पाठ भी अवश्य करें।

अंत में हनुमान जी की आरती करें और हाथ जोड़कर अपनी मनोकामना बताएं। व्रत में दिनभर फलाहार करें। चाहें तो इस दिन सिर्फ एक समय भोजन कर सकते हैं और उसमें भी लहसुन-प्याज और मांसाहार का बिलकुल त्याग करें। शाम को भी हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा पढ़ें।

मंगलवार व्रत कथा

बहुत पुरानी बात है। किसी नगर में एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी रहते थे। दोनों का जीवन तो सुखमय था, पर एक बात उन्हें हमेशा दुखी कर देती थी। उनके कोई संतान नहीं थी। इस कारण वे बहुत चिंतित रहते थे। ब्राह्मण हर मंगलवार को वन में जाकर हनुमान जी की पूजा करता था और उनसे एक पुत्र प्राप्ति की प्रार्थना करता था। उसकी पत्नी भी बड़े श्रद्धा भाव से मंगलवार का व्रत करती थी। वह पूरे दिन उपवास रखती और व्रत का पारण हनुमान जी को भोग लगाने के बाद ही करती थी। एक बार मंगलवार के दिन ब्राह्मणी भोजन न बना सकी और न ही हनुमान जी को भोग लगा पाई। उसने मन में प्रण लिया कि अब अगले मंगलवार को ही भोजन करेगी, वह भी तब जब पहले हनुमान जी को भोग अर्पित कर लेगी। वह छह दिन तक भूखी-प्यासी रही। सातवें दिन यानी मंगलवार को उसकी हालत इतनी बिगड़ गई कि वह बेहोश होकर गिर पड़ी।

हनुमान जी उसकी यह अद्भुत श्रद्धा देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने प्रकट होकर ब्राह्मणी को आशीर्वाद दिया और कहा, "तुम्हारी भक्ति से मैं प्रसन्न हूं। तुम्हें एक पुत्र देता हूं, यह बड़ा होकर तुम्हारी खूब सेवा करेगा।" यह कहकर हनुमान जी अंतर्धान हो गए। कुछ समय बाद ब्राह्मणी को एक सुंदर पुत्र प्राप्त हुआ। वह बहुत खुश हुई और उसका नाम 'मंगल' रख दिया। जब ब्राह्मण घर लौटा और उसने बालक को देखा तो चकित रह गया। पत्नी ने सारी बात बताई कि यह हनुमान जी की कृपा से हमें मिला है। लेकिन ब्राह्मण को इस पर विश्वास नहीं हुआ। एक दिन उसने मौका पाकर बालक को कुएं में गिरा दिया। जब घर लौटा तो पत्नी ने पूछा, "मंगल कहां है?" तभी पीछे से मंगल हंसता हुआ आ गया। यह देख ब्राह्मण की आंखें खुल गईं। उसी रात हनुमान जी ने उसके स्वप्न में दर्शन दिए और कहा, "यह बालक मैंने तुम्हें दिया है। इसका सदा सम्मान करना।" सुबह उठकर ब्राह्मण बहुत पछताया और फिर दोनों पति-पत्नी ने नियमपूर्वक हर मंगलवार को व्रत रखना शुरू कर दिया। कहते हैं, जो भी श्रद्धा और विश्वास से मंगलवार का व्रत करता है, उस पर हनुमान जी की असीम कृपा बनी रहती है। उसके जीवन के संकट दूर होते हैं और सुख-शांति बनी रहती है।

एक और मंगलवार व्रत कथा

पुरानी कथा के अनुसार एक समय एक ब्राह्मण परिवार में पति-पत्नी रहते थे। ब्राह्मण बहुत ही धर्मात्मा थे लेकिन उनकी पत्नी में धैर्य की कमी थी। वह हमेशा अपने पति से झगड़ती रहती थी। इससे ब्राह्मण बहुत दुखी रहते थे। एक दिन दुखी होकर उन्होंने जंगल में जाने का विचार किया। जंगल में उन्हें एक साधु मिले। साधु ने ब्राह्मण से कारण पूछा तो ब्राह्मण ने सब कुछ बता दिया। साधु ने ब्राह्मण को मंगलवार का व्रत रखने की सलाह दी और कहा कि इससे उनके गृहक्लेश समाप्त हो जाएंगे।

ब्राह्मण ने साधु की बात मानी और मंगलवार का व्रत रखना शुरू किया। कुछ ही समय में उनके घर की सारी समस्याएं समाप्त हो गईं। उनकी पत्नी का स्वभाव भी बदल गया और घर में सुख-शांति छा गई। तभी से मंगलवार का व्रत रखने की परंपरा शुरू हुई।

अमिताभ बच्चन के साथ नहीं, 70 साल के इस अभिनेता से जुड़ा रेखा का नाम

ऐसा कई बार हुआ है कि अभिनेता और अभिनेत्री एक साथ काम करते हुए काफी करीब आ गए। ऐसी ही एक सुपरस्टार जोड़ी है। दोनों का नाम एक दूसरे से जुड़ चुका है। बताया जाता है कि दोनों को एक्टर की पत्नी ने एक होटल में रंगे हाथों भी पकड़ा था। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला?

रेखा के साथ जुड़ा कमल का नाम

अपनी जवानी के दिनों में कमल हासन काफी मशहूर रहे। वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर सुर्खियों में भी रहे। एक बार कमल हासन का नाम अभिनेत्री रेखा से भी जुड़ा। दोनों के अफेयर की खबरें तब सामने आईं जब दोनों ने एक साथ एक फिल्म में काम किया।

रेखा के करीब हुए कमल

बात साल 1981 की है। रेखा ने फिल्म 'सिलसिला' के साथ तमिल फिल्म 'मीनदम कोकिला' भी साइन की थी। इस फिल्म में कमल हासन और श्रीदेवी भी थीं। बताया जाता है कि इस फिल्म के दौरान रेखा और कमल हासन का रिश्ता काफी गहरा हो गया था। दोनों एक दूसरे के काफी करीब हो गए थे।

पत्नी ने रेखा और कमल को एक होटल में देखा

दोनों के रिश्ते की अफवाहें इस तरह उड़ीं कि कमल हासन के घर तक पहुंच गईं। तब कमल हासन की शादी हो चुकी थी। उन्होंने साल 1978 में वाणी गणपती से शादी की थी। रेखा और कमल के रिश्ते की बात कमल हासन की पत्नी तक पहुंची। बताते हैं कि जब वाणी गणपती ने कमल हासन को रेखा के साथ एक होटल में देखा तो उन्हें बहुत धक्का लगा।

कमल हासन पर भड़की थीं पत्नी वाणी

एक जर्नलिस्ट ने रेडिफ से बातचीत में बताया 'साल 1979 में चेन्नई के होटल चोला शेरटन में मैं काम कर रहा था। एक रात, मैं काम के सिलसिले में वहां था। मैंने देखा कि उस जगह पर काफी भीड़ है। तब रिसेप्शन पर काम करने वाली लड़की ने मुझे बताया कि कमल हासन और रेखा होटल के एक कमरे में थे। तभी एक्टर की पत्नी वाणी गणपती वहां पहुंच गईं। वह वहां आकर दोनों पर बुरी तरह भड़क उठी थीं।'

कमल हासन की निजी जिंदगी

हालांकि इस मामले पर ना तो कमल हासन ने, ना तो रेखा ने कोई प्रतिक्रिया दी थी। इस बात की कभी पुष्टि भी नहीं हो सकी। बताया जाता है कि इस मामले के बाद रेखा को इस फिल्म से हटा दिया गया था। इस फिल्म में मलयालम एक्ट्रेस दीपा को लिया गया। एक वक्त के बाद कमल हासन और उनकी पत्नी के रिश्ते में खटास आ गई और वह साल 1988 में अलग हो गए। इसके बाद कमल हासन ने इसी साल सारिका से शादी की। इनसे दो बेटियां हुईं। श्रुति और अक्षरा। साल 2004 में इन दोनों का भी तलाक हो गया।

विदेश में भी रश्मिका को लेकर दिखी फैंस की दीवानगी

रश्मिका मंदाना के भारतीय फैंस उन्हें नेशनल क्रश मानते हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक की चर्चित फिल्मों में काम कर चुकीं रश्मिका हाल ही में पेरिस में नजर आईं। एक्ट्रेस का पेरिस ट्रिप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें फैंस रश्मिका को लेकर अपनी दीवानगी दिखा रहे हैं।

रश्मिका को 'लव यू' कहते दिखे फैंस

सोशल मीडिया पर रश्मिका का जो वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें रश्मिका के कुछ फैंस उनकी फोटो ले रहे हैं। एक्ट्रेस के नाम का ले रहे हैं। कई फैंस- 'लव यू रश्मिका' भी कहते थे। इस प्यार को देखकर रश्मिका का चेहरा भी खिल उठा।

एक्ट्रेस ने भी लुटाया फैंस पर प्यार

वायरल वीडियो में फैंस की दीवानगी देखकर रश्मिका ने भी उन पर प्यार लुटाया। हाथों से हार्ट साइन बनाया।

वह फैंस से मिले प्यार, अपनेपन के लिए शुक्रिया कहती भी दिखीं। इस वायरल वीडियो पर यूजर्स ने भी रिएक्ट किया है। हार्ट इमोजी बनाए हैं और रश्मिका को इंटरनेशनल क्रश बता दिया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका हाल ही में रिलीज हुई साउथ फिल्म 'कुबेर' में नजर आईं। इन दिनों वह एक बॉलीवुड फिल्म 'थामा' की शूटिंग भी कर रही हैं। इस फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आएंगी। साथ ही रश्मिका एक साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में भी नजर आएंगी, इसमें वह विजय देवरकोंडा के अपोजिट हैं। असल जिंदगी में भी उनका नाम विजय देवरकोंडा के साथ जोड़ा जा रहा है, दोनों के डेट करने की खूब चर्चा है। कई मौकों पर दोनों को साथ भी देखा जाता है, मगर अब तक रश्मिका और विजय ने अपना रिश्ता पब्लिकली स्वीकार नहीं किया है।

ट्रेजेडी किंग के नाम से क्यों मशहूर हुए दिलीप कुमार किस अभिनेत्री के साथ की सबसे ज्यादा फिल्में

आज 7 जुलाई को दिलीप कुमार की पुण्यतिथि है। उनकी जिंदगी उनके व्यक्तित्व की खासियत को दर्शाती है। वे न सिर्फ एक महान अभिनेता थे, बल्कि एक संवेदनशील और नेक इंसान भी थे। आज उनकी पुण्यतिथि पर जानिए उनसे जुड़ी अनसुनी बातें।

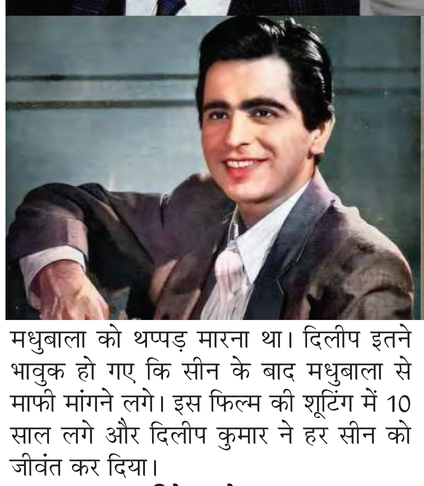

नाम बदलने की कहानी

दिलीप कुमार का असली नाम यूसुफ खान था। 1944 में उनकी पहली फिल्म ₹ज्वार भाटा₹ रिलीज हुई। उस समय निर्माता देविका रानी ने सुझाव दिया कि वे अपना नाम बदल लें, ताकि दर्शकों से बेहतर जुड़ाव हो। यूसुफ ने ₹दिलीप कुमार₹ नाम चुना और यही उनकी पहचान बन गई।

मधुबाला के साथ प्रेम कहानी

दिलीप कुमार और मधुबाला की प्रेम कहानी बॉलीवुड की सबसे चर्चित कहानियों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ₹मुगल-ए-आजम₹ की शूटिंग के दौरान दोनों करीब आए। हालांकि उनकी मुलाकात 1951 में फिल्म ₹तराना₹ के सेट पर हुई थी। उनकी ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री ने सभी का दिल जीता। मधुबाला के पिता अताउल्लाह खान ने दिलीप और उनके रिश्ते का विरोध किया और यह प्रेम कहानी अधूरी रह गई। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री आज भी याद की जाती है।₹ ₹मुगल-ए-आजम₹ में दिलीप कुमार ने सलीम का किरदार निभाया। एक सीन में उन्हें मधुबाला को थप्पड़ मारना था। दिलीप इतने भावुक हो गए कि सीन के बाद मधुबाला से माफी मांगने लगे। इस फिल्म की शूटिंग में 10 साल लगे और दिलीप कुमार ने हर सीन को जीवंत कर दिया।

डिप्रेशन से जंग

दिलीप कुमार को ट्रेजेडी किंग कहा जाता था, क्योंकि वे दुख भरे किरदारों में कमाल दिखाते थे। लेकिन लगातार ऐसे रोल करने से वे असल जिंदगी में डिप्रेशन में चले गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉक्टरों ने सलाह दी कि वे हल्की-फुल्की फिल्में करें और गंभीर किरदार न निभाएं। इसके बाद उन्होंने आजाद और राम और श्याम जैसी हल्की-फुल्की फिल्में कीं, जिनमें उनकी कॉमेडी को भी खूब पसंद किया गया।

सायरा बानो से शादी

दिलीप कुमार ने 1966 में अभिनेत्री सायरा बानो से शादी की। सायरा उम्र में दिलीप कुमार से 22 साल छोटी थीं। दोनों की जोड़ी को बहुत प्यार मिला। सायरा ने दिलीप कुमार की जिंदगी में स्थिरता लाई और उनके करियर को भी संभाला। सायरा जिंदगी के हर उतार-चढ़ाव में उनके साथ खड़ी रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिलीप कुमार सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि समाजसेवी भी थे। वे राज्यसभा के सदस्य रहे और कई सामाजिक कार्यों में हिस्सा लिया। एक बार उन्होंने अपनी सारी कमाई एक चैरिटी को दान कर दी थी, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

सबसे ज्यादा फिल्में एक्ट्रेस

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिलीप कुमार ने सबसे ज्यादा फिल्मों में अभिनेत्री वैजयंतीमाला के साथ काम किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने किसी भी अन्य अभिनेत्री की तुलना में वैजयंतीमाला के साथ अधिक फिल्मों में अभिनय किया और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को बहुत सराहा गया। उनकी कुछ प्रमुख फिल्में जिनमें उन्होंने साथ काम किया, उनमें देवदास, नया दौर, मधुमति, पैगाम, गंगा जमुना और लीडर शामिल हैं।

दिलीप कुमार का निधन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिलीप कुमार का निधन 7 जुलाई, 2021 को मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में हुआ था। वह 98 वर्ष के थे और लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। दिलीप कुमार को सांस लेने में तकलीफ के बाद 29 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 जुलाई को सुबह 7:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

माधवन और फातिमा सना शेख ने बताई 'आप जैसा कोई' समाज में अकेलेपन की दिक्कत पर आधारित फिल्म है

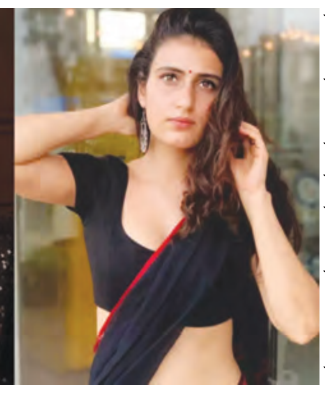

अभिनेता आर माधवन और फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'आप जैसा कोई' का प्रचार कर रहे हैं। दोनों ने फिल्म के बारे में बात की और बताया है कि इसकी कहानी किस तरह से असल जिंदगी के रिश्तों से जुड़ती है। फिल्म में आर माधवन ने एक संस्कृत प्रोफेसर की भूमिका निभाई है, तो वहीं फातिमा सना शेख ने फ्रेंच इंस्ट्रक्टर की भूमिका निभाई है। फिल्म में दो अलग-अलग बैकग्राउंड से आने वाले लोगों की कहानी दिखाई गई है।

अकेलेपन की दिक्कतों को दिखाती है फिल्म

फिल्म के अदाकार आर माधवन ने कहा 'फिल्म 'आप जैसा कोई' में अकेलेपन से जुड़ी दिक्कतों को दिखाया गया है। आज कल के जमाने में जैसा कि हमने फिल्म में भी कहा है कि अकेलापन सबसे बड़ी बीमारी है।' आर माधवन ने बताया 'सबकी भीड़ होते हुए, सोशल मीडिया होते हुए, आप रात को सोते हुए यही फील करते हो कि मेरे करीबी लोग मुझे और मेरे अकेलेपन को पसंद करते हैं। अकेलेपन के बारे में बात करते हुए हम इस फिल्म में कह रहे हैं कि अगर आप जैसा कोई हमारी जिंदगी में आ जाए तो हमारे अकेलेपन की दवा मिल जाए।'

दो अलग-अलग लोगों की प्यार की कहानी है

फिल्म के बारे में बात करते हुए फातिमा सना शेख ने कहा 'हमारे फिल्म के निर्देशक विवेक ने हमें बुलाया। उन्होंने हमसे कहा कि यह क्या है। इसके बाद उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी। स्क्रिप्ट बहुत अच्छी है। अगर आप ट्रेलर में देखेंगे तो इसमें बहुत खूबसूरत भावनाएं हैं। इसमें एक लड़का और एक लड़की है, जो एक दूसरे से प्यार करते हैं। दिक्कत यह है कि दोनों की अलग-अलग समस्याएं हैं। इससे भी अच्छी बात यह है कि मुझे मैडी के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला। मैं इस मौके को गवांना नहीं चाहती थी।' आपको बता दें कि फिल्म 'आप जैसा कोई' एक रोमांटिक फिल्म है। इसमें आर माधवन और फातिमा सना शेख अहम किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। करण जौहर इसके निर्माता हैं। यह फिल्म 11 जुलाई 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

फिल्मों में तीन साल तक नहीं मिला काम तो अहाना ने उठाया ये कदम, कहा- 'अगर नाकाम हुई तो...'

अभिनेत्री अहाना कुमरा को फिल्मों में एक्टिंग का काम नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने पिछले साल फैसला किया कि वह प्रोडक्शन में कदम रखेंगी। उन्होंने कहा था कि उन्हें तीन वर्षों तक फिल्मों में बतौर एक्ट्रेस काम नहीं मिला। ऐसे में उन्होंने अपने सपनों को सच करने के बारे में सोचा। अब उन्होंने अपना नया काम शुरू कर दिया है।

अहाना ने शुरू किया नया काम

अहाना कुमरा ने अपने साथी कास्टिंग डायरेक्टर अपूर्व सिंह राठौर के साथ मिलकर एक प्रोडक्शन कंपनी शुरू की जो पांडा फिल्म्स के साथ काम करेगी। अहाना ने अपनी कंपनी के जरिए एक म्यूजिक वीडियो शूट करना शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट में वह अभिनय नहीं करेंगी बल्कि वह इसका प्रोडक्शन करेंगी।

अहाना के लिए काफी नहीं थे रोल

अहाना कुमरा के हवाले से लिखा 'प्रोड्यूसर हमें जो रोल दे रहे थे वह मेरे लिए काफी नहीं थे। महिलाओं के लिए बहुत सीमित रोल हैं और इसे पाने के लिए कई महिलाएं संघर्ष करती हैं। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो हो जाऊंगी, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बाद कुछ और करूंगी।'

खेल छोड़ने वालों में से नहीं हैं अहाना

अहाना ने कहा 'एक प्रोड्यूसर के तौर पर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में जब आप दूसरी तरफ होते हैं, तो आपको इनके बारे में पता नहीं होता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए कंफर्ट जोन से निकलने का सबसे अच्छा वक्त है। ऐसा वक्त भी आता है, जब आपको सख्ती से चुनना होता है, ऐसे में या तो आप खेल में बने रहें या फिर छोड़ दें। मैं छोड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं उन में से हूं, जो खेल में बने रहना पसंद करती हैं। मैंने हमेशा शोहरत को पसंद किया है।'

अहाना का काम

अहाना अपने प्रोजेक्ट में अभिनय नहीं कर रही हैं। इस पर उन्होंने कहा 'मैं ऐसी स्क्रिप्ट लिखने के खिलाफ नहीं हूं, जिसमें मैं एक अभिनेत्री के तौर पर काम करूं। हालांकि मैं फिल्हाल एक निर्माता के तौर पर अपना काम कर रही हूं।'

अहाना कुमरा ने 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' और 'इंडिया लॉकडाउन' में नजर आ चुकी हैं।

कौन हैं सारा अर्जुन? 'धुरंधर' में 20 साल बड़े रणवीर सिंह के साथ करेंगी रोमांस

रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म 'धुरंधर' का आज फर्स्ट लुक सामने आ गया है। इस फर्स्ट लुक में रणवीर सिंह का जबरदस्त एक्शन अवतार देखने को मिला है। फर्स्ट लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इस पर अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। इसके सामने आते ही रणवीर सिंह के अलावा आर माधवन और अक्षय खन्ना के लुक की भी काफी तारीफ हो रही है। लेकिन क्या फर्स्ट लुक में रणवीर सिंह के साथ नजर आई एक्ट्रेस को आप पहचान पाए? आइए जानते हैं कौन है ये एक्ट्रेस।

20 साल छोटी एक्ट्रेस के साथ रोमांस करेंगे रणवीर

फर्स्ट लुक में रणवीर के साथ नजर आई घुंघराले बालों वाली हसीना हैं सारा अर्जुन। हैरान करने वाली बात ये है कि सारा अर्जुन अभी सिर्फ 20 साल की हैं। जबकि रणवीर सिंह आज ही 40 साल के पूरे हुए हैं। ऐसे में रणवीर 'धुरंधर' में खुद से 20 साल छोटी सारा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। ये पहली बार है जब रणवीर सिंह इतने अधिक उम्र के फासले वाली हीरोइन के साथ रोमांस करते दिखेंगे।

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की शुरुआत, कई विज्ञापनों में आईं नजर

सारा अर्जुन की बात करें तो वो एक स्टारकिड हैं। सारा साउथ के मशहूर एक्टर राज अर्जुन की बेटी हैं। सारा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। सारा ने अपना करियर विज्ञापनों से शुरू किया था। उन्होंने उस उम्र में विज्ञापन करने शुरू कर दिए थे, जब वो सही से बोल तक नहीं पाती थीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सारा पांच साल की उम्र तक 100 से ज्यादा टीवी विज्ञापनों में नजर आ चुकी थीं।

कई साउथ और हिंदी फिल्मों में आईं नजर

विज्ञापनों के अलावा सारा अर्जुन ने फिल्मों में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपनी शुरुआत की थी। सारा 2011 में आई अपनी पहली फिल्म 'देइवा थिरुमगल' से ही घर-घर में मशहूर हो गईं थीं। यह तमिल ड्रामा है, जिसमें उन्होंने विक्रम के साथ काम किया था। सिर्फ छह साल की उम्र में, नीला की भूमिका निभाने वाले उनके किरदार ने दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों को प्रभावित किया था। इसके अलावा सारा अर्जुन 'एक थी डायन' में भी नजर आई थीं। वो मणिरत्नम की फिल्म 'पीएस 1' और 'पीएस 2' में भी नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राय के किरदार 'नंदिनी' के यंग एज के किरदार को निभाया था।

मां बनने के बाद ये सुपरफूड्स देंगे ऊर्जा और ताजगी

मां बनने के बाद महिलाएं शिशु की देखभाल में पूरा दिन लगी रहती हैं। इससे अक्सर उन्हें थकान और स्ट्रेस होता है और उन्हें एनर्जी कम महसूस होने लगती है। ऐसे में कुछ सुपरफूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए।

प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादातर महिलाएं अपनी और शिशु की सेहत के लिए पौष्टिक आहार खाती हैं। लेकिन, डिलीवरी के बाद नई मां बच्चे की देख-रेख में इतनी बिजी हो जाती हैं कि वह अपनी सेहत को अनदेखा करने लगती हैं। इससे मसल्स में दर्द, आंखों में कमजोरी और बालों के झड़ने जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

साथ ही, ब्रेस्ट मिल्क का प्रोडक्शन कम होने लगता है। इन समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि आप डिलीवरी के बाद इन 3 सुपरफूड्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इनके बारे में मैटरनल और चाइल्ड न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर रमिता कौर बता रही हैं।

एक्सपर्ट का कहना है, "डिलीवरी के बाद शिशु के साथ ही अपना ख्याल रखना भी जरूरी होता है। शिशु के जन्म के दौरान मां के शरीर से ज्यादा ब्लीडिंग होती है और मसल्स कमजोर होने लगती हैं। साथ ही, शिशु को ब्रेस्टफीडिंग कराने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इन चीजों से शरीर में कमजोरी आने लगती हैं।"

1. मोरिंगा

यह विटामिन ए, बी, सी, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन से भरपूर होता है, जो डिलीवरी के बाद महिलाओं को हेल्दी रखता है। साथ ही, इसे खाने से ब्रेस्ट मिल्क में सुधार होता है।

विधि

सब्जियों और करी में मोरिंगा की पत्तियां को शामिल करें। आटे में मोरिंगा पाउडर मिलाकर खाएं।

2. मेथी दाना

लगभग हर किचन में मौजूद मेथी दाना न सिर्फ खाने के बादीपन को दूर करता है, बल्कि हेल्थ से जुड़ी कई समस्याओं के लिए रामबाण है। यह नई मां में एनर्जी

बढ़ाता है और मिल्क प्रोडक्शन को बढ़ाने में मदद करता है।

विधि

1 चम्मच बीज को एक गिलास पानी में भिगो दें।

अगली सुबह इसे उबालकर पिएं।

3. जीरा

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और आयरन होता है, जो डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर को एनर्जी देता है और सूजन को कम करता है। साथ ही, ये बीज मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाने मदद करता है।

विधि

एक गिलास पानी में एक चम्मच जीरा भिगो दें।

इस पानी को उबाल लें।

इसे भोजन के बाद पिएं।

बारिश के मौसम में इस तरह रखें नाखूनों का खास ध्यान

बारिश के मौसम अगर आप भी नाखूनों की सही देखभाल करना चाहती हैं तो इन तरीकों को आपको ट्राई जरूर करना चाहिए।

जब भी स्किन के ख्याल रखने की बात आती है तो हम किसी तरह का कोई भी कॉम्प्रोमाइज करना पसंद नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हमें सबसे अच्छा और खूबसूरत दिखना होता है। इसके लिए हम कई तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट को भी कराते हैं ताकि स्किन को ग्लोइंग बना सके। लेकिन हमें चेहरे की खूबसूरती के साथ-साथ नाखूनों का भी खास ध्यान रखना चाहिए।

बारिश के मौसम में खासकर इनका ध्यान ज्यादा रखना पड़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बदलते मौसम के कारण ये कमजोर हो जाते हैं और इसी वजह से ये टूटने शुरू हो जाते हैं। इसलिए समय निकालकर इनकी भी केयर करें। इसके लिए आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना पड़ेगा, ताकि नाखूनों को साफ और सुंदर रखा जा सके।

नाखूनों को रखें साफ

कई बार ऐसा होता है कि हमारे पास समय कम होता है। इसकी वजह से हम नाखूनों में जमा होने वाली गंदगी को साफ नहीं कर पाते हैं। लेकिन आपको अगर नाखूनों को मजबूत और सुंदर बनाना है तो इसके लिए उन्हें साफ रखें। इसके लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये नाखूनों को अच्छे से साफ करता है।

नाखूनों को करें फाइल

अगर नाखून ज्यादा बड़े हो जाते हैं तो वो कमजोर होने लगते हैं ऐसे में आपको समय-समय पर इन्हें शेप देते रहना चाहिए। इससे

वो अच्छे आकार में बढ़ते हैं साथ ही दिखने में भी सुंदर लगते हैं। इसके लिए आप नेल फाइलर (नेल फाइलर से दें नाखूनों को शेप) का इस्तेमाल कर सकती हैं और इन्हें अच्छे से फाइल करके शेप दे सकती हैं। आप चाहे तो पार्लर से भी जाकर इनकी शेप बना सकती हैं।

ये चीजें आएंगी आपके काम

कई सारे ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जिनके इस्तेमाल से आप अपने नाखूनों का ध्यान रख सकती हैं। जैसे- कच्चा दूध, शहद, सेंधा नमक और गर्म पानी। इन सभी चीजों के इस्तेमाल से भी आपके नाखून बारिश के मौसम में अच्छे रह सकते हैं। ये सारी चीजें आसानी से आपको घर में मिल जाएंगी। इसके बाद आपको किसी भी तरह के केमिकल प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इन सभी चीजों की मदद से आप घर पर ही मैनीक्योर (घर पर करें मैनीक्योर) और पेडीक्योर भी कर सकती हैं। इसके लिए बस आपको कुछ टिप्स फॉलो करने की जरूरत होगी। आपके नाखून बिल्कुल साफ हो जाएंगे।

इन बातों का रखें खास ध्यान

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नाखूनों के पास मौजूद स्किन हटने लगती है, ऐसे में उस समय कभी भी नींबू का इस्तेमाल न करें। नाखूनों में नेल पेंट लगाकर रखें। इससे भी वो सुंदर लगते हैं। महीने में एक बार इनकी शेप जरूर बनाएं। वरना कमजोर होने पर वो टूट सकते हैं।

ड्राई और कसावटी अंडर आर्म्स से छुटकारा पाएं

अंडरआर्म्स की स्किन काफी मुलायम होती है लेकिन जब हम ज्यादा रेजर या फिर वैक्सिंग कराते हैं तो वो ड्राई हो जाती है। इसी ड्राईनेस को कम करने के लिए आपको इन तरीकों को ट्राई करना चाहिए। स्किन का ध्यान रखने के लिए हम अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। कई बार होता है कि हम पार्लर जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन अंडरआर्म्स का खास ध्यान नहीं रख पाते हैं। जब बाल बढ़ते हैं तो वैक्स करा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं ज्यादा वैक्स और रेजर के इस्तेमाल से स्किन ड्राई होने लगती है। इसकी वजह से कई महिलाओं को अंडरआर्म्स में दाने भी होने लगते हैं। अगर आप अंडरआर्म्स की ड्राईनेस को कम करना चाहती हैं तो इसके लिए आपको इन उपायों को जरूर ट्राई करना चाहिए। ये काफी आसानी और घरेलू तरीके हैं जिन्हें कोई भी ट्राई कर सकता है।

नारियल के तेल का इस्तेमाल करें

स्किन के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल काफी लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले मिनरल और विटामिन स्किन को सॉफ्ट बनाते हैं। अंडरआर्म्स की स्किन के लिए भी आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इसको लगाने के लिए सबसे पहले स्किन पर मौजूद पसीने को साफ कर लें। फिर अंडरआर्म्स में नारियल का तेल लगाएं। इसके बाद अगली सुबह उठकर नहाएं और तेल को साफ कर लें। इससे तुरंत ही आपकी स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।

चंदन पाउडर

अगर आपकी स्किन रैशेज के कारण ड्राई हो रही है तो इसको सही करने के लिए आपको चंदन का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके इस्तेमाल से स्किन काफी सॉफ्ट हो जाती है और अंडरआर्म्स का कालापन भी दूर हो जाता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में चंदन पाउडर लें। फिर इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स करें। अब इस पेस्ट को अंडरआर्म्स पर लगाएं और 20-25 मिनट के लिए लगे रहने दें। इसके बाद एक कपड़े की मदद से इसे साफ कर लें। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में 2 बार ट्राई कर सकती हैं। इससे स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।

इसे भी पढ़ें: काले अंडरआर्म्स की वजह से नहीं पहन पा रही हैं स्लीवलेस ड्रेस तो आपनाएं ये रामबाण उपाय

शहद का करें इस्तेमाल

शहद में एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो डेड स्किन को हटाने का काम करते हैं। अगर आपको अपने अंडरआर्म्स को सॉफ्ट रखना है तो इसके लिए शहद (स्किन पर शहद का इस्तेमाल) का इस्तेमाल जरूर करें। बस आपको शहद लेना है इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिक्स करना है और अंडरआर्म्स पर लगाना है। इसे करीब 20 मिनट के लिए उस एरिया में लगा रहने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। इसे आप हफ्ते में दो बार ट्राई करें। आपके अंडरआर्म्स सॉफ्ट हो जाएंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

अंडरआर्म्स पर ज्यादा वैक्सिंग या फिर रेजर न मारें। इससे भी स्किन जल्दी ड्राई होती है।

किसी भी प्रोडक्ट के इस्तेमाल से पहले उसकी जांच जरूर कर लें।

कोको आलमंड ओट्स स्मूदी के फायदे

ओट्स से वजन कम करने में मदद मिलती है। यह ब्लड शुगर लेवल को भी कम करता है। कॉम्पलेक्स कार्ब्स और प्रोटीन का अच्छा सोर्स है।

आर्टरीज को रिलेक्स कर, हार्ट हेल्थ को सुधारने में भी मदद कर सकता है।

बादाम में एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन ई, प्रोटीन, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। इससे शरीर को ताकत मिलती है और गुड कोलेस्ट्रोल बढ़ता है।

नारियल का दूध हेल्दी फैट्स से भरपूर होता है। यह कोलेस्ट्रोल को कम कर, वेट लॉस को बढ़ावा देता है। इससे इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

खजूर (खजूर के फायदे), विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी अधिक होता है। डाइजेशन और शुगर क्रेविंग्स के लिए ये अच्छे होते हैं।

दालचीनी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है और डाइजेशन को सुधार कर वजन को कम करता है।

कोको आलमंड ओट्स स्मूदी

सामग्री

ओट्स- 3 टीस्पून रोस्ट किए हुए

बादाम- 10 भीगे और छिले हुए

नारियल का दूध- 200 मि.ली

खजूर- 2-3

दालचीनी पाउडर- 1 चुटकी

कैसे बनाएं?

सब चीजों को एक साथ ब्लेंड कर लें। आपकी सुपरफूड स्मूदी तैयार है।

क्या खाना जमीन पर गिरने के 5 सेकंड तक खाने लायक होता है?

जमीन पर खाना गिरने के कितने देर बाद तक यह सही रहता है? क्या वाकई 3 या 5 सेकंड रूल काम करता है या यह सिर्फ एक मिथक है? फर्ज कीजिए कि आप कुछ बहुत ही स्वादिष्ट मिठाई खाने जा रहे हैं और एकदम से वह जमीन पर गिर जाए। अब

आपकी फेवरेट चीज थी, तो क्या उसे तुरंत उठाकर खाना सही होगा? मान्यता है कि खाना जमीन पर गिरने के 3 से 5 सेकंड तक ठीक रहता है और इसे खाया जा सकता है।

ऐसा मानना वाकई सही है या नहीं? क्या खाना जमीन पर गिरने के तुरंत बाद कंटेमिनेट हो जाता है? बैक्टीरिया खाने पर कितनी जल्दी असर कर सकता है? देखिए सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि यह निर्भर करता है कि खाना किस सरफेस पर गिरा है? खाना किस तरह का है? खाने कितने पहले बना था। आज हम इस रूल के बारे में ही थोड़ी बात करते हैं और जानते हैं कि कैसे खाना कंटेमिनेट होता है।

इस बारे में क्या कहती है रिसर्च?

अमेरिकन काउंसिल ऑन साइंस एंड हेल्थ द्वारा एक रिसर्च की गई थी। यह रिपोर्ट अप्लाइड एंड एनवायरमेंटल माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट द्वारा की गई थी जो ASM जर्नल्स में पब्लिश हुई थी। इस रिसर्च के मुताबिक जितनी ज्यादा देर खाना कंटेमिनेटेड सरफेस पर रहेगा उतना ही ज्यादा उसके खराब होने की गुंजाइश है। बैक्टीरियल क्रॉसकंटेमिनेशन से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

खाने का जमीन पर गिरना ही जरूरी नहीं। अगर किचन प्लेटफॉर्म पर बैक्टीरिया है, खाने के बर्तनों में बैक्टीरिया है, खाना ठीक से पका नहीं है या आपके हाथ गंदे हैं और खाने को छू लिया है, तो आपका खाना कंटेमिनेट हो सकता है।

क्या है आम धारणा?

5 सेकंड रूल बताता है कि अगर कुछ गिर गया है, तो उसे तुरंत उठा लीजिए जिससे बैक्टीरिया और वायरस को उसपर चिपकने का समय नहीं मिलेगा।

आपको बता दें कि यह नियम काफी हद तक मिथक ही है। हां, बहुत ही कम तरह के फूड्स और सरफेस पर यह काम कर सकता है, लेकिन हर जगह नहीं। सरफेस पर एंटी-बैक्टीरियल पोछा भी लगा हो, तो भी गुंजाइश है कि आपका खाना 5 सेकंड के अंदर कंटेमिनेट हो जाए।

स्टडी बताती है कि खाना जिस जगह गिरता है वहां अगर मॉइश्चर है, तो कंटेमिनेशन ज्यादा जल्दी होगा।

1 सेकंड से भी कम में ट्रांसफर हो सकता है बैक्टीरिया

जैसा कि हमने बताया सरफेस के मॉइश्चर पर भी निर्भर करता है कि आपका खाना कितनी जल्दी दूषित हो रहा है। उदाहरण के तौर पर अगर आप चिप्स का एक हिस्सा जमीन पर गिराते हैं, तो उसके दूषित होने की गुंजाइश कम होगी, लेकिन यहीं तरबूज जैसा हाई वाटर कंटेंट वाला फूड आइटम जमीन पर गिर जाए, तो वह तुरंत दूषित हो जाएगा। ऊपर बताई गई रिसर्च के मुताबिक जब सरफेस की बात होती है तब कालीन पर कम मॉइश्चर वाला खाना सबसे कम दूषित होता है, लेकिन टाइल, स्टील, लकड़ी, कॉन्क्रीट आदि पर खाना बहुत जल्दी दूषित हो सकता है।

अगर खाने में मॉइश्चर कंटेंट ज्यादा है तब तो उसे 1 सेकंड के अंदर ही दूषित मान लिया जाता है।

इसके अलावा, बैक्टीरिया टाइप का भी बहुत असर पड़ता है। मसलन ई-कोली जैसा खतरनाक बैक्टीरिया बहुत जल्दी खाने से चिपक सकता है।

एस्टन यूनिवर्सिटी की एक पब्लिश्ड रिपोर्ट इस बात को मानती है कि मॉइश्चर कंटेंट खाने के दूषित होने में ज्यादा रोल निभाता है। ऐसे में कम मॉइश्चर वाला खाना अगर बहुत ज्यादा कंटेमिनटेड सरफेस पर नहीं गिरा है, तो आपको दिक्कत कम होगी।

हालांकि, यह रिपोर्ट मानती है कि 5 सेकंड रूल सही है, लेकिन यह सिर्फ कुछ ही तरह के फूड्स और सरफेस पर लागू होता है।

इसका मतलब यह है कि 5 सेकंड रूल पूरी तरह से मिथक नहीं है, लेकिन गिरा हुआ खाना उठाकर ऐसे ही खा लेना आपकी सेहत के लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। अब आप हर बार खाना टेस्ट तो नहीं करेंगे कि सरफेस और मॉइश्चर के कारण यह खराब हुआ है या नहीं।

सिर दर्द की आयुर्वेदिक चिकित्सा

प्रश्न : मुझे ड्योडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- लोक रंजन मिश्रा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल ड्योडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 -4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना, धूप, वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मोहम्मद अल्ताफ, हैदराबाद

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ,

आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले 2 महीनों से सियाटीका से परेशान हूं। अंग्रेजी दवाओं से जरा भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, कृपा कर आयुर्वेदिक दवा बताएं।

- श्रीधर नायक, महबूबनगर

उत्तर : सियाटीका को आयुर्वेद में गृध्रसीवात कहते हैं। यह गृध्रसी नाड़ी के शोथ से उत्पन्न बड़ी कष्टदाई स्थिति है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। कुछ सरल घरेलू उपाय बता रहा हूं जिसका प्रयोग कर आप आसानी से इससे मुक्ति पा सकते हैं।

* वज्रासन में बैठना आराम देता है ।

*सुबह -शाम ऊंझा महानारायण तेल या ऊंझा महाविषगर्भ तेल की मालिश करने से आराम मिलता है।

* 5 ग्राम लहसुन और 5 ग्राम प्याज का रस पानी के साथ सेवन करने से सियाटीका का दर्द शांत होता है।

* शुद्ध गुग्गुलुऔर रास्ना चूर्ण में शुद्ध घी मिलाकर सेवन करने से सियाटीका रोग ठीक होता है।

*एक पोती वाले लहसुन को एक गिलास दूध में उबालकर रबड़ी की तरह बना कर 21 दिन सेवन करने से इस रोग से मुक्ति मिलती है।

*अश्वगंधा चूर्ण को 10 ग्राम की मात्रा में लेकर एक गिलास दूध में डालकर सेवन करने से लाभ होता है।

* 3 ग्राम पिपली का चूर्ण के साथ 15 ग्राम एरंड के तेल के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है।

शास्त्रीय औषधियों में ऊंझा बृहत योगराज गुग्गुलु एवं ऊंझा समीरपन्नग रस का सेवन करने से लाभ मिलता है। ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु , ऊंझा वात विध्वंसन रस एवं औरा अश्वगंधा घनवटी का सुबह-शाम सेवन करने से इस रोग में आराम मिलता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 20-20 मिलीलीटर आधे का गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से इस कष्ट दाई रोग से मुक्ति मिलती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

ट्रंप से नहीं हो पाएगा: अंबानी ने संभाली अमेरिका को 'ग्रेट अगेन' बनाने की कमान!

दुनिया की अमेरिकी राष्ट्रपति से नाराजगी क्यों?

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले साल अमेरिका में जब राष्ट्रपति चुनाव हुए थे तो डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन ' का नारा दिया था। लेकिन चुनाव जीतने के बाद पासा उल्टा नजर आ रहा है। चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाकर ट्रेड वॉर शुरू कर दिया। इससे कई देश नाराज हो गए। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक ओटावा से लेकर बीजिंग तक, कई देश ट्रंप की नीतियों से खुश नहीं हैं। लेकिन, इस ट्रेड वॉर से अमेरिका को कुछ दोस्त भी मिले हैं। न केवल भारत बल्कि एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी ने अमेरिका को 'ग्रेट अगेन' बनाने की जिम्मेदारी संभाल ली है। वह अमेरिका से आने वाले माल का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। यह माल पहले चीन जाने वाला था, लेकिन अब भारत भेजा जा रहा है। जिस जहाज का मुकेश अंबानी इंतजार कर रहे हैं, उसमें एथेन भरा हुआ है।

किस काम आती है एथेन?

एथेन एक रंगहीन और गंधहीन गैस है। यह नेचुरल गैस का एक हिस्सा है। इसे ठंडा करके तरल रूप में जहाजों में भरकर लाया जाता है। ऐसा ही एक जहाज अमेरिका के गल्फ कोस्ट से गुजरात के दाहेज में अंबानी के टर्मिनल की ओर आ रहा है। दाहेज, गुजरात के पश्चिमी समुद्र तट पर है। यहां अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एथेन क्रैकर है। इस क्रैकर में एथेन से एथिलीन बनाया जाता है। एथिलीन प्लास्टिक के प्रोडक्ट बनाने के लिए बहुत जरूरी है।

ट्रेड डील में भारत मार सकता है बाजी

रिलायंस ने साल 2017 में यह यूनिट बनाई थी। कंपनी ने उस समय एक प्रेस रिलीज में कहा था कि रिलायंस नॉर्थ अमेरिका से बड़े पैमाने पर एथेन का आयात करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। आठ साल बाद रिलायंस की यह दूरदर्शिता नई दिल्ली में ट्रेड नेगोशिएटर्स के काम आ सकती है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत चल रही है। भारत के अधिकारी अमेरिका से कह सकते हैं कि 'हमारे साथ 43 बिलियन डॉलर के ट्रेड डेफिसिट को लेकर इतना परेशान मत होइए। हम आपसे गैस खरीदेंगे।' अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसकी डेडलाइन 9 जुलाई है।

क्या है मुकेश अंबानी का प्लान?

मुकेश अंबानी अपनी एथेन कैरियर की फ्लीट में तीन और जहाज जोड़ने की योजना बना रहे हैं। अब जब ट्रंप के एलन मस्क के साथ रिश्ते खराब हो गए हैं, तो अमेरिका में एक नए अरबपति मेहमान के लिए जगह हो सकती है। ऐसे में ट्रंप और अंबानी दोनों को एक-दूसरे से दोस्ती करने में फायदा हो सकता है। चीन के साथ ट्रेड वॉर अभी रुकी हुई है, लेकिन अमेरिकी एथेन का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। भारत, चीन जितना एथेन तो नहीं खरीद सकता, लेकिन वह कुछ एथेन जरूर खरीद सकता है। ट्रंप यह कह सकते हैं कि उनकी ट्रेड पॉलिसी से अमेरिका फिर से महान बन रहा है।

ईपीएफ में देर से क्रेडिट हुआ है ब्याज?

तो टैक्स की परेशानी से बचने के लिए ये करें

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हर साल कर्मचारी भविष्य निधि खाताधारक अपने खाते में ब्याज क्रेडिट होने का बेसब्री से इंतजार करते है, लेकिन ईपीएफओ अक्सर ब्याज डालने में देर कर देता है, जिससे टैक्स को लेकर कई बार मुश्किलें खड़ी हो जाती हैं। अगर आपने एक साल में ईपीएफ में 2.5 लाख रुपए (सरकारी कर्मचारियों के लिए 5 लाख रुपए) से ज्यादा जमा किया है, तो इस अतिरिक्त रकम पर मिलने वाले ब्याज पर टैक्स कटौती (टीडीएस) लगती है। अगर आपका ईपीएफ खाता पैन से जुड़ा है, तो टीडीएस की दर 10% है। अगर पैन लिंक नहीं है, तो टीडीएस की दर 20% होगी। वहीं अगर टैक्स योग्य ब्याज 5,000 से कम है, तो टीडीएस नहीं काटा जाएगा।

टैक्स को लेकर उलझन क्यों होती है?

ईपीएफओ जब ब्याज समय पर खाते में नहीं डालता, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि किस वित्त वर्ष में इस ब्याज को दिखाना और टैक्स देना चाहिए। हालांकि ईपीएफ पासबुक में यह दिखता है कि ब्याज 31 मार्च तक जमा हो गया है, लेकिन वास्तव में यह क्रेडिट अगली साल होता है। उदाहरण के लिए, एफवाई 25 (2024-25) का ब्याज मार्च 2025 तक नहीं आया था। सरकार ने इस पर ब्याज दर मई 2025 में तय की और कुछ लोगों को यह ब्याज एफवाई26 (2025-26) में जाकर मिला। सीए आशीष करूंडिया के मुताबिक, अगर ब्याज एफवाई26 में क्रेडिट हुआ है, तो टीडीएस भी उसी साल लगेगा और यह फॉर्म 26एएस और एआईएस में दिखेगा। ऐसे में अगर आप एफवाई25 में ही टैक्स भर देंगे, तो एफवाई26 में डेटा न मिलने के कारण टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। उन्होंने कहा, एआईएस में फीडबैक देने का ऑप्शन होता है कि यह टीडीएस पिछले साल के ब्याज का है और टैक्स पहले ही भर दिया गया है। लेकिन ईपीएफओ आमतौर पर अपनी टीडीएस रिटर्न अपडेट नहीं करता, जिससे आईटीआर और एआईएस/26एएस में मिसमैच हो सकता है। टैक्स एक्सपर्ट्स का कहना है कि ब्याज पर टैक्स उस साल भरें जब वो अकाउंट में आया हो, यानी जब ईपीएफओ ने उसे क्रेडिट किया और टीडीएस काटा। मतलब ये कि अगर आपको एफवाई25 का ब्याज एफवाई26 में मिला है, तो उसका टैक्स इस साल नहीं, बल्कि अगले साल भरें। इससे टैक्स डिपार्टमेंट और ईपीएफओ के बीच उलझन नहीं होगी, और नोटिस जैसी परेशानियों से भी बचा जा सकता है। ईपीएफ ब्याज को क्रेडिट आधार पर टैक्स में दिखाना आसान और सुरक्षित है, बजाय इसके कि आप उसे उस साल दिखाएं जब वो पासबुक में दर्ज हुआ था।

दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग का अनावरण स्वामी रामदेव ने किया

हरिद्वार, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पतंजलि ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग नामक उत्पाद लांच किया। यह उत्पाद आयुर्वेद ग्रंथों में उल्लेखित गंडूष विधि पर आधारित है। आयुर्वेद में इसे 'दिनचर्या' का अभिन्न हिस्सा माना गया है। दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग का अनावरण स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन, उत्तराखंड शाखा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बंसल, सचिव डॉ. विश्वजीत वालिया, कोषाध्यक्ष डॉ. वैभव पाहवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा पतंजलि केवल उपचार नहीं, अपितु संस्कृति, परंपरा और विज्ञान का सामंजस्य प्रस्तुत कर रहा है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा यह उत्पाद वैज्ञानिकों की तीन वर्षों के अथक पुरुषार्थ और समर्पण का परिणाम है।दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग एक प्राकृतिक, सुरक्षित और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। यह पतंजलि की दंत कांति श्रृंखला का नवीनतम और अभिनव उत्पाद है। उन्होंने कहा कि इसमें तुम्बरू तेल है, जो दाँतों व मसूड़ों को मजबूत करता है। लौंग तेल है, जो दांत के दर्द में राहत प्रदान करता है। पुदीना तेल, मुँह की दुर्गंध का नाश करता है।

इस अवसर पर डॉ. विश्वजीत वालिया ने कहा कि दंत कांति गंडूष ऑयल पुलिंग एक अनुसंधान व साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक औषधि है जो मुख के पायरिया एवं विभिन्न दंत रोगों में अत्यंत सहायक होगी। डॉ. राजीव बंसल, कोषाध्यक्ष डॉ. वैभव पाहवा, पतंजलि हॉस्पिटल के दंत विभाग प्रमुख एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन, हरिद्वार शाखा के सचिव डॉ. कुलदीप सिंह, पतंजलि अनुसन्धान संस्थान के उपाध्यक्ष एवं प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, इंडियन डेंटल एसोसिएशन, हरिद्वार शाखा के कोषाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत ऑबराय तथा उत्तराखंड के कई प्रख्यात दन्त चिकित्सक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित दन्त चिकित्सकों ने इस उत्पाद को आधुनिक जीवन की ज़रूरतों के अनुरूप एक सटीक और समयसिद्ध समाधान बताया। दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग न केवल मुँह के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह पतंजलि की उस यात्रा का अंग है जिसमें भारत के वैदिक ज्ञान को वैज्ञानिक तकनीक की कसौटी पर परखते हुए उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई जा रही है।

वॉरेन बफे जिस तरीके से कमाते हैं करोड़ों

आधे से ज्यादा इंडिया नहीं जानता वह टेक्निक

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वॉरेन बफे दुनिया के सबसे बड़े निवेशक हैं। वह आज भी अपने तरीके से स्टॉक को खरीद कर करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। उनकी स्टॉक खरीदने की रणनीति तो शानदार है ही। साथ ही उसे बेचने की स्ट्रैटेजी कमाल की है। वॉरेन बफे की सेलिंग स्ट्रैटेजी के बारे में ज्यादातर लोगों को नहीं पता है।

आइए आपको बताते हैं कि स्टॉक को बेचने को लेकर बफे की तकनीक क्या है। भारतीय शेयर बाजार में लोगों को निवेश दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। छोटे निवेशक अपनी कमाई को बढ़ाने के लिए मार्केट में कदम रखते हैं और अपने पैसे को डुबा देते हैं। देश में 19 करोड़ डीमैट खाते हैं। उसके जरिए लाखों करोड़ों का निवेश भी होता है। लेकिन एनएसई के डेटा की ओर नजर डालें तो वह मार्केट की कड़वी सच्चाई को दिखाता है। एनएसई के मुताबिक 90 प्रतिशत निवेशकों को नुकसान होता है, जो कि जल्दबाजी में स्टॉक खरीद लेते हैं और बिना किसी सेलिंग रणनीति के उसे बेच देते हैं।

वॉरेन स्टाइल सेलिंग स्ट्रैटेजी

कंपनी को अच्छे से समझें- निवेश से पहले कंपनी के मुनाफे, बाजार में उसकी स्थिति और प्रबंधन की गुणवत्ता की जांच करें। अगर कोई कंपनी, जैसे एविएशन सेक्टर की, लगातार घाटे में है या उसका बाजार में प्रभाव कम हो रहा है, तो उस स्टॉक को बेचने का समय हो सकता है।असली कीमत पर ध्यान दें- अगर किसी स्टॉक की कीमत उसकी वास्तविक वैल्यू से बहुत ज्यादा है, तो सावधान हो जाएं। प्राइस-टू-इर्निंग रेशियो या कैश फ्लो जैसे टूल्स का उपयोग करें ताकि यह पता चल सके कि स्टॉक की कीमत सही है या नहीं। बफे कहते हैं, अगर आपको अपने निवेश की असली वैल्यू नहीं पता, तो आप जोखिम में हैं। बाजार की उथल-पुथल में शांत रहें- जब बाजार गिरता है, तो घबराकर स्टॉक बेचना सबसे बड़ी भूल है। अगर कंपनी की बुनियाद मजबूत है, तो उसे बेचने की जरूरत नहीं। बफे का कहना है कि जल्दबाजी में पैसे कमाने की चाहत लंबे समय के फायदों को नुकसान पहुंचा सकती है। बाजार के उतार-चढ़ाव को अनदेखा करें और सोच-समझकर फैसले लें। धैर्य से मिलता है फायदा- बफे की रणनीति बार-बार खरीदने-बेचने की नहीं, बल्कि समझदारी से निवेश करने की है। उन्होंने कहा है कि अगर आप किसी स्टॉक को 10 साल तक रखने को तैयार नहीं हैं, तो उसे 10 मिनट के लिए भी न खरीदें। धैर्य रखें, क्योंकि बफे ने अपनी ज्यादातर दौलत लंबे समय में बनाई है।

पाकिस्तान ने दिया अपने दोस्त चीन को धोखा!

इस बड़ी डील से किया इनकार, चाल या अफवाह?

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन के हथियारों की भी काफी चर्चा रही। पाकिस्तान ने चीन के हथियारों और सुरक्षा प्रणाली का इस्तेमाल किया। इसी बीच दुनिया भर की मीडिया ने खबर दी कि पाकिस्तान, चीन के पांचवीं पीढ़ी के जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट का पहला विदेशी ग्राहक बनने वाला है। लेकिन, इस्लामाबाद ने ऐसी किसी भी डील से इनकार किया है। पाकिस्तान ने इन खबरों को सिर्फ अटकलें बताया है। जानकारों का कहना है कि ये दावे चीन की तरफ से इस विमान को दुनिया भर में बढ़ावा देने और दूसरे संभावित खरीदारों को आकर्षित करने की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं। जे-35ए डील से इनकार की खबर ऐसे समय में आई है, जब ये भी खबरें आ रही हैं कि चीन, फ्रांस में बने राफेल लड़ाकू विमानों को बदनाम करने में लगा हुआ है। मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुई झड़पों में राफेल का इस्तेमाल हुआ था। फ्रांस की एक खुफिया एजेंसी के अनुसार विदेशों में दूतावासों में तैनात चीन के रक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि वे राफेल के प्रदर्शन पर सवाल उठाएं। अधिकारियों का मानना है कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि इंडोनेशिया जैसे देश राफेल के ऑर्डर न बढ़ाएं और चीन अपने विमानों को दुनिया के बाजार में बेच सके। ब्लूमबर्ग और दूसरे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने जून 2025 में खबर दी कि पाकिस्तान, चीन की शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए जे-35ए स्टील्थ जेट को खरीदने के लिए तैयार हो गया है। खबरों में कहा गया कि पाकिस्तान इस विमान का पहला विदेशी खरीदार है। इस खबर के बाद एवीसी शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के शेयर में तेजी आई और यह 10 प्रतिशत बढ़ गए। इससे पता चलता है कि चीन के रक्षा निर्यात में एक बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। पहले आई खबरों के अनुसार, पाकिस्तान 40 जे-35ए जेट कम कीमत पर खरीदने की योजना बना रहा था। ये ऑफर 'फ्लैश सेल' के तहत दिया जा रहा था। खबरों में ये भी कहा गया कि अगस्त 2025 तक विमानों की डिलीवरी शुरू हो सकती है और डील में आसान भुगतान की शर्तें भी शामिल हैं। जे-35ए में एईएसए राडार और पीएल-17 लंबी दूरी की मिसाइलें लगी हैं। इसकी क्षमता की तुलना अक्सर अमेरिका के एफ-35 से की जाती है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में इस मुद्दे पर बात की. उन्होंने कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट : सोना 284 कम होकर 96,737 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.07 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 284 कम होकर 96,737 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 97,021 पर था। वहीं चांदी की कीमत 556 कम होकर 1,07,024 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,580 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,440 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100

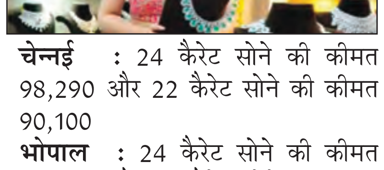

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,290 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,340 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150

इस साल अब तक 20,575 महंगा हुआ

सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,575 रुपए बढ़कर 96,737 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,507 रुपए बढ़कर 1,07,024 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

टाटा मेमोरियल अस्पताल की बिम्सटेक देशों के लिए पहल विशेष कैंसर देखभाल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा मेमोरियल अस्पताल ने क्षमता निर्माण और कौशल संवर्धन के उद्देश्य से सोमवार को बिम्सटेक देशों के लिए कैंसर देखभाल में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। चार देशों के कुल 21 प्रतिभागियों को रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन और रेडियोलॉजी जैसे तीन मॉड्यूलों में प्रशिक्षित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय में बिम्सटेक और सार्क के संयुक्त सचिव सीएसआर राम ने लॉन्च समारोह में कहा कि इस पहल से न केवल कैंसर देखभाल में सुधार करने में मदद मिलेगी, बल्कि बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) देशों के बीच आगे सहयोग और अनुसंधान के लिए एक नेटवर्क स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रशिक्षण पहल में बिम्सटेक देशों के 21 प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें बांग्लादेश से चार, भूटान और म्यांमार से छह-छह तथा नेपाल से पांच प्रतिभागी शामिल होंगे। शुरुआत में, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन और रेडियोलॉजी सहित तीन मॉड्यूल में 4-सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हालांकि, आगे चलकर इसका विस्तार किया जाएगा,उन्होंने कहा। उन्होंने कहा, अभी तक हमें टीएमसी से 12 मॉड्यूल का प्रस्ताव मिला है, जिनमें से तीन को पहले चरण में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके बाद हम तय करेंगे कि इस पहल को कैसे आगे बढ़ाया जाए और इसमें कौन से मॉड्यूल शामिल किए जाएं।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद; सेंसेक्स नौ अंक चढ़ा, निफ्टी 25400 के पार

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। अमेरिकी टैरिफ की 9 जुलाई की समयसीमा से पहले सतर्कता, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी फंडों की निकासी ने बाजार पर असर डाला। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 85.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक या 0.01 प्रतिशत बढ़कर 83,442.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 83,516.82 के उच्च और 83,262.23 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.30 अंक या 0 प्रतिशत बढ़कर 25,461.30 अंक पर पहुंच गया।

भारतीय सामानों पर 26% अतिरिक्त टैरिफ

विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर चिंताओं के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। 9 जुलाई को भारत समेत दर्जनों देशों पर लगाए गए ट्रंप टैरिफ की 90 दिन की निलंबन अवधि खत्म हो रही है। अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार

आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटी के तकनीकी एवं डेरिवेटिव विश्लेषक सुन्दर केवट ने कहा कि सोमवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट स्तर पर बंद हुआ। बेंचमार्क निफ्टी 25,450 पर खुला और दिन के कारोबार में 25,407 का न्यूनतम स्तर और 25,489 का उच्चतम स्तर छू गया। पूरे सत्र के दौरान सूचकांक मोटे तौर पर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। निवेशक आक्रामक रुख अपनाने में अनिच्छुक दिखे, जिससे व्यापक सूचकांक सीमित दायरे में रहा।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और आईटीसी लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति और इटरनल पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिलाजुला रुख

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग नीचे बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक ऊपर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-50 | सूर्यास्त 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन	04-12 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	कर्क	06-25 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह	08-36 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या	10-43 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला	12-50 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक	14-58 बजे
शनि-	मीन में	धनु	17-12 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर	19-22 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ	21-09 बजे
		मीन	22-47 बजे
		मेष	00-23 बजे
		वृष	02-52 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 00-38 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आषाढ़ शुक्ल , मंगलवार 08 July
नक्षत्र - ज्येष्ठा 03-15 तक उपरान्त मूल
योग - शुक्ल 22-16 तक उप ब्रह्म
करण- कौलव 11-58 तक उप तैतिल
विशेष-
व्रत त्योहार - भौमप्रदोष व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:37 से 17:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	05:50 - 07:27	अशुभ	काल	18:50 - 20:15	अशुभ
उत्पात	07:27 - 09:05	अशुभ	लाभ	20:15 - 21:37	शुभ
चंचल	09:05 - 10:43	शुभ	उत्पात	21:37 - 22:59	अशुभ
लाभ.	10:43 - 12:21	शुभ	शुभ	22:59 - 00:21	शुभ
अमृत	12:21 - 13:59	शुभ	अमृत	00:21 - 01:43	शुभ
काल	13:59 - 15:37	अशुभ	चंचल	01:43 - 03:05	शुभ
शुभ.	15:37 - 17:15	शुभ	रोग	03:05 - 04:27	अशुभ
रोग।	17:15 - 18:50	अशुभ	काल	04:27 - 05:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है ।आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला केस, 5000 से ज्यादा पन्नों का चालान पेश

ईओडब्ल्यू ने 29 बंडलों में दिया लेखा-जोखा, लखमा समेत कई लोग जेल में हैं बंद

रायपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने सोमवार को विशेष अदालत में चालान पेश किया। इसमें 20 से ज्यादा उन अधिकारियों के खिलाफ चालान है, जो शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए हैं। जिन अधिकारियों के खिलाफ चालान पेश हुआ है, उनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इस समय सभी आबकारी विभाग में पदस्थ है। इन अफसरों पर आरोप है कि पिछली सरकार में हुए शराब घोटाले में नेताओं के इशारे पर गड़बड़ियां करते रहे। 5000 पन्नों से ज्यादा का चालान जांच एजेंसी के अधिकारी ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में 29 बंडलों को लेकर पहुंचे।

जिसमें हर एक अधिकारी ने किस तरीके से नेताओं के इशारे पर शराब घोटाले में गड़बड़ी में अपना रोल अदा किया। इसकी पूरी जानकारी अदालत को दी गई है। जांच एजेंसी का दावा है कि, यह शराब घोटाला 2019 से 2023 तक हुआ है। इस दौरान डिस्टलरी से जिलों में पदस्थ आबकारी अधिकारियों की निगरानी में डुप्लीकेट होलोग्राम लगा अवैध शराब डिस्टलरी से निकलकर सीधे दुकान जाता था।

तत्कालीन सहायक आयुक्त जनार्दन कौरव की निगरानी में डुप्लीकेट होलोग्राम प्रिंट होकर अमित सिंह, दीपक दुआरी और प्रकाश शर्मा के माध्यम से तीनों डिस्टलरी में जाती थी। वहां होलोग्राम लगाकर अवैध शराब सीधे दुकान पहुंचता था। डुप्लीकेट होलोग्राम लगी शराब की बिक्री से अरुणपति त्रिपाठी को 20 करोड़ रुपए का कमीशन मिला है।

जांच एजेंसी ने चार्जशीट में बताया है कि फरवरी 2019 से आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार शुरू हुआ। शुरुआत में हर महीने 800 पेटी शराब से भरी 200 ट्रक डिस्टलरी से हर माह निकलती थी। एक पेटी को 2840 रुपए में बेचा जाता था। उसके बाद हर माह 400 ट्रक शराब की सप्लाई शुरू हो गई। प्रति पेटी शराब 3880 रुपए में बेचा जाने लगा। ईओडब्ल्यू की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि तीन साल में 60 लाख से ज्यादा शराब की पेटियां अवैध रूप से बेची गई।

2019 से 2023 तक शराब सप्लायरों से जिला आबकारी अधिकारियों ने 319 करोड़ रुपए की वसूली की है। यह पैसा सिंडिकेट को पहुंचाया गया। अप्रैल 2019 से जून 2022 तक अवैध शराब बेचकर 280 करोड़ रुपए वसूले गए। हर साल 70 करोड़ से ज्यादा की वसूली का टारगेट था। जिला आबकारी अधिकारियों ने इस दौरान 2174.60 करोड़ की 60 लाख पेटी अवैध शराब बेची।

बेकाबू ट्रक ने 4 गाड़ियों को मारी टक्कर

हाई टेंशन पोल से टकराया बाल-बाल बचे लोग, चालक की भीड़ ने की पिटाई

जमशेदपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सरायकेला जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। गम्हरिया की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक रात करीब 9:20 बजे टोल प्लाजा के पास अचानक अनियंत्रित हो गया। ट्रक ने एक के बाद एक चार गाड़ियों को टक्कर मार दी और फिर जाकर एक हाई टेंशन बिजली के पोल से टकरा गया। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर सभी चार वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, गनीमत रही कि किसी भी वाहन सवार को गंभीर चोट नहीं आई।

हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, सभी यात्री सुरक्षित बच गए। ट्रक के हाई टेंशन पोल से टकराने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा उत्पन्न हो गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर जुट गए।

नशे में धुत पुलिसकर्मियों का हंगामा

बस स्टैंड में 6वीं बटालियन के दो जवान ऑटो ड्राइवर से उलझे, मोहल्ले में किया गाली-गलौज

रायगढ़, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में दो अलग-अलग जगहों पर वर्दी पहने जवानों की शराब के नशे में हंगामे का वीडियो सामने आया है। एक तरफ छठवीं बटालियन के दो जवान ऑटो ड्राइवर से उलझते और गाली-गलौज करते दिखे। जबकि दूसरी ओर थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी मोहल्ले में हंगामा करता नजर आया।

इन दोनों वीडियो के वायरल होने के बाद डीएसपी सुशांतो बनर्जी का कहना है कि, पुलिस अधीक्षक ने मामले में जांच के लिए आदेश दिया है। जांच के बाद मामले में विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, रविवार को सामने आए एक वीडियो में 6वीं बटालियन के दो जवान नशे की हालत में केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड पहुंचे। यहां किसी बात को लेकर ऑटो ड्राइवर से उनकी बहस होने लगी।

ऑटो ड्राइवर से विवाद के दौरान दोनों जवानों ने जमकर गाली-गलौज की, जिसका वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया। वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बताया जा रहा है कि, दोनों जवान पूरी तरह नशे में थे। एक जवान का पैर लड़खड़ा रहा था। बाद में दोनों जवान वहां से चले गए, तब जाकर माहौल शांत हुआ। फिलहाल, पुलिसकर्मियों की पहचान नहीं हो पाई है।

इधर, चक्रधरनगर थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी वीरेंद्र तिर्की शराब के नशे में रामभांठा मोहल्ले में गाली-गलौज कर रहा था। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मी को काफी समझाइश दी। तब जाकर वह वहां से चला गया। बताया जा रहा है कि, इससे पहले भी उस पुलिसकर्मी ने इस तरह की हरकत की थी।

इस मामले में डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि, रविवार को वीडियो सामने आया था। जिसमें पुलिसकर्मी सार्वजनिक स्थान पर नशे में इस तरह की हरकत कर रहे थे।

वीडियो संज्ञान में आते ही पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच के बाद दोनों मामलों में विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार पति-पत्नी की मौत

पहिए के नीचे दोनों का सिर कुचलाया, 2 महीने पहले हुई थी शादी

भिलाई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में रविवार की रात तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार नवविवाहित दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। दो महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने चक्काजाम कर दिया। घटना खुर्सीपार थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान मुकेश कुर्रे (28) और उसकी पत्नी कमलेश्वरी कुर्रे (26) के रूप में हुई है। दोनों भिलाई के कोहका इलाके के रहने वाले थे। हादसा रात करीब 10 बजे रायपुर-दुर्ग फोरलेन रोड पर पावर हाउस ओवरब्रिज के पास हुआ है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि, शादी के बाद पहली बार दोनों खुर्सीपार में मौसी के घर खाने के लिए आमंत्रण पर गए थे। रात को जब वे लौटने लगे, तो मौसी ने देर रात होने के कारण रुकने की सलाह दी थी, लेकिन दोनों घर लौटने की जिद पर अड़े रहे।

रात करीब 10 बजे स्कूटी से लौटते समय रायपुर-दुर्ग रोड पर आईटीआई के सामने पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के पहियों के नीचे दोनों के सिर कुचला गए। जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक लेकर ड्राइवर फरार हो गया। घटना की सूचना पर कुछ ही देर में परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। एम्बुलेंस नहीं मिलने पर शव को पुलिस वाहन में ही पीछे रखकर पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया। जिससे गुस्साए परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

परिजन और स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही खुर्सीपार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाइश देकर स्थिति नियंत्रित की।

पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

फिलहाल मामले की जांच जारी है। वहीं, हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बछड़ा-मुर्गियों को खाने के बाद फिर दिखा तेंदुआ

शिवनगर पहाड़ पर घूम रहा, इलाके से कई आवारा कुत्ते भी गायब, घबराए ग्रामीण बोले-खा गया होगा

कांकेर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में तेंदुए की दहशत है। बछड़ा और मुर्गियों को खाने के बाद 5 दिन में तीसरी बार दिखा है। रात में 2 मुर्गियों का शिकार करने बाद सुबह पहाड़ पर घूमता नजर आया। तेंदुए की मौजूदगी से इलाके के लोग घबराए हुए हैं। 1 जुलाई को तेंदुआ कांकेर के इमलीपारा क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक बछड़े का शिकार किया था। वहीं, पास के कोडेजूंगा गांव में 2 जुलाई को कई आवारा कुत्ते अचानक गायब हो गए। गांववालों को शक है कि तेंदुए ने ही उन्हें शिकार बनाया है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के कुछ लोगों ने तेंदुए का एक वीडियो भी बनाया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पिछले कुछ महीनों में कांकेर और उसके आस-पास तेंदुओं की आवाजाही बढ़ गई है। लोग जंगल जाने और रात में घर से निकलने में घबरा रहे हैं। डीएफओ रौनक गोयल ने बताया कि तेंदुए पर लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक तीन बार तेंदुए के पहुंचने की सूचना हमें मिली है। बाजू में तेंदुआ संरक्षित पहाड़ होने की वजह से सुबह तेंदुआ देखा गया। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। जरूरत पड़ने पर तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

कांकेर के दुधावा क्षेत्र में तेंदुओं के हमलों की कई घटनाएं हो चुकी हैं। अब तक 6 लोगों पर हमला हो चुका है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। कुछ समय पहले एक आदमखोर तेंदुए को पकड़ा गया था, जिसने कई ग्रामीणों पर हमला किया था। कभी-कभी तेंदुए घरों में भी घुस जाते हैं, जिससे लोग बहुत डरे हुए हैं।

तेंदुओं की बढ़ती आबादी से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गांव से लेकर शहर तक पहाड़ी और रहवासी इलाकों में तेंदुए दिख रहे हैं। वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड और कोडेजूंगा इन दो इलाकों में तेंदुए की पुष्टि हुई है। कांकेर जिले के शहरी इलाकों में तेंदुए को लेकर दहशत है। ग्रामीणों ने बताया कि 1 जुलाई को जिस इलाके में तेंदुए ने गाय को मारकर खाया था, उसी इलाके से लगे कोडेजूंगा में 2 जुलाई को कुछ आवारा कुत्ते गायब हुए हैं। आंशका है कि तेंदुए ने कुत्तों को शिकार बनाया है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने एक वीडियो बनाया है, जो अब वायरल हो रहा है।

8 लाख का इनामी नक्सली स्नाइपर-डिप्टी कमांडर ढेर

बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में मुठभेड़, आईजी बोले- 18 महीने में 415 हार्डकोर नक्सली मारे गये

बीजापुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें 8 लाख का इनामी डिप्टी कमांडर और स्नाइपर सोढ़ी कन्ना मारा गया। सर्चिंग के दौरान उसका शव और 303 राइफल बरामद हुआ है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि, जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादी कैडर की गतिविधियों की सूचना मिली थी। जिस पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ, कोबरा 202, कोबरा 210 और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को 4 जुलाई से सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुककर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ खत्म होने पर सर्चिंग के दौरान सोढ़ी कन्ना का शव और हथियार बरामद हुआ। आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि, साल 2024 में प्राप्त निर्णायक सफलताओं को आगे बढ़ाते हुए 2025 में भी सुरक्षा बल सघन, रणनीतिक और निरंतर अभियानों में जुटे हैं। पिछले 18 महीनों में अब तक 415 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए। यह सुरक्षा बलों की कुशल योजना और साहसिक कार्रवाई का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि, भारी बारिश और दुर्गम पहाड़ियों के बावजूद डीआरजी, एसटीएफ, कोब्रा, सीआरपीएफ सहित सभी बल मनोयोग से ऑपरेशन चला रहे हैं। यह अभियान माओवादी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका है।

26 जून को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में जवानों ने 2 वर्दीधारी महिला नक्सलियों को मार गिराया था। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

करंट और वज्रपात से हुई मौत

कोडरमा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना चंदवारा थाना क्षेत्र के चिलोडीह गांव की है, जहां 50 वर्षीय मुंशी साव की करंट लगने से मौत हो गई। बताया गया कि वे दोपहर करीब 12 बजे घर से बाहर निकल रहे थे, तभी घर में लगे बिजली के अर्थिंग वायर की चपेट में आ गए। करंट लगने के बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुंशी साव मुंबई में टेंपो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे और 10 दिन पहले ही अपने गांव लौटे थे। इस घटना के बाद गांव और परिवार में शोक का माहौल है। दूसरी घटना परसाबाद थाना क्षेत्र के कटिया गांव में हुई, जहां 65 वर्षीय जागेश्वर महतो रविवार शाम को बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके पुत्र विनोद यादव के अनुसार, वे शाम के समय घर के पास टहल रहे थे।

इसी बीच अचानक बारिश शुरू हो गई और लौटते समय वज्रपात हो गया, जिससे वे और पास में खड़े कुछ मवेशी इसकी चपेट में आ गए। इस घटना में एक गाय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जागेश्वर महतो को गंभीर हालत में सदर अस्पताल कोडरमा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

खड़गे बोले- नीतीश-नायडू की टांगों पर चल रहे मोदी

कहा- हर जगह गरीबों को लूट रहे, कांग्रेस कार्यकर्ता मर-मिटने को तैयार

रायपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में आयोजित 'किसान, जवान और संविधान' जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी दो टांगों से चल रहे हैं। मोदी की एक टांग आंध्र की टीडीपी है और दूसरी बिहार के नीतीश कुमार। इनमें से कोई भी हिली तो मोदी जी गिर जाएंगे।

खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार भय और झूठ फैलाकर देश पर राज कर रही है। ये लोग हर जगह मिलकर गरीबों को लूटने और डराने का काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है, मर-मिटने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में जो जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गईं, उन्हें भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। 67

नई शराब की दुकानें खोल दीं और नकली शराब बेचने का धंधा शुरू कर दिया। ये लोग सिर्फ कारोबार के नाम पर समाज को खोखला कर रहे हैं।

खड़गे ने आरएसएस और भाजपा पर संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघ के एक विचारक ने 'सोशलिज्म' और 'सेक्युलरिज्म' शब्दों को संविधान से हटाने की बात कही है। 1980 में आपने अपने ही संविधान में क्या लिखा था? अब इन्हीं शब्दों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ये शब्द हटाकर तो देखिए, पूरा देश आपके खिलाफ खड़ा हो जाएगा। खड़गे ने कहा कि एक दिन भाजपा खुद अपने कामों पर शर्मिंदा होगी।

खड़गे बोले- खड़गे ने आगे कहा कि जब भी हम सच्चाई बोलते हैं, तो देश में कुछ लोगों को मिर्ची लगती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 16 बार दावा किया कि उन्होंने युद्धविराम कराया, लेकिन मोदी ने एक बार भी उन्हें झूठा नहीं कहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लेकर खड़गे ने कहा कि साय सिर्फ मोदी और शाह के इशारों पर उठते-बैठते हैं, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह सिर्फ साय का नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ का अपमान है।

सरकारी दफ्तर में सिगरेट पीते कर्मचारी का वीडियो वायरल

सीएम हेमंत सोरेन के आदेश पर निलंबित

चाईबासा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कार्यालय में अनुशासनहीनता और नशे की लत का एक मामला झारखंड के चाईबासा समाहरणालय से सामने आया है, जहां एक जन सेवक जगमोहन सोरेन का कार्यालय में सिगरेट पीते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया और मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंचते ही तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने इस घटना को सरकारी सेवा और कार्यालय अनुशासन के खिलाफ गंभीर उल्लंघन मानते हुए चाईबासा डीसी को कार्रवाई के निर्देश दिए। डीसी ने मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार तत्काल जगमोहन सोरेन को निलंबित कर दिया है।

घटना के अनुसार, चाईबासा समाहरणालय में कार्यरत जन सेवक जगमोहन सोरेन कार्यालय समय के दौरान खुलेआम सिगरेट पीते हुए नजर आए। किसी व्यक्ति ने उनका यह कृत्य मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो कुछ ही घंटों में वायरल हो गया और कई मंचों पर इसकी तीखी आलोचना होने लगी। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि संबंधित कर्मचारी सरकारी दस्तावेजों के बीच बैठे सिगरेट का कश लगा रहे हैं, जो कि कार्यालय शिष्टाचार और नियमों का घोर उल्लंघन है। वीडियो वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वयं मामले का संज्ञान लिया। उन्होंने इसे एक अशोभनीय आचरण मानते हुए चाईबासा के जिलाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, चाईबासा डीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के आलोक में वीडियो में प्रदर्शित सरकारी कार्यालय में अशोभनीय कृत्य के लिए जगमोहन सोरेन, जन सेवक को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2016 की कंडिका 9(क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही उप विकास आयुक्त को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश भी दिया गया है।

मोहर्रम पर आग से करतब दिखा रहे थे, 15 झुलसे

6 गंभीर, हजारीबाग में जुलूस के दौरान आग की चपेट में आए कई महिलाएं-बच्चे

हजारीबाग, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग में रविवार रात मोहर्रम जुलूस के दौरान आग की चपेट में आने से 15 लोग झुलस गए। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित तुरांव-पौता गांव में देर रात मोहर्रम के मौके पर आग से करतब दिखाया जा रहा था।

इस दौरान आग की लपटें अचानक बेकाबू हो गईं, जिसकी चपेट में 15 लोग आ गए। घायलों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में डीजल का उपयोग कर आग के करतब किए जा रहे थे। एक करतब के दौरान अचानक लपटें चारों ओर फैल गईं।

इस वजह से पास खड़े दर्शक उसकी चपेट में आ गए। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए झुलसे लोगों को पास के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। इनमें से छह लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर किया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायलों के शरीर का बड़ा हिस्सा जल चुका है, जिससे उनके इलाज में विशेष निगरानी की जरूरत है।

झुलसी महिला खलिमा खातून के भाई इमरान अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम में सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था। न तो कोई अग्निशमन व्यवस्था थी और न ही आपातकालीन राहत के लिए किसी तरह की व्यवस्था की गई थी। उनका कहना है कि आयोजन के दौरान भीड़ भी काफी हो गई थी। हादसे के बाद भीड़ की वजह से भी बचाव कार्य में परेशानी आई।

घटना के बाद मौके पर पहुंची विधायक प्रदीप प्रसाद की संस्था 'संजीवनी सेवा कुटीर' की टीम ने राहत और बचाव कार्य में सहयोग किया। संस्था के कर्मियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस और जिला प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आयोजन स्थल पर अग्निशमन व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपाय नहीं थे। प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

युवक पर धारदार हथियार से हमला

दो लोगों की लड़ाई देख रहा था प्रिंस, गले का नस कटा, बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर

गिरिडीह, 7 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित पिपराधोड़ा गांव में एक युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया। इस घटना में 26 वर्षीय युवक प्रिंस राज गंभीर रूप से घायल हो गया है।

हमले में उसके गले की नस कट गई, जिसके बाद उसे गिरिडीह सदर अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए धनबाद रेफर कर दिया।

घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है। घायल युवक की मां ने बताया कि प्रिंस गांव में दो लोगों के बीच हो रहे झगड़े को चुपचाप खड़ा होकर देख रहा था।

रॉड से मार व्यवसायी की हत्या, सीसीटीवी आया सामने

ब्रेड खरीदने जा रहे थे गुमला के विनोद जाजोदिया, पुरानी रंजिश के हुए शिकार

गुमला, 7 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला में रविवार की शाम हुए हत्याकांड का सीसीटीवी सामने आया है। रांची-गुमला मेन रोड में जाजोदिया स्टोर के मालिक और जाने-माने व्यवसायी विनोद जाजोदिया की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, विनोद जाजोदिया अपनी दुकान के सामने सड़क पार कर ब्रेड खरीदने जा रहे थे।

तभी पीछे से एक युवक ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तत्काल गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें रांची रिम्स रेफर किया गया। लेकिन भरनो के पास ही रास्ते में उनकी मौत हो गई।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे 2023 में हुई एक चोरी को लेकर चले आ रहे पुराने विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है।

घटना के समय वहां कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने अपराधी को रोकने या पुलिस को सूचना देने की हिम्मत नहीं की। यहां तक कि परिजन भी पहले इसे दुर्घटना समझते रहे। बाद में घर के सीसीटीवी फुटेज की जांच में हत्या की पुष्टि हुई और तीन अपराधियों की संलिप्तता सामने आई। सीसीटीवी में स्पष्ट दिख रहा है कि एक युवक वारदात को अंजाम दे रहा था, जबकि दो अन्य रेकी कर रहे थे। घटना के बाद तीनों अपराधी मौके से फरार हो गए। कुछ स्थानीय लोगों ने विनोद को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने बताया कि मामूली विवाद में इस तरह की हत्या होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोपी स्थानीय युवक हैं, जिनकी पहचान कर ली गई है। एक की गिरफ्तारी हो चुकी है। दो की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी। इस घटना के बाद गुमला के व्यवसायियों में भारी आक्रोश है। व्यवसायियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों ने बताया कि रविवार को विनोद के बेटे गोविंद जाजोदिया ने सीएस परीक्षा पास की थी। घर में खुशी का माहौल था, जो शाम होते-होते मातम में बदल गया। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इजरायल ने भारत को दिया छठवीं जेनरेशन हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल का ऑफर

चीनी पीएल-15 का बाप है स्काई स्टिंग

तेल अवीव, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के जिगरी दोस्त इजरायल ने छठी पीढ़ी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल का ऑफर भारत को दिया है। इजरायली रक्षा कंपनी रफायल एडवांस डिफेंस सिस्टम ने भारतीय वायुसेना को अपनी लेटेस्ट स्काई स्टिंग छठवीं जेनरेशन लॉंग रेंज एयर टू एयर मिसाइल की पेशकश की है। यह मिसाइल भारतीय सू-30एमकेआई जैसे प्रमुख लड़ाकू विमानों में लगाया जा सकेगा। इजरायली कंपनी रफायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि यह प्रस्ताव भारतीय वायुसेना की बीवीआर (बियॉन्ड विजुअल रेंज) युद्ध क्षमता को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में एक अहम कदम है। आधुनिक हवाई युद्ध के लिए डिजाइन की गई यह मिसाइल, तकनीकी श्रेष्ठता और रणनीतिक बढ़त प्रदान करने का दावा करती है।

खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया जल्द अमेरिका से लाया जाएगा भारत

कई हमलों का है आरोपी

कैलिफोर्निया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वांछित खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया को जल्द ही अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि फिलहाल अमेरिका की हिरासत में मौजूद हैप्पी पासिया को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जल्द ही भारत लाया जा सकता है। एनआईए ने पांच लाख रुपये का इनाम भी हैप्पी पासिया पर रखा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय एजेंसियों ने पासिया के प्रत्यर्पण के बारे में भारत में संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हैप्पी पासिया को 17 अप्रैल को कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में अमेरिकी आव्रजन एवं कस्टम प्रवर्तन एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी भारतीय एजेंसियों के साथ लंबे समय से चल रहे समन्वय के चलते संभव हुई थी। हैप्पी पासिया पर पंजाब में कई आतंकी हमलों में शामिल होने का आरोप है।

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर एफबीआई और अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने उसे पकड़ा था। वह दो अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से जुड़ा हुआ था और अवैध रूप से अमेरिका में घुसने के लिए बर्नर फोन का इस्तेमाल कर रहा था। पिछले छह महीने में पंजाब में हुए ग्रेनेड हमलों में हैप्पी पासिया का हाथ होने का आरोप है। इसे देखते हुए उसकी गिरफ्तारी को एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

साल 2023 से 2025 के बीच हैप्पी पासिया ने पंजाब और अन्य राज्यों में टारगेट किलिंग, पुलिस ठिकानों पर ग्रेनेड हमले और फिरौती जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। हैप्पी पासिया का नाम सबसे पहले 10 सितंबर, 2024 को चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी में हुए ग्रेनेड हमले में सामने आया था।

पासिया ने अमेरिका से फेसबुक पर पोस्ट डालकर इस हमले की जिम्मेदारी ली थी और बताया था कि यह हमला पाकिस्तान में बैठे हरविंदर सिंह रिंदा के कहने पर किया गया था।

पिछले सात महीनों में पासिया के खिलाफ चंडीगढ़ और पंजाब में बम धमाके से जुड़े कुल 12 मामले दर्ज किए गए हैं।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का मजाक उड़ाया

बोले- वे पूरी तरह पटरी से उतर चुके, बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए

वॉशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है।

ट्रम्प ने कहा, अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं।

मस्क ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा कि आप में से 66% लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी।

उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने X पर पब्लिक पोल भी किया था।

मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर X पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4% लोगों ने हां और 34.6% ने नहीं में वोट दिया।

अमेरिकी संविधान के अनुसार अमेरिका में जन्मा शख्स ही चुनाव लड़ सकता है। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। ऐसे में वे अमेरिका में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मस्क अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे।

नवंबर, 2026 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 और सीनेट की 100 में से 34 सीटों पर चुनाव होंगे। मस्क का प्लान हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की 8-10 व सीनेट की 3-4 सीटें जीतना है, जिससे ट्रम्प के बिलों पर रोक लगाकर वे किंगमेकर की भूमिका में आ सकें।

मस्क ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 2500 करोड़ रु. का चंदा दिया था। लेकिन फिर मस्क डीओजीई संस्था से अलग हुए और अब ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के विरोध में उतरे हुए हैं।

अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई।

फुटबॉल और सांबा के देश ब्राजील में घूसखोरी का जुगाड़

यहां कार्निवल में शामिल होते हैं 1 करोड़ लोग, किस करने के भी 3 तरीके

ब्रासीलिया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला कही जाने वालीं मशहूर फ्रेंच एक्ट्रेस ब्रिजेट बार्डो ब्राजील पहुंचीं। चूंकि वह फ्रांस से थीं, इसलिए उन्हें खुश करने के लिए होटल के मैनेजर ने उनके देश से ही एक खास डिश मंगवाई, लेकिन यह एयरपोर्ट के कस्टम में फंस गई।

उस समय ब्राजील के कस्टम नियम बहुत सख्त थे। खाने-पीने के सामान के इम्पोर्ट पर कड़ी पाबंदी थी। सामान छुड़ाने के लिए कागजी कार्रवाई होती थी, जिसमें वक्त लगता था। ऐसे में खाना खराब होने का खतरा था। इसके लिए होटल के मैनेजर ने दूसरा रास्ता अपनाया।

मैनेजर ने कस्टम अफसरों से दोस्ती की, उन्हें सिगार और शराब के तोहफे दिए, जिसके बाद वह खाना कस्टम से छूट पाया। यह किस्सा उस दौर में इतना मशहूर हुआ कि मीडिया ने इसे 'जेइटिन्हो ब्रिजेट बार्डो' कहा। इसी ब्राजील में फिलहाल ब्रिक्स की 17वीं समिट हो रही है। फुटबॉल, सांबा और कार्निवल के लिए मशहूर ब्राजील में जेइटिन्हो (ब्राजीली जुगाड़), बेजियो (किस) जैसे रिवाज भी काफी प्रचलित हैं। स्टोरी में हम इन सभी के बारे में जानेंगे। देखा जाए तो 'जेइटिन्हो ब्रासीलीरो' एक तरह से रिश्वत का दूसरा तरीका है। दुनियाभर के देशों में घूसघोरी को लेकर कानून हैं और इसके लिए जेल की भी सजा है। ब्राजील में भी रिश्वत एक अपराध है, लेकिन जेइटिन्हो को यहां अनैतिक नहीं माना जाता।

ब्राजील में अगर किसी का काम फंसा हुआ हो तो उनसे कहा जाता है- 'जेइटिन्हो ब्रासीलीरो' यानी ब्राजीली जुगाड़ निकालो। जेइटिन्हो ब्रासीलीरो में मुश्किलों को हल करने के लिए हर मुमकिन तरीका आजमाया जाता है। ब्राजील में जेइटिन्हो का चलन उपनिवेशी दौर (16वीं सदी) में शुरू हुआ। पुर्तगालियों ने ब्राजील पर कब्जा करने के बाद वहां अपने नियम-कायदे लागू कर दिए। ये कानून यूरोप से अपनाए गए थे और ब्राजील के लोगों के लिए मुश्किल बन रहे थे।

ऐसे में लोगों ने अधिकारियों से बेहतर रिश्ते बनाकर, छोटी-मोटी घूस से काम निकालने का हुनर विकसित कर लिया। 20वीं सदी में यह कल्चर इतना मजबूत हो गया था कि हर सरकारी या गैर-सरकारी प्रक्रिया में लोग नियमों के लूपहोल खोजने लगे। नब्बे के दशक में लिविया बारबोसा ने अपनी किताब 'ओ जेइटिन्हो ब्रासीलीरो' में इसके बारे में विस्तार से बताया। इसे ऐसे समझिए कि ब्राजील में एक मशहूर रेस्टोरेंट में आपको टेबल बुकिंग करनी है, लेकिन यह कई दिन पहले ही फुल हो चुकी है। ऐसे में आप रेस्टोरेंट के मैनेजर के दोस्त के जरिए संपर्क करते हैं और मैनेजर के लिए एक खास इम्पोर्टेड वाइन गिफ्ट के तौर पर भिजवाते हैं। इस तोहफे के बाद मैनेजर ने 'बीच का रास्ता' तलाशा और एक वीआईपी कस्टमर की बुकिंग कैंसिल कर दी, जिससे ग्राहक को जगह मिल गई। यह जेइटिन्हो है।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से 82 मौतें

कैंप में फंसी 27 लड़कियों की भी मौत, 41अब भी लापता, 3 दिन पहले 15 इंच बारिश हुई थी

वॉशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 4 जुलाई को ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 82 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। कैंप में मौजूद 27 लड़कियों की भी मौत हो गई, हालांकि 750 लड़कियों को बचा लिया गया।

टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स से अभी लोगों की तलाश जारी है। वहीं, ट्रम्प 11 जुलाई को टेक्सास का दौरा कर सकते हैं। पीएम मोदी ने 5 जुलाई को बाढ़ में मारे गए बच्चों की मौत पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की।

रविवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में अपने संबोधन के दौरान पोप लियो XIV ने अमेरिका के टेक्सास में ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने खासकर समर कैंप में गई लड़कियों के परिवारों के लिए प्रार्थना की।

पोप ने अंग्रेजी में कहा, मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोया। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को टेक्सास का दौरा कर सकते हैं। ट्रम्प ने कहा- हम वहां लगातार मौजूद रहेंगे। हम टेक्सास के नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक भयानक घटना थी। हम उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्होंने इतना कुछ सहा है।

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया था, जिससे सड़कें डूब गईं थीं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया।

इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई थी।

ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ मुकदमा शुरू

कॉलेजों में फलस्तीन समर्थकों को बनाया गया निशाना

वॉशिंगटन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन की एक और कार्रवाई कानूनी मामले में फंस गई है। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने कॉलेज कैंपसेस में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिसके खिलाफ संघीय अदालत में मामला दायर किया, जिस पर संघीय अदालत ने सोमवार को सुनवाई शुरू की। यह मुकदमा कई विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर किया गया।

वादियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन और प्रशासन प्रक्रिया कानून का उल्लंघन करती है। मुकदमा दायर करने वाले विश्वविद्यालयों का कहना है कि सरकार की कार्रवाई से छात्र और शिक्षक डरे हुए हैं। छात्र और शिक्षक अब राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों से दूरी बना रहे हैं। साथ ही फलस्तीन समर्थक समूहों से भी दूर हो रहे हैं। अब छात्र कक्षाओं में भी आत्म संयम बरत रहे हैं और इस मुद्दे पर कोई बात नहीं करते।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका का अप्रवासन विभाग विभिन्न अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि फलस्तीन समर्थन के तहत कुछ छात्र हमास का समर्थन कर रहे हैं। मुकदमे में मोहम्मद खलील का भी जिक्र है, जिसे अप्रवासन विभाग ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर हिरासत में ले लिया था। मोहम्मद खलील को 104 दिनों तक हिरासत में रखने के बाद बीते महीने ही रिहा किया गया है।

मुकदमे में ट्फ्ट्स यूनिवर्सिटी की छात्रा रुमेया ओजतुर्क का भी जिक्र है, जिसे लुइसियाना के अप्रवासन विभाग के हिरासत केंद्र से मई में रिहा किया गया। रुमेया ने करीब छह हफ्ते हिरासत केंद्र में बिताए। उसे बोस्टन उपनगर में उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब वह सड़क पर टहल रही थी। रुमेया का दावा है कि उसने बीते साल गाजा में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए एक सह-लेख लिखा था।

पुतिन को फोन करेंगे जिनपिंग और होगा डबल अटैक

नाटो चीफ की तीसरे विश्वयुद्ध पर बड़ी भविष्यवाणी, बताया कैसे होगी शुरुआत

हेग, 7 जुलाई (एजेंसियां)। नाटो के चीफ मार्क रुटे ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका जताते हुए दुनिया को चेताया है। रुटे ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ आक्रमण शुरू करना तीसरे विश्व युद्ध की वजह बन सकता है। चीनी सेना ताइवान पर कब्जे की कोशिश शुरू करेगी और साथ ही रूस नाटो देशों के क्षेत्र पर हमला करेगा। उन्होंने कहा कि ये दुनिया के लिए भारी तबाही का सबब बनेगा क्योंकि इस दौरान परमाणु हथियारों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

मार्क रुटे ने कहा, 'चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताइवान पर आक्रमण करने के साथ ही रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन को नाटो देशों पर हमला करने का काम सौंपेंगे ताकि उन्हें प्रशांत क्षेत्र से बाहर रखा जा सके। ऐसे में पश्चिमी देशों के लिए यह जरूरी है कि वह चीन की आक्रामकता रोकने के लिए अपनी सेना को मजबूत करें। वहीं नाटो देश अपनी ताकत बढ़ाकर रूस को यूरोप पर आक्रमण करने से रोकें।

मार्क रुटे ने द न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, 'शी जिनपिंग ताइवान पर हमला करने से पहले व्लादिमीर पुतिन को फोन करेंगे। वह पुतिन से कहेंगे कि मैं यह करने जा रहा हूं। ऐसे में आपको नाटो क्षेत्र पर हमला करके अमेरिका और नाटो को यूरोप में व्यस्त रखने की आवश्यकता है। रुटे ने कहा कि पश्चिम का ध्यान भटकाने के लिए बीजिंग मॉस्को का उपयोग करेगा।

रुटे का चीन, रूस और तीसरे विश्व युद्ध पर यह दावा इसलिए भी डर पैदा करता है क्योंकि अमेरिकी और ताइवानी अधिकारियों ने चीन के 2027 में ताइवान पर हमला करने का दावा किया है, ताकि उसे अपना हिस्सा बनाया जा सके। चीनी सेना ने ताइवान के आसपास कई अभ्यास किए हैं। चीनी नेताओं ने भी बार-बार ताइवान को अपने साथ मिलाने की बात कही है।

रुटे ने कहा, 'हम जानते हैं कि चीन की नजर ताइवान पर है। इस पूरे भूराजनीतिक ढांचे को देखते हुए सिर्फ दो प्रतिशत रक्षा बजट के पुराने ढांचे पर पर नहीं टिके रह सकते हैं।

चीन पर राफेल के खिलाफ झूठा कैंपेन चलाने का आरोप

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एआई फुटेज इस्तेमाल किया, चीन बोला- दावा गलत

पेरिस, 7 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांसीसी मिलिट्री और सीक्रेट अधिकारियों ने रविवार को दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान संघर्ष में राफेल की क्षमता पर सवाल खड़ा करने के लिए चीन ने अपने दूतावासों का इस्तेमाल किया था।

फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के विदेशी दूतावासों में मिलिट्री डिप्लोमैट्स ने राफेल की बिक्री को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि चीन के दूतावासों ने उन देशों को प्रभावित करने की कोशिश की, जिन्होंने पहले से राफेल खरीदे हैं, जिसमें इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय ने इन आरोपों को अफवाह करार देते हुए खारिज कर दिया। चीन ने कहा कि हम मिलिट्री एक्सपोर्ट में जिम्मेदार रवैया अपनाते हैं। मई में भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले संघर्ष में दोनों देशों के कई विमानों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान भारत ने फ्रांस निर्मित राफेल फाइटर प्लेन का इस्तेमाल किया था। फ्रांस का दावा है कि पाकिस्तान और उसके सहयोगी चीन ने राफेल की इमेज खराब करने के लिए सोशल मीडिया पर झूठी खबरें, हेरफेर की गई फोटोज, एआई-जनरेटेड कंटेंट और वीडियो गेम के फुटेज का इस्तेमाल किया था।

रूस को अंटार्कटिका में हाथ लगा काले सोने का महाभंडार

सऊदी अरब से दोगुना बड़े तेल रिजर्व की खोज, शुरू होगी एक नई जंग

मॉस्को, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अंटार्कटिका की जमी हुई बर्फ के नीचे रूसी वैज्ञानिकों ने तेल के विशाल भंडार की खोज करने का दावा किया है। रूसी वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वेडेल सागर के नीचे 511 अरब बैरल तेल का विशाल भंडार छिपा है। इस 'काले सोने के खजाने' की खोज ने अंटार्कटिक संधि और भविष्य में एनर्जी के लिए प्रतिस्पर्धा को लेकर नए सवाल और अंदेशे पैदा किए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि रूस की इस खोज से क्षेत्र की भूराजनीति में नई हलचल हो सकती है। दुनिया की बड़ी ताकतों में यहां जोर आजमाइश देखने को मिल सकती है।

न्यूजवीक के अनुसार, रूसी शोधकर्ताओं ने बताया है कि अंटार्कटिका की जमी हुई सतह के नीचे करीब 511 अरब बैरल तेल है। यह दुनिया के सबसे बड़े ज्ञात मौजूदा भंडारों से भी ज्यादा है। यह उत्तरी सागर के पिछले 50 वर्षों के उत्पादन से दस गुना ज्यादा और सऊदी अरब के ज्ञात तेल भंडार से दोगुना अधिक है। यह खोज हाल के वर्षों में रूसी वैज्ञानिक अभियानों के दौरान सामने आई है।

तेल का यह विशाल भंडार वेडेल सागर में स्थित है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर यूके अंटार्कटिका में अपने क्षेत्रीय हित के हिस्से के रूप में दावा करता है। यह क्षेत्र अंटार्कटिका के 'ब्रिटिश भाग' के भीतर स्थित है, जिस पर अर्जेंटीना और चिली के भी अपने क्षेत्रीय दावे हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में एक भूराजनीतिक उलझन लंबे समय से रही है। अब रूस की बढ़ती उपस्थिति और तेल के विशाल भंडार की खोज ने इसे और ज्यादा बढ़ा दिया है।

इस पूरी उलझन में इस बहस का केंद्र 1959 की अंटार्कटिक संधि बन रही है। ये संधि इस महाद्वीप को शांतिपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए नामित करती है और सैन्य गतिविधि या संसाधनों के दोहन को रोकती है। अमेरिका और यूके सहित कई देशों ने इस संधि को अंटार्कटिका को 'आर्थिक लूट' से बचाने तैयार किया था। रूस की हालिया दखल को कई विशेषज्ञ संधि का उल्लंघन और रिसर्च के नाम पर क्षेत्र के दोहन की तरह देख रहे हैं।

अंटार्कटिका में रूस का तेल की खोज का दावा ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन युद्ध की वजह से मॉस्के के पश्चिमी देशों के साथ संबंध खराब दौर में हैं।

पाकिस्तान के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं आर्मी चीफ असीम मुनीर

जरदारी का हो सकता है तख्तापलट, संविधान में बदलाव की तैयारी

इस्लामाबाद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक बार फिर बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिल सकती है। इसकी वजह राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर की पर्दे के पीछे चल रही कथित रस्साकशी है। दावा किया जा रहा है कि असीम मुनीर ने आसिफ जरदारी को राष्ट्रपति पद से हटाने की तैयारी कर ली है। असीम मुनीर जल्दी ही जरदारी का तख्तापलट करते हुए खुद राष्ट्रपति का पद संभाल सकते हैं। इतना ही नहीं असीम अपनी ताकत बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के संविधान में भी बदलाव की तैयारी में हैं।

पाक प्रेसीडेंट आसिफ जरदारी के बेटे बिलावल भुट्टो ने हाल ही में असीम मुनीर की सार्वजनिक आलोचना की है। इसने पाकिस्तानी सियासत में नई अटकलों को जन्म दिया है। माना जा रहा है कि पर्दे के पीछे से पाक सेना आसिफ जरदारी के खिलाफ चालें चल रही हैं।

इसीलिए बिलावल का डर और गुस्सा असीम मुनीर के लिए सामने आया है। असीम मुनीर इस समय पाकिस्तान के सबसे ताकतवर शख्स हैं। वह अपनी ताकत को और ज्यादा बढ़ाने के लिए यह कदम उठा सकते हैं। ये सवाल भी उठा है कि मुनीर सिर्फ जरदारी तक रुकेंगे या शहबाज शरीफ को भी पीएम पद से हाटते हुए पूरी तरह सत्ता अपने साथ में लेंगे। पाकिस्तान में सैन्य प्रमुख पहले भी सरकारों का तख्तालपट करते रहे हैं। ऐसे में मुनीर भी इस तरफ बढ़ सकते हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार सैयद ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि असीम मुनीर जरदारी की जगह लेने के लिए चालें चल रहे हैं। अब सवाल ये है कि जरदारी स्वेच्छा से पद छोड़ेंगे या उन्हें जबरन हटाया जाएगा।

इस सबमें शरीफ परिवार की चिंता यह है कि मुनीर खुद को सिर्फ अगला राष्ट्रपति बनाएंगे या सत्ता का व्यापक हस्तांतरण होगा, जिसमें शहबाज की कुर्सी भी जाएगी।

पाकिस्तान में जरदारी को हटाए जाने की चर्चा से राजनीतिक परिदृश्य में भी हलचल है।

संजीवनी घोटाले में पीड़ितों के साथ असली धोखा तो गहलोत ने किया

ये क्या बोल गए पूर्व सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी रहे लोकेश शर्मा लगातार गहलोत को कटघरे में खड़े करते रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार के समय फोन टैपिंग मामले में अकेले पड़ने के बाद से लोकेश लगातार अशोक गहलोत पर आरोप लगाते रहे हैं। अब संजीवनी घोटाले के मामले में भी लोकेश शर्मा ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकेश शर्मा ने कहा कि संजीवनी घोटाले में पीड़ितों के साथ असली धोखा तो अशोक गहलोत ने किया है। लोकेश ने यह आरोप अशोक गहलोत का बयान आने के बाद लगाया है।

गहलोत की नीयत तो साफ थी ही नहीं - लोकेश

जयपुर में मीडिया से रूबरू होते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि 'भाजपा सरकार की तरह हमारी भी नीयत खराब होती तो 2 महीने में रिपोर्ट तैयार कर देते और कई लोग उस वक्त जेल में होते'।

इस बयान को कोट करते हुए लोकेश शर्मा ने कहा कि गहलोत के इस बयान से स्पष्ट है कि उनकी नियत तो कभी साफ थी ही नहीं। अगर नियत साफ होती तो दो महीने में संजीवनी घोटाले की जांच पूरी कराते और पीड़ितों को न्याय दिलाते। जानबूझकर इस मामले को लंबित रखा गया ताकि पीड़ितों को न्याय नहीं मिले और गुनहगारों को सजा नहीं मिले।

सिर्फ वीडियो बनाकर झांसा देते रहे

लोकेश शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय संजीवनी घोटाले के पीड़ित सैकड़ों लोगों को बार बार मुख्यमंत्री कार्यालय बुलाया जाता रहा। उन पीड़ित लोगों के वीडियो शूट करके जारी किए जाते थे। सिलसिलेवार वीडियो जारी करके उल्टे सीधे बयान दिलाए गए ताकि व्यक्तिगत आक्षेप लगाते जा सकें। बार बार केवल वीडियो जारी करके उन्हें यह झांसा दिया जाता था कि सरकार उनके साथ है जबकि हकीकत में सरकार उनके साथ खड़ी होती तो मामले को दो साल तक लंबित नहीं रहता और पीड़ितों को न्याय मिल जाता। लोकेश शर्मा ने पूछा कि गहलोत जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने इस मामले की रिपोर्ट क्यों नहीं बनवाई और दोषियों को जेल क्यों नहीं भेजा। पीड़ितों को न्याय दिलाने का ढोल पीटना ही उनके साथ असली धोखा है।

कुर्सी भी गई और माफी भी मांग रहे

लोकेश शर्मा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बयान जारी करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तो केवल कुर्सी का मोह था। उन दिनों वे एक बात बार बार बोलते थे कि कुर्सी उन्हें छोड़ नहीं रही। अब उनकी कुर्सी भी गई और केंद्रीय मंत्री पर लगाए गए झूठे आरोपों के लिए अब वे माफी भी मांग रहे हैं। लोकेश शर्मा ने कहा कि संजीवनी घोटाले में पीड़ितों लोगों के बार बार वीडियो बनाकर जारी करने में समय गंवाया गया लेकिन उन्हें न्याय दिलाने के प्रयास नहीं किए गए।

अगर शेखावत का नाम किसी जांच में है तो बताएं

वरना माफी मांगें; जोगाराम पटेल का गहलोत पर तीखा वार

जोधपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर प्रवास पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने सर्किट हाउस में आमजन से मुलाकात के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की कार्रवाई चल रही है। मैं कहना चाहता हूं कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है और हमारे यहां मुख्यमंत्री का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि अशोक गहलोत के पास कोई तथाकथित सूत्र हो सकता है, लेकिन भाजपा में मुख्यमंत्री पांच साल के लिए होता है। अब गहलोत को खुद विचार करना चाहिए कि उनकी बात को न तो उनकी पार्टी और न ही उनकी कांग्रेस के नेता गंभीरता से लेते हैं।

पटेल ने कहा कि गहलोत यह कह रहे हैं कि उन्होंने गजेंद्रसिंह शेखावत से समझौते की बात की थी, जिसका जवाब स्वयं शेखावत ने दे दिया है। शेखावत के मन में अपनी माताजी पर लगे आरोपों को लेकर स्वाभाविक पीड़ा है, जिसे वे कभी भूल नहीं सकते।

उन्होंने कहा कि गहलोतजी को यह समझना चाहिए कि समय के साथ लोग पीछे छूट जाते हैं और नए लोगों को आशीर्वाद देना चाहिए। कोई मुख्यमंत्री हटाया नहीं जा रहा। कुछ लोग जिनकी राजनीतिक जमीन खिसक चुकी है, वे ऐसे बेबुनियाद बयान देकर खुद को प्रासंगिक बनाए रखना चाहते हैं।

संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव घोटाले में अगर गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम किसी दस्तावेज में है तो अशोक गहलोत उसे सार्वजनिक करें। अगर नहीं है, और फिर भी उन्होंने ऐसे गंभीर आरोप लगाए, तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी के अनुसार जांच एजेंसियों और न्यायालय में पेश किसी भी कागज में न तो गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम है और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य का।

यह सब राजनीतिक द्वेषवश लगाया गया आरोप था। जिन लोगों ने आरोप लगाए थे, आज वे खुद समझौते की बातें कर रहे हैं, लेकिन गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्पष्ट किया है कि समझौते का कोई सवाल ही नहीं है।

पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह महीने में तीन बार राजस्थान आ चुके हैं और हर बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों की खुले दिल से तारीफ की है। जनता का आशीर्वाद भी उनके साथ है और विकास के नाम पर ही सरकार अगले पांच वर्षों तक कार्य करेगी। अमृत काल में राजस्थान को विकसित और समृद्ध राज्य बनाया जाएगा। भाजपा नेताओं पर हनुमान बेनीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए पटेल ने कहा किभाजपा का कोई भी विधायक या पदाधिकारी बिना अधिकार के किसी सरकारी फ्लैट या आवास में नहीं रह रहा। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले उन्हें अपनी गलती देखनी चाहिए।

गुर्जर आंदोलन को लेकर पटेल ने कहा कि यह आंदोलन लंबे समय से लंबित था, जिसे कांग्रेस सरकार ने सिर्फ लटकाया। हमारी सरकार ने समाज के वरिष्ठ सदस्यों के साथ समझौता किया है।

छह महीने में कमेटी बनाकर समाधान की बात की गई थी, कमेटी बन चुकी है और सभी विभागों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मंगवा ली गई है। रिपोर्ट आने के बाद गुर्जर समाज के वरिष्ठजनों से संवाद कर उनके हकों को पूरा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परंपरानुसार गुरुजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया जाएगा और इस संस्कृति का पालन किया जाएगा।

वसुंधरा के तीखे तेवरों का क्या है राज ?

बयानों में रहना मकसद या आलाकमान के लिए कोई संदेश

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे का सियासी भविष्य क्या होगा, इस पर सियासत के बाजार में अपने-अपने कयास हैं लेकिन उनके बयान और तंज की गूंज दिल्ली के गलियारों तक सुनाई देती है। इन दिनों राजे के नाम को लेकर दिल्ली में बहुत सी चर्चाएं चल रही हैं। फिलहाल वे पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और राजस्थान में अपने गृह क्षेत्र झालावाड़ से विधायक भी हैं।

राजनीतिक कार्यक्रम में राजे का बयान उन्हें फिर से सियासी चर्चाओं के केंद्र में ले आया है। राजे ने भूतपूर्व सांसद व केंद्रीय मंत्री सांवरलाल जाट को याद करते हुए लिखा कि मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं, पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे। गौरतलब है कि कई नेता और विधायक पहले वसुंधरा की परिक्रमा करते नजर आते थे, जो कि अब दूरी बना रहे हैं। राजे की यह टिप्पणी नेताओं के व्यवहार में खुद को लेकर आए बदलाव को लेकर निराशा बता रही है।

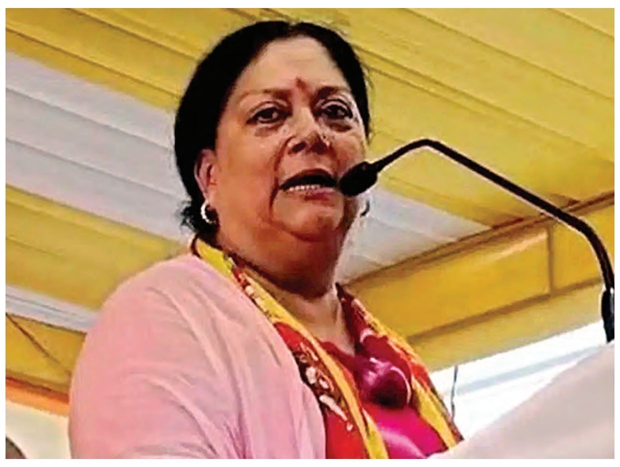

सियासी मकसद-आलाकमान को संदेश

राजस्थान की राजनीति पर गहरी समझ रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार मनीष गोधा का कहना है कि वसुंधरा राजे बीते कुछ समय से अपने बयानों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मोटे तौर पर देखा जाए तो इसके दो अर्थ निकलते हैं। एक तो उन्हें खुद की एक्जिस्टेंस शो करनी है। राजस्थान में अभी वे एक्टिव पॉलिटिक्स में शामिल नहीं हैं। उनके पास केंद्र में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी है लेकिन जिस तरह का राजस्थान की राजनीति का माहौल है, उन्हें गाहे-बगाहे खुद को दिखाना भी है। दूसरा यह है कि अपने बयानों से आलाकमान को कहीं न कहीं संदेश भी देना है कि उनके सियासी तेवरों की धार अभी भी कम नहीं हुई है।

राजे के बयान जो चर्चाओं में रहे...

बीजेपी के जनकसुंदर सिंह भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से उदयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मंच से बोलते हुए राजे ने किसी का नाम लिए बगैर कहा था कि वफा का वो दौर अलग था, आज लोग उसी की अंगुली काटने का प्रयास करते हैं, जिसे पकड़कर वो चलना सीखते हैं।

झालावाड़ में पानी किल्लत के लिए उन्होंने कहा था कि जनता रो रही है और अधिकारी मस्त हो रहे हैं। ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान राजे ने कहा था कि ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंच गए लेकिन इनके पैर हमेशा जमीन पर ही रहते हैं। इसीलिए इनके चाहने वाले भी असंख्य हैं। वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वे खुद को सर्राफ समझ बैठते हैं।

किरोड़ी लाल मीना ने भ्रष्टाचारियों को चेताया

अफसरों को धमकाया तो जीभ काट कर हाथ में दे दूंगा

दौसा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने भ्रष्टाचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कि किसी ने भी अधिकारी और ठेकेदारों को धमकाया तो उसकी जीभ काट कर हाथ में दे दी जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि वे हमेशा किसानों के साथ खड़े रहेंगे और चंबल का पानी जल्द ही रामगढ़ बांध में लाया जाएगा।

डॉ. मीना महुवा के बालाहेडी कस्बे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण का भूमि पूजन करने के बाद लोगो को संबोधित कर रहे थे। विधायक राजेंद्र मीणा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने सामूहिक रूप से भूमि पूजन करने के बाद शिलापट्ट का अनावरण भी किया।

इस मौके पर किरोड़ी मीना ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी ने भी अधिकारी और ठेकेदारों को धमकाया तो उसकी जीभ काट कर हाथ में दे दी जाएगी। किसी की दादागिरी नहीं चलने दी जाएगी। मुझे भ्रष्टाचार मुक्त महुवा चाहिए।

1800 करोड़ की ठगी

कॉलेज छात्रों को बनाया शिकार, सांसद ने डीजीपी और वित्तमंत्री को लिखा पत्र

बांसवाड़ा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर में आदिवासी छात्रों के नाम से करीब 1800 करोड़ साइबर ठगी को अंजाम दिया गया है। इसका खुलासा बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद के उस पत्र से हुआ है जो कि उन्होंने पुलिस डीजीपी राजीव शर्मा व वित्त मंत्री को लिखा है। सांसद राजकुमार रोत के पत्र अनुसार डूंगरपुर जिले में इण्डसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और अन्य बैंकों के कुछ कर्मचारियों ने कॉलेज छात्रों से संपर्क किया। यही नहीं कुछ ने शिविर लगाए। कुछ ने निजी तौर पर उनके यहां खाते खुलवाने की मांग रखी।

छात्रों और उनके परिवारों को लालच दिया गया कि उनके बैंक खाते खोलकर पैन कार्ड, छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और सरकारी नौकरियों के अवसर दिए जाएंगे। ठगों ने इन छात्रों और उनके परिजनों के सभी प्रकार के दस्तावेज भी ले लिए। पर, कभी भी एटीएम या बैंक पास बुक नहीं दी। जब कुछ छात्रों ने एटीएम की मांग को बैंक अधिकारी और कर्मचारियों ने दस्तावेज देने से इंकार कर दिया। बैंक कर्मचारियों ने तकनीकी खामी का बहाना बनाया।

इसके बाद छात्रों ने अपने स्तर पर पता किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ कि उनके खातों में करोड़ों रुपए के लेन-देन किए जा रहे हैं। कुछ छात्रों ने इसकी शिकायत की तो विशेष रूप से पुलिस प्रशासन साइबर धोखाधड़ी करने वालों को पकड़ने के बजाय उल्टा पीड़ित छात्रों और उनके परिवारों को परेशान कर रही है।

सांसद ने कलेक्टर को फटकारा शिविर क्यों आयोजित करवाते हो ?

सेक्रेटरी के भरोसे शिविर को क्यों छोड़ा

जालोर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़ा शिविर में जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम कलेक्टर प्रदीप गवांडे पर भड़क गए। शिविर प्रभारी नहीं मिलने पर उन्होंने कलेक्टर को फोन लगा कर कहा- बिना व्यवस्था शिविर लगाते ही क्यों हो।दरअसल, 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत प्रदेशभर में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी के तहत जालोर के तीखी गांव में भी आज शिविर लगाया गया। सांसद यहां औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। सांसद लुंबाराम चौधरी अपने क्षेत्र के प्रवास पर हैं। सोमवार सुबह 11:30 बजे वे तीखी गांव में चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा में पहुंचे। इस दौरान शिविर प्रभारी रेवेन्यू इंस्पेक्टर (आरआई) रमेश कुमार मौके पर नहीं मिलने से सांसद ने नाराजगी जताई। उन्होंने मौके से ही कलेक्टर गवांडे को फोन लगाया और कहा- 11:30 बज रहे हैं, अभी तक यहां कोई नहीं आया। कैम्प करवाते क्यों हो। सेक्रेटरी (ग्राम सेवक) तो यहां बैठा हुआ है, सेक्रेटरी के भरोसे शिविर को क्यों छोड़ते हो आप।

इसके बाद उन्होंने फटकार लगाते हुए कहा- क्या भेजा हुआ है, मैं यहां खड़ा हूं, अब तक कोई नहीं आया।

78 लाख रुपए, 150 बीघा जमीन और 4 लग्जरी वाहन जब्त

ईडी की डिबॉक इंडस्ट्रीज के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ईडी ने डिबॉक इंडस्ट्रीज और नेचुरो इंडिया बुल लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई में 78 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। ईडी के अनुसार डिबॉक के प्रमोटर मुकेश मनवीर सिंह ने वित्तीय धोखाधड़ी से प्राप्त 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को रियल एस्टेट में निवेश किया था। जांच में 150 बीघा जमीन के कागजात भी जब्त किए हैं।

इस कार्रवाई में नेचुरो इंडिया बुल के प्रमोटर्स गौरव जैन, ज्योति समेत कई लोगों पर एक्शन लिया जा रहा है। ईडी ने शुक्रवार को इस कंपनी के जयपुर सहित टोंक, कोटा आदि जगहों पर स्थित ठिकानों पर छापे मारे थे। ईडी सूत्रों का कहना है कि डिबॉक डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए चाकसू के पास एक रिसॉर्ट बना रही थी। इसके अलावा एक विला परियोजना में भी कंपनी ने भारी निवेश किया है।

डेबॉक समूह के प्रबंध निदेशक मुकेश मनवीर सिंह के वैशाली नगर कार्यालय और निवास से रोल्स रॉयस, बेंटले, लैंड क्रूजर और मर्सिडीज जी वैगन समेत चार लग्जरी वाहन जब्त किए हैं। ईडी ने सेबी की शिकायत के बाद जांच शुरू की है।

डोडा चूरा तस्करी का भंडाफोड़

पिकअप से 1 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

उदयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। शहर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ रुपए से अधिक कीमत का डोडा चूरा जब्त किया है। यह कार्रवाई बीती रात देबारी टी-प्वाइंट पर की गई, जहां नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोकने की कोशिश की। थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के अनुसार चित्तौड़गढ़ की ओर से आती एक पिकअप जैसे ही पुलिस के नाकाबंदी पॉइंट के पास पहुंची, तो ड्राइवर ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया लेकिन आरोपी ड्राइवर और उसका साथी वाहन को सड़क किनारे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर पहाड़ियों की ओर भाग निकले। पुलिस टीम ने जब पिकअप की तलाशी ली तो खलासी की सीट के पास से एक पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वाहन के पिछले हिस्से में रखे गए 68 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 1395 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा पाया गया। बरामद डोडा चूरा की अनुमानित बाजार कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है। पुलिस ने पिकअप वाहन, अवैध मादक पदार्थ और हथियार को जब्त कर लिया है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें जंगलों और आसपास के पहाड़ी इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि यह मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

90 लाख का सोना लूटने वाले 10 बदमाश गिरफ्तार, एक बाल अपचारी भी पकड़ा

वारदात से पहले की गई थी रेकी

कोटा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में 2 जुलाई को कैथूनीपोल थाना क्षेत्र के मोहन टॉकीज रोड पर ज्वैलरी की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी से हुई 900 ग्राम सोने की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया। इस वारदात में शामिल 10 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। मामले में एक महिला की संदिग्ध भूमिका भी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। लूटे गए 900 ग्राम सोने की कीमत लगभग 90 लाख रुपये आंकी गई है।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गईं, जिन्होंने विभिन्न स्थानों से 10 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हरिओम उर्फ नंदू शूटर, हर्षित सोनी, आकाश वैष्णव उर्फ साजन, राजन उर्फ साजन, विष्णु सिंह उर्फ डॉगी, तरुण सिंह उर्फ संदीप, प्रदीप केवट, करण मुलानी, बनवारी लाल और शिवकुमार सोनी शामिल हैं। एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया है। इनमें नंदू शूटर, हर्षित और आकाश पहले से एक-दूसरे को जानते थे।

पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि कुलदीप सोनी नामक ज्वैलरी दुकानदार की दुकान पर एक युवक और युवती पायल खरीदने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने सोने के कड़े और महिलाओं की अंगूठियां भी दिखाने की बात कही, जो कि दूसरी दुकान से लानी थीं। इस पर कर्मचारी महेंद्र आभूषण लेने दूसरी दुकान गया और स्कूटर की डिग्गी में ज्वैलरी रखकर इंदिरा मार्केट से स्वर्ण रजत मार्केट के लिए रवाना हुआ। राधिका पैलेस के पास मोहन टॉकीज रोड पर बाइक सवार बदमाशों ने चाकू की नोक पर स्कूटर लूट लिया और फरार हो गए। स्कूटर की डिग्गी में ही 900 ग्राम सोना रखा था।

पहले से की गई थी रेकी

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने वारदात से पहले पूरी रेकी की थी। हर्षित सोनी पूर्व में इसी ज्वैलरी शॉप पर काम कर चुका था, इसलिए उसे बाजार और दुकान की पूरी जानकारी थी। उसे यह भी पता था कि कर्मचारी महेंद्र रोजाना आभूषण एक दुकान से दूसरी दुकान ले जाता है। इसी जानकारी के आधार पर हरिओम उर्फ नंदू शूटर और आकाश वैष्णव के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई और अन्य साथियों को भी इस वारदात में शामिल कर लिया।

दौसा जिले में तूफानी बारिश

कच्चे मकान ढहने से दो की मौत, 100 से ज्यादा पेड़-बिजली के पोल धराशायी

दौसा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर सहित राजस्थान के कई जिलों में सुबह से ही बारिश का दौर जारी है। कहीं तेज गर्जना के साथ हल्की तो कहीं झमाझम बारिश हो रही है। बता दें कि मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 24 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। वहीं, प्रदेश के दौसा जिले में देर रात हुई तूफानी बारिश के काफी नुकसान हुआ है। तूफानी बारिश के चलते कच्चे मकान ढहने से एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 100 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल धराशायी हो गए।

दौसा जिले में रात 1 बजे बाद तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई। जिलेभर में करीब 2 घंटे तक तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा। जिसके चलते जगह-जगह पेड़ धराशाही हो गए। वहीं, अधंड़ में छप्परपोश भी उड़ गए। सैकड़ों बिजली के पोल गिरने से कई जगह बिजली गुल हो गई।

राज्यपाल ने काकतीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज वारंगल और हनमकोंडा जिलों का दौरा किया और काकतीय विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित 23वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने स्नातक छात्रों और पदक विजेताओं को बधाई दी और दीक्षांत समारोह को जिम्मेदारी की दुनिया में एक निर्णायक बदलाव बताया। उन्होंने कहा, आप केवल डिग्री ही नहीं प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि राष्ट्र का विश्वास भी प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने 2023 में इसकी ए+एनएएसी मान्यता और 2024 के लिए 151-200 ब्रैकेट में इसकी एनआईआरएफ रैंकिंग का उल्लेख किया। कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने राष्ट्रीय स्तर पर 84वां स्थान प्राप्त किया और विश्वविद्यालय ने यूआई ग्रीन मेट्रिक रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया, जो तेलंगाना में शीर्ष पर रहा। बाद में, राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन प्रयासों में प्रगति का जायजा लेने के लिए आईडीओसी, हनमकोंडा में वारंगल और हनमकोंडा के जिला कलेक्टरों के साथ एक संवादात्मक बैठक की। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभागों के सहयोगात्मक कार्य की सराहना की और टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता, शीघ्र निदान और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हनमकोंडा और वारंगल की भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखाओं से टीबी के खिलाफ लड़ाई में संबंधित जिला प्रशासन के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का भी आग्रह किया। राज्यपाल ने 10 टीबी रोगियों को एक वर्ष के लिए मासिक भोजन की टोकरी प्रदान करने के लिए 60,000 का दान देने के लिए इंगला चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी श्री इंगला वेंकट राम रेड्डी की सराहना की। उनके साथ जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा और श्रीमती स्नेहा शबरीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

प्रशांत रेड्डी ने की किसानों के साथ क्रूर व्यवहार के लिए सिंचाई मंत्री उत्तम की आलोचना

कन्नेपल्ली पंपों को तत्काल चालू करने की मांग की

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने तेलंगाना की सिंचाई जरूरतों को पूरा करने में लापरवाही बरतने के लिए सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने कन्नेपल्ली पंपों को चालू करने की मांग की थी, लेकिन मंत्री राजनीति में लिप्त थे और मेडिगड्डा बैराज में डूबे हुए खंभों का बहाना बना रहे थे। उत्तम कुमार रेड्डी के बयानों का विरोध करते हुए, बीआरएस नेता ने बताया कि कन्नेपल्ली पंप हाउस में पानी का स्तर 96 मीटर पर था, जो कि न्यूनतम ड्रॉ डाउन लेवल (एमडीडीएल) 93.5 मीटर से ऊपर था। हालांकि, उन्होंने कहा कि मोटरें बंद रहीं और गोदावरी नदी पर जलाशयों और विभिन्न अन्य जल निकायों को भरे बिना पानी को नीचे की ओर छोड़ा जा रहा था। प्रशांत रेड्डी ने किसानों को पानी की आपूर्ति में देरी के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि किसान सिंचाई के पानी का इंतजार कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस सरकार राजनीतिक कीचड़ उछालने में लिप्त है।

उन्होंने कहा, आपकी सरकार पानी छोड़ने के बजाय प्रेस नोट जारी कर रही है। आपने अपने 19 महीने के शासन के दौरान एक भी चेक डैम नहीं बनाया, एक भी टैंक की सफाई नहीं की, या एक भी अतिरिक्त एकड़ की सिंचाई नहीं की। उन्होंने पिछले साल तेलंगाना में 283 लाख टन धान की रिकॉर्ड पैदावार के लिए बीआरएस सरकार और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को श्रेय दिया और कांग्रेस पर बीआरएस की उपलब्धियों को हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कन्नेपल्ली और कलवाकुर्ती में मोटरों को तुरंत चालू करने की मांग की और चेतावनी दी कि लगातार निष्क्रियता से कृत्रिम सूखा पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, गहरी नींद से जागो। मोटरें चालू करो या किसानों के गुस्से का सामना करने के लिए तैयार रहो।

श्रीशैलम बांध में सुरक्षा संबंधी समस्याएं आ रही हैं सामने

प्लंज पूल की मरम्मत में देरी हो रही है

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम परियोजना में अनसुलझे प्लंज पूल मुद्दों और हाल ही में रिपोर्ट किए गए गेट लीक के कारण लगातार सुरक्षा चिंताओं ने दोनों तेलुगु राज्यों के परियोजना अधिकारियों और सिंचाई विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ा दी है। मई में राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) द्वारा मानसून से पहले प्लंज पूल के संरचनात्मक खतरों को दूर करने के लिए तत्काल निर्देश दिए जाने के बावजूद, प्रगति निराशाजनक है। उच्च जल प्रवाह और प्रक्रियागत देरी मरम्मत के प्रयासों को जटिल बना रही है। बांध के नीचे की ओर स्थित महत्वपूर्ण गड्ढा, प्लंज पूल, 2009 की विनाशकारी बाढ़ के बाद से कटाव कर रहा है, जिससे एक विशाल गड्ढा बन गया है, जो बांध की नींव के लिए खतरा बन गया है।

एनडीएसए के मई 2025 के निरीक्षण में मूल तल स्तर से 5 मीटर नीचे गहरे स्कोर जोन का पता चला, खास तौर पर स्पिलवे ब्लॉक 9 से 13 के बीच और सुरक्षात्मक स्टील सिलेंडर को गंभीर नुकसान पहुंचा। यह चाहता था कि भूभौतिकीय सर्वेक्षण और सिलेंडर बहाली सहित तत्काल अल्पकालिक उपाय 31 मई तक पूरे हो जाएं, लेकिन 6 जुलाई तक ये कार्य अधूरे रह गए। सी लायन ऑफशोर डाइविंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 26 जून को किए गए पानी के नीचे के सर्वेक्षण में गंभीर कटाव और रिक्तियों के स्थानों का दस्तावेजीकरण किया गया। अंतिम रिपोर्ट 15 जुलाई तक आनी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने 7 जून को विश्व बैंक के वित्तपोषण के साथ तत्काल मरम्मत के आदेश दिए, लेकिन कोई स्पष्ट समय-सीमा सामने नहीं आई, जिससे प्रशासनिक देरी के लिए आलोचना हो रही है।

संकट को और बढ़ाते हुए 5 जुलाई को बांध के 12 रेडियल क्रेस्ट गेट में से तीन से रिसाव की सूचना मिली, जिसमें गेट नंबर 10 में गंभीर रिसाव हुआ। लेकिन अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर रिसाव और प्लंज पूल के संरचनात्मक मुद्दों के बीच किसी भी संभावित संबंध से इनकार किया। बांध में 1,34,790 क्यूसेक पानी का भारी प्रवाह हो रहा है। परियोजना द्वारा 67,399 क्यूसेक पानी का बहिर्वाह बनाए रखा जा रहा है और इसका वर्तमान भंडारण 180.67 टीएमसी है, जो इसकी 215.81 टीएमसी क्षमता के करीब है। तुंगभद्रा और जुराला परियोजनाओं से ऊपर की ओर आई बाढ़ के कारण बढ़े जल स्तर के कारण मरम्मत कार्य जटिल हो रहे हैं, क्योंकि मानसून की स्थिति के कारण साइट पर काम करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

तेलंगाना के अधिकारियों ने पहले ही विनाशकारी प्रभावों की चेतावनी दी है, जिसमें नागार्जुन सागर और पुलीचिंतला बांधों और विजयवाड़ा के लिए खतरा भी शामिल है, यदि प्लंज पूल के मुद्दों के कारण बांध टूट जाता है। 2012 तक, 46.65 मीटर गहरा, 400 मीटर चौड़ा और 270 मीटर लंबा एक शून्य निर्मित हो गया था, जिसका किनारा खतरनाक रूप से स्पिलवे के करीब था। 3 सितंबर 2012 को तत्कालीन जल संसाधन राज्य मंत्री विन्सेंट पाला ने राज्य सभा में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि प्लंज पूल क्षेत्र के पानी के अन्दर निरीक्षण और वीडियोग्राफी से चट्टानों को काटकर बनाये गये गड्ढे, खोह और गड्ढे सामने आये हैं। 2024 में एनडीएसए के निरीक्षण से पता चला कि बांध की गहराई बढ़कर 143 फीट हो गई है, तथा गेट 7 से 10 के पास गहरे क्षरण क्षेत्र के कारण बांध की नींव की ओर पीछे हटने का खतरा है, जिससे विनाशकारी विफलता का खतरा है।

हैदराबाद और बेंगलुरू के बीच वंदे भारत ट्रेन को मिलेंगे अतिरिक्त कोच

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए काचीगुडा-यशवंतपुर-काचीगुडा वंदे भारत एक्सप्रेस अब बढ़ी हुई यात्री क्षमता के साथ चलेगी। एससीआर की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह ट्रेन पहले आठ कोचों और 530 यात्रियों की क्षमता के साथ चल रही थी, लेकिन 10 जुलाई से इसमें 16 कोचों की वृद्धि कर दी गई है, जिससे इसकी यात्री क्षमता 1,128 हो गई है। ट्रेन संख्या 20703/20704 काचेगुडा - यशवंतपुर - काचेगुडा वंदे भारत एक्सप्रेस को शुरू में आठ कोच वाली संरचना के साथ शुरू किया गया था, जिसमें एक एग्जीक्यूटिव क्लास और सात चेयर कार शामिल थे। नियमित सेवाओं की शुरूआत के बाद से, ट्रेन लगातार 100 प्रतिशत से अधिक यात्रियों के साथ चल रही है। इस ट्रेन की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने मौजूदा ट्रेन रेक में आठ अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। नई ट्रेन में 1,024 यात्रियों की क्षमता वाले 14 चेयर कार और 104 यात्रियों की क्षमता वाले दो एक्जीक्यूटिव क्लास कोच होंगे, इस प्रकार कुल 1,128 यात्री बैठ सकेंगे। एससीआर के महाप्रबंधक संदीप माथुर ने कहा कि कोचों की संख्या दोगुनी होने से अब अधिक रेल यात्री आईटी शहरों यानी हैदराबाद और बेंगलुरू के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

वीरलापलेम में 4000 मेगावाट यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन स्थापित कर रहा है टीजीजीईएनसीओ

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीजीईएनसीओ नलगोंडा जिले के दामराचेरिया के वीरलापलेम गांव में 4000 मेगावाट (एसएक्स800 मेगावाट) यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन स्थापित कर रहा है। यूनिट-2 (800 मेगावाट) जनवरी 2025 में चालू हो जाएगी और ऊना-1 (800 मेगावाट) जुलाई 2025 में चालू होने वाली है। शेष तीन यूनिट (3X800 मेगावाट) फरवरी 2026 तक चालू हो जाएंगी। सभी पांच यूनिट के लिए कुल कोयले की आवश्यकता एससीसीएल से लगभग 50,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन (12-14 रेलवे रेक) होगी। टीजीजीईएनसीओ ने 500 करोड़ रुपये की लागत से जनपहाड़ टेक-ऑफ पॉइंट से वाईटीपीएस साइट तक रेलवे लाइन का निर्माण किया है। वर्तमान में, एस सी रेलवे वाईटीपीएस को प्रतिदिन चार (4) रेक की आपूर्ति कर रहा है और दिसंबर 2025 से सभी पांच (5) इकाइयों के लिए लगभग 12-14 रेक की आवश्यकता होगी। उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव के निर्देशानुसार, 7 जुलाई को टीजीजीईएनसीओ के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा एक बैठक आयोजित की गई और टीजीजीईएनसीओ और रेलवे अधिकारियों के साथ वाईटीपीएस की रेलवे साइडिंग के निर्माण कार्यों की स्थिति और 12-14 कोयला रेक की आवाजाही की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने टीजीजीईएनसीओ के सभी संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को दिसंबर 2025 से वाईटीपीएस साइट पर 12-14 कोयला रेक प्राप्त करने के लिए वाईटीपीएस की रेलवे साइडिंग के सभी लंबित कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया है। प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, एस.सी. रेलवे ने सूचित किया है कि रेलवे मौजूदा रेल नेटवर्क के साथ वाईटीपीएस को आवश्यक मात्रा में कोयला पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार है और रेलवे बढ़ते यातायात से निपटने के लिए डोमकल-बीडीसीआर और मोटामरी-विष्णुपुरम के बीच रेलवे लाइनों के दोहरीकरण का काम भी कर रहा है। प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, एस.सी. रेलवे ने टीजीजीईएनसीओ को वाईटीपीएस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोयला आपूर्ति के अन्य वैकल्पिक स्रोतों की जांच करने की भी सलाह दी है क्योंकि एससीसीएल भविष्य की मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं हो सकता है।

घर में फंदे से लटका मिला नाबालिग का शव

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर में एक 13 वर्षीय लड़के ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। सातवीं कक्षा का यह छात्र अपने पिता के साथ आसिफनगर के मुरादनगर में रहता था। 1 जुलाई को स्थानीय निवासी मोहम्मद शब्बीर (26) किसी काम से लड़के के घर गया तो उसने उसे पंखे से लटका हुआ पाया। स्थानीय व्यक्ति ने तुरंत फंदा हटाया और लड़के को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां शनिवार रात इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उन कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है जिनके कारण लड़के ने आत्महत्या की।

'एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम' कल

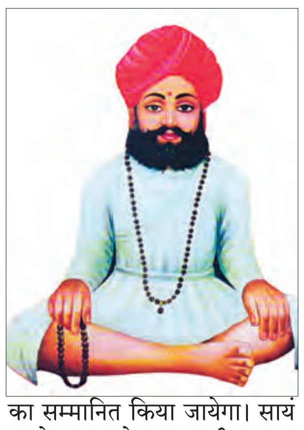

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माली समाज सेवा संस्था, हैदराबाद द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 'एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम' भजन जागरण का आयोजन 9 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे से श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना में किया जायेगा।

उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री चेलाराम परिहार (सुरेश) द्वारा दी गई। गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2025 के अन्तर्गत अपराह्न 3 से 5 बजे तक श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मानित किया जायेगा। सायं 7 से 11 बजे तक सभी समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है। रात्रि 8.30 बजे से आयोजित 'एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम' भजन जागरण कार्यक्रम में राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक सुनील माली एण्ड पार्टी द्वारा प्रस्तुत किए जायेंगे। माली समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष भगवानाराम सुंदेशा, मंत्री भगाराम सुंदेशा, चेलाराम परिहार (सुरेश) एवं कोषाध्यक्ष बाबुलाल सोलंकी ने सभी समाज बन्धुओं को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर प्रसाद एवं सुमधुर भजन लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

बीआरएस सरकार ने मत्स्य विभाग को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया : मंत्री वाकिती श्रीहरि

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री वाकिती श्रीहरि ने आज आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस पार्टी सरकार के दौरान मत्स्य विभाग को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया गया। उन्होंने करीमनगर जिले में मीडिया से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में मत्स्य विभाग में भ्रष्टाचार के कारण मछुआरों को परेशानी उठानी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि वे पहले भी अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं ताकि अतीत के भ्रष्टाचार के दाग को मिटाया जा सके। उन्होंने कहा, हम मत्स्य विभाग को आदर्श बनाएंगे। मुझे जटिल विभाग दिए गए हैं। हम 80-110 मिमी मछली बीज वितरित करेंगे। मछली प्रकृति द्वारा दिया गया खजाना है। जल्द ही, कैबिनेट मछली बीज के वितरण पर निर्णय लेगी। राज्य में तालाब, परियोजनाएं और पोखर हैं जिनमें 87 करोड़ मछली बीज रखे जा सकते हैं। करीमनगर में मछली उत्पादन अच्छा है। करीमनगर को संघर्षों की जन्मभूमि बताते हुए मंत्री ने कहा कि करीमनगर के लोगों की सोच अच्छी है। हम करीमनगर में मछली उत्पादन का और विस्तार करेंगे। हम कोल्ड स्टोरेज स्थापित करेंगे ताकि मछली की कीमतें बढ़ने के बाद हम इसे बेच सकें। हम इसकी शुरूआत करीमनगर से करेंगे। हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। इस साल हम 82 करोड़ मछली बीज जारी करेंगे। यह कहते हुए कि राज्य में मुदिराज निगम और मत्स्य निगम है, उन्होंने कहा कि वे मछली उत्पादन में तेलंगाना को नंबर 1 बनाएंगे और कहा कि वे करीमनगर जिले को सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाएंगे। यह याद दिलाते हुए कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि गरीबों को न केवल शिक्षा क्षेत्र में बल्कि राजनीति में भी अवसर दिए जाने चाहिए, श्रीहरि ने कहा कि राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर को तेलंगाना में जाति जनगणना करने और बीसी बिल पेश करने का अवसर मिला उन्होंने कहा कि पहली बार मुदिराज समुदाय के किसी नेता को तेलंगाना में मत्स्य पालन मंत्री बनाया गया है। उन्होंने राज्य के लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवादल का 147वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना चैम्बर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट हैदराबाद के सहयोग से 147वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में संपन्न हुआ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जिसमें 79 लोगों को चश्मे तथा 9 रोगियों को मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु व्यवस्था की गई। शिविर में साधुराम नेत्र चिकित्सालय के ऑप्टोमेट्रिस्ट अजीत, भगवान, विजयलक्ष्मी, भास्कर, नरसिंह ने सहयोग दिया। शिविर में मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी। जिसमें डॉ. शशिधर, डॉ. पूजिता, नर्सिंग स्टाफ शिवम्मा, आशीष, स्वप्ना श्री, गौतम (2डी इको), मोहन (बीएमडी), विपणन विभाग के सहायक प्रबंधक जगदीश कुमार गौड़ और जयंत ने सहयोग दिया। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ. तेजस्वी नवनीत राज, डॉ.एस. निखिल राज, आकृति जायसवाल, निकिता गोस्वामी, येमुलापति भाग्यश्री ने सेवा प्रदान की। बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज फिजियोथेरेपी की सेवा प्रदान की। एसएनआर डेंटल डॉ. निखिल ने दी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति 1 रोगी को सेवा प्रदान की गई। अवसर पर रेनबो अस्पताल के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी डॉ. भव्या, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका, इको तकनीशियन गणेश स्टाफ नर्स माधवी स्टाफ नर्स लोकन्या, मार्केटिंग मैनेजर इरफान सिद्दीकी ने सहयोग दिया।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, निखिल राणासरिया महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग, पार्षद श्रीमती महालक्ष्मी रमन गौड़, पूर्व पार्षद श्रीमती ममता गुप्ता, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश बिस्वा, रिद्धिश जागीरदार, तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स, हैदराबाद अध्यक्ष डॉ. घीसूलाल जैन, महासचिव संजय कुमार मोदी, कोषाध्यक्ष चौ. आनंद कुमार गौड़, सलाहकार समिति अध्यक्ष मंदा सूर्य प्रकाश, उपाध्यक्ष नवनीत अग्रवाल, संयुक्त सचिव विकास अग्रवाल, एम.सी सदस्य/थोक विंग संयोजक एम. सत्यनारायण, एम.सी. सदस्य/खुदरा विंग अध्यक्ष सुधीर गुप्ता, एम.सी. सदस्य संजय कुमार जैन, मनीष कुमार अग्रवाल, नवीन कुमार जयसवाल स्वयंसेवक सतीश गर्ग, जीतेन्द्र गोयल, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, अरुणा तुलस्यान, सुनैना नरसया, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, प्रदीप अग्रवाल, राजेंदर सुगंधी, विशाल खिरैया, विनय जैन, नवल बंसल, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्यों ने सहयोग दिया। शिविर का 175 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

राजस्थान से पधारे पूर्व मंत्री सुरेन्द्र गोयल (कुमावत) व सतीजी आश्रम कुटिया (देवलीकलाँ, राजस्थान) के मधु साधवीजी का भाग्यनगर में निजि समारोह में स्वागत करते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, मांगीलाल बाकरेचा (खिनावडी), सोहनलाल बाकरेचा (पाली), हनुमानलाल बाकरेचा, रामलाल बाकरेचा (खिनावडी), भंवरलाल मेरोता एवं अन्य उपस्थित रेणवाल एवं बाकरेचा परिवार।

युवा वैज्ञानिक कृषि विकास में योगदान दें : डॉ. हिमांशु पाठक

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) में सोमवार को कृषि अनुसंधान सेवा (एफओसीएआरएस) के लिए 114वें फाउंडेशन कोर्स का उद्घाटन किया गया। यह अकादमी का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के नए भर्ती किए गए परिवीक्षाधीन वैज्ञानिकों को फाउंडेशन ट्रेनिंग दी जाती है। अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी), हैदराबाद के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए युवा वैज्ञानिकों से कहा कि वे कठिनाइयों को अपनी महत्वाकांक्षाओं से आगे न बढ़ने दें। एक टीम के रूप में काम करें। अपने करियर में कई मील के पत्थर हासिल करने के लिए चीजों को अलग तरीके से करें।

उन्होंने नवोदित वैज्ञानिकों को सलाह दी कि वे इस क्षेत्र की मांगों को पूरा करते हुए कृषि विकास में योगदान देकर इस मुकाम तक पहुंचने के लिए जिस रास्ते पर चले हैं, उसे सही साबित करें। आईसीएआर के पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान) डॉ. एचपी सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने समकालीन कृषि के समक्ष आने वाली चुनौतियों जैसे बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने की आवश्यकता, प्राकृतिक संसाधनों की सीमित उपलब्धता, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की आवश्यकता तथा अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से कृषि में लचीलापन लाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

तेज रफ्तार ट्रक ने परिवार को कुचला

एक की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम शहर के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट में एक कंटेनर लॉरी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दो बच्चे घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, श्रीनिवास (48), उनकी पत्नी लक्ष्मी (45) और उनके दो बच्चे रामबाबू (17) और राजेश्वरी (19) इनामगुडा के पास सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार कंटेनर लॉरी ने उन्हें टक्कर मार दी। परिणामस्वरूप, श्रीनिवास को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य तीन सदस्य घायल होने से बच गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जबकि श्रीनिवास के शव को शवगृह में रखवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुलुगु में बीआरएस कैडर पर पुलिस ज्यादती की निंदा

केटीआर ने की सीतक्का के इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को मुलुगु में पूर्व बीआरएस विधायकों पेड्डी सुदर्शन रेड्डी, गंद्रा वेंकटरमण रेड्डी और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस की ज्यादती की निंदा की। उन्होंने मंत्री सीतक्का के इस्तीफे की मांग की, जिनके अनुयायियों ने कथित तौर पर आदिवासी युवक चुक्का रमेश को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। पूर्व विधायक सुदर्शन रेड्डी और वेंकटरमण रेड्डी के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने रमेश की मौत पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने उन्हें परेशान किया और उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रोका और उन्हें गिरफ्तार करने से पहले लाठीचार्ज किया। गिरफ़्तारियों के दौरान पुलिस की ज़्यादती पर प्रतिक्रिया देते हुए रामाराव ने सवाल उठाया कि क्या लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस बीआरएस के विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए चुनिंदा तरीके से कानून लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ पुलिसकर्मी कांग्रेस की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं और बीआरएस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करते हुए कांग्रेस नेताओं को खुली छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा, रात के अंधेरे में गांवों में छापा मारना और 2,000 बीआरएस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करना पुलिसिंग नहीं है। यह उत्पीड़न है, उन्होंने मांग की कि पुलिस बताए कि किसके आदेश पर बीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अदालतों से पर्याप्त चेतावनी मिलने के बावजूद पुलिस सबक नहीं ले रही है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि राजनीतिक एजेंटों की तरह काम करने वाले पुलिस अधिकारियों को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने सीतक्का पर मुलुगु में अपना संविधान लागू करने का आरोप लगाया और सत्ता का दुरूपयोग करने, आदिवासियों को परेशान करने और वास्तविक लाभार्थियों के बजाय अपनी पार्टी के वफादारों को घर आवंटित करने के लिए तत्काल इस्तीफे की मांग की।

26 हजार से अधिक सीटों के साथ सीएसई इंजीनियरिंग सीट मैट्रिक्स में शीर्ष पर

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (सीएसई) कार्यक्रम इंजीनियरिंग प्रवेश सीट मैट्रिक्स पर हावी है, इस शाखा को आवंटित कुल 76,795 सीटों में से 26,150 सीटें हैं, जो इसे शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अन्य सभी इंजीनियरिंग शाखाओं में सबसे बड़ी बनाती है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा रविवार को जारी सूचना के अनुसार, 12,495 सीटों के साथ, सीएसई (एआई और एमएल) शाखा में दूसरी सबसे अधिक सीटें उपलब्ध हैं। सीएसई एआई और एमएल शाखा के बाद ईसीई और सीएसई डेटा साइंस विषयों में क्रमशः 10,125 और 6,996 सीटें हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए, 171 कॉलेजों में संयोजक कोटे के तहत कुल 76,795 स्नातक इंजीनियरिंग सीटें टीजी ईएपीसीईटी 2025 वेब काउंसलिंग के माध्यम से उपलब्ध हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

संजोग गुप्ता 'आईसीसी' के नए सीईओ नियुक्त

दुबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को अपना सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। आईसीसी के सातवें सीईओ बनने जा रहे संजोग सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगे।

आईसीसी ने नए सीईओ का ऐलान करते हुए कहा, आईसीसी संजोग गुप्ता का स्वागत करता है। वह क्रिकेट की वैश्विक यात्रा को एक परिवर्तनकारी भविष्य की ओर लेकर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी ने मार्च में वैश्विक भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। इस पद के लिए 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन आए थे। उम्मीदवारों में स्पोर्ट्स गवर्निंग बॉडी से जुड़े लीडर्स से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के सीनियर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव शामिल थे।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजोग गुप्ता को आईसीसी का सीईओ नियुक्त किया गया है। संजोग के पास खेल रणनीति और व्यावसायीकरण का व्यापक अनुभव है, जो आईसीसी के लिए अमूल्य होगा। ग्लोबल स्पोर्ट्स और मीडिया एंड एंटरटेनमेंट (एमएंडई) के क्षेत्र में उनकी

गहरी समझ, क्रिकेट फैंस के नजरिए को जानने की उनकी निरंतर जिज्ञासा और तकनीक के प्रति उनका जुनून, यह सभी आने वाले वर्षों में हमारे खेल को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा में बेहद अहम साबित होंगे।

जय शाह ने कहा कि हमारा लक्ष्य पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंच पर एक नियमित खेल के रूप में स्थापित करना है, ताकि यह दुनियाभर में और अधिक फैल सके और अपने प्रमुख बाजारों में और गहरी जड़ें जमा सके।

जय शाह ने कहा, हमने इस पद के लिए कई उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया, लेकिन नॉमिनेशन कमिटी ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता की सिफारिश की। आईसीसी बोर्ड के डायरेक्टर उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। मैं आईसीसी में सभी की ओर से उनका स्वागत करता हूं।

आईसीसी की एचआर और रैम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया था, जिनकी प्रोफाइल नॉमिनेशन कमिटी के साथ साझा की गईं। इस कमिटी में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, ईसीबी के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे।

एक मुश्किल शॉर्टलिस्टिंग प्रक्रिया के बाद, नॉमिनेशन कमिटी ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता की सिफारिश की। इस सिफारिश को आईसीसी अध्यक्ष शाह ने आगे के मूल्यांकन और आकलन के बाद मंजूरी दी, जिसके बाद इसे आईसीसी बोर्ड द्वारा औपचारिक रूप से मंजूरी मिली।

संजोग गुप्ता ने अपने चयन पर खुशी जताते हुए कहा, यह अवसर मिलना सौभाग्य की बात है, खासकर ऐसे समय में जब क्रिकेट अभूतपूर्व विकास की ओर अग्रसर है। इसे दुनियाभर में लगभग दो अरब फैंस सपोर्ट करते हैं। यह खेल के लिए एक बेहद रोमांचक दौर है, क्योंकि प्रमुख टूर्नामेंट्स की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, व्यावसायिक अवसरों का दायरा बढ़ रहा है, और महिला क्रिकेट जैसी संभावनाएं लोकप्रियता की नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

उन्होंने कहा, क्रिकेट का लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होना और तकनीक के तेजी से अपनाए जाने और उसके प्रसार में आई गति, दुनियाभर में क्रिकेट मूवमेंट को कई गुना गति देने वाले कारक बन सकते हैं। मैं क्रिकेट के विकास के अगले चरण में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

संजोग ने प्रमुख क्रिकेट इवेंट्स जैसे आईसीसी टूर्नामेंट और आईपीएल के निरंतर विकास में अहम भूमिका निभाई है। इसके साथ ही उन्होंने प्रो कबड्डी लीग और इंडियन सुपर लीग जैसी घरेलू स्पोर्ट्स लीग की स्थापना में योगदान दिया है। उन्होंने प्रीमियर लीग और विंबलडन जैसे वैश्विक खेल आयोजनों की लोकप्रियता को भारत में बढ़ाया है।

संजोग गुप्ता ने उपभोक्ता और व्यावसायिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए बिजनेस को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक पत्रकार के रूप में की थी और साल 2010 में स्टार इंडिया (अब जियोस्टार) से जुड़ गए। इस दौरान उन्होंने कंटेंट, प्रोग्रामिंग और स्ट्रैटेजी से जुड़े कई अहम पद संभाले और 2020 में डिज्नी और स्टार इंडिया में हेड ऑफ स्पोर्ट्स बने। खास बात यह रही कि उन्होंने मल्टी-लैंग्वेज, डिजिटल-फर्स्ट और महिला-केंद्रित स्पोर्ट्स कवरेज को विकसित करने और उसे सफलतापूर्वक लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बेन स्टोक्स ने बताई हार की असली वजह

पिच समय-समय पर भारत को मदद करने लगी, घर में कटी इंग्लैंड की नाक

लंदन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने पहली बार एजबेस्टन में कोई टेस्ट मैच जीता है। भारत ने इंग्लिश टीम के खिलाफ 336 रनों से जीत प्राप्त की है, जो एक बड़ी बात है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अब दूसरे टेस्ट में हार का कारण बताया।

बेन स्टोक्स ने सामने रखी

बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड की हार का असली कारण पिच को बताया। उन्होंने कहा कि मुकाबले के दौरान पिच समय-समय पर भारत को मदद करने लगी। उनके अनुसार इस तरह की पिच पर उनके मुकाबले भारत को खेलने का ज्यादा अनुभव है। स्टोक्स ने कहा, 'ईमानदारी से बताऊं, तो जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, यह पिच सब-कॉन्टिनेंट जैसी होती गई। शुरुआत में थोड़ी दिक्कत हुई और हमने यह चीज पहले ही सामने रख दी। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, हमारे लिए चीजें मुश्किल हो गई। हमारे मुकाबले

भारतीय गेंदबाजी अटैक को इस तरह की स्थितियों में खेलने की ज्यादा आदत है। कई बार ऐसा हो सकता है। इसे लेकर निराश होने की जरूरत नहीं है। इस हफ्ते उन्होंने हमसे बेहतर प्रदर्शन किया।'

शुभमन गिल को रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया। गिल के लिए बतौर कप्तान शुरुआत कुछ खास नहीं रही। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों से दबदबा बनाया। इंग्लैंड के सामने 608 रनों का टारगेट रखा गया। आकाशदीप ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए दूसरी पारी में कुल 6 विकेट झटके। उन्होंने मोहम्मद सिराज, रविंद्र जडेजा, प्रसिद्ध कृष्णा और वाशिंगटन सुंदर ने भी एक-एक विकेट झटकते हुए भारतीय टीम की जीत में अपना योगदान दिया। इंग्लैंड को 271 रनों पर रोका गया।

कैप्टन कूल धोनी का 44वां जन्मदिन: *रांची में दोस्तों के साथ मनाया बर्थडे*

केक काटने से पहले इजाजत भी ली, बोले- केक कट कर दूं

रांची, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक, 'कैप्टन कूल' महेंद्र सिंह धोनी का जन्मदिन है. बता दें कि 7 जुलाई 1981 को जन्मे धोनी का आज अपना 44वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं. बताते चले कि उन्होंने 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में वनडे विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती. धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, लेकिन अभी भी इंडियन प्रीमियर लीग खेलते हैं.

'रांची के राजकुमार'

रांची के राजकुमार कहे जाने वाले कैप्टेन कुल महेंद्र सिंह धोनी के जन्मदिन के मौके पर आज उनके फैंस पूरी तरह से उत्साहित हैं. उनके घर के बाहर पहुंचकर केक काट रहे हैं. सभी महेंद्र सिंह धोनी की एक झलक के लिए उनके घर के बाहर पहुंचे हैं. लोगों का कहना है कि हमारे लिए वह आइडल है और उनको हम हमेशा खेलते हुए देखना चाहते हैं.

धोनी की दीवानगी

महेंद्र सिंह धोनी के सभी फैंस ने उनके कट आउट को केक खिलाकर धोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. इस दौरान छोटे-छोटे बच्चे भी उनके घर के बाहर पहुंच कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं. सुबह से ही रांची में भारी बारिश होने के बावजूद महेंद्र सिंह धोनी की दीवानगी में लोग बारिश में भीगते हुए भी उनके घर के बाहर पहुंच गए हैं.

होमटाउन रांची

दरअसल, रांची 'कैप्टन कूल' का होमटाउन है. यही वजह है कि महेंद्र सिंह धोनी के जन्मदिन के मौके पर उनके होमटाउन रांची में जश्न का माहौल देखने लायक है.

लोगों में उत्साह

बारिश के बावजूद, लोगों का उत्साह ज़रा भी कम नहीं हुआ और भारी बारिश में भीगते हुए भी सैकड़ों फैंस उनकी एक झलक पाने की उम्मीद में उनके घर के बाहर डटे रहे.

ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते हुए

कई जगहों पर फैंस ने पटाखे चलाए और ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते हुए उनके जन्मदिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. छोटे-छोटे बच्चे भी धोनी के घर के बाहर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई देते नजर आए.

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टेस्ट जीता

वेस्टइंडीज को 133 रनों से हराया

सीरीज पर 2-0 की बढ़त हासिल की

ग्रेनेडा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा दूसरा टेस्ट बीते दिन समाप्त हुआ. क्वींस पार्क में चल रहे इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 133 रनों के भारी भरकम अंतर से जीत लिया. उन्होंने तीन मैचों की श्रृंखला में मेजबान विंडीज का 2-0 से सफाया कर दिया.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की पहली ही सीरीज जीतकर कंगारुओं ने अपना दबदबा बरकरार रखा. तीसरा टेस्ट मैच अब महज औपचारिकता भरा रह गया है.

ऑस्ट्रेलिया ने जीता दूसरा टेस्ट मैच

इस मैच के स्कोरकार्ड पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. पहले खेलते हुए मेहमान टीम ने पहली पारी में 286 रनों का स्कोर खड़ा किया. बॉ वेब्सटर ने 60 और एलेक्स कैरी ने 63 रनों का योगदान दिया. अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट चटकाए. जवाब में विंडीज टीम पहली पारी में 253 रन बनाकर सिमट गई. ब्रैंडन किंग ने 75 रनों का योगदान दिया.

वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लियोन ने तीन विकेट हासिल किए. ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 33 रनों की बढ़त हासिल हुई. दूसरी पारी में उन्होंने 243 रन बनाकर वेस्टइंडीज को 277 रनों का लक्ष्य दिया. स्टीव स्मिथ ने 71 रनों की पारी खेली. लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम 143 रनों पर ऑलआउट हो गई. कंगारुओं की गेंदबाजी पर नजर डालें तो मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन ने 3-3 विकेट चटकाए.

3 मैचों की सीरीज पर किया कब्जा

ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र में शुरुआत काफी धमाकेदार हुई है. उन्होंने अपनी पहली ही सीरीज में वेस्टइंडीज को हरा दिया. तीन मैचों की श्रृंखला के पहले दो मैचों में उन्होंने शानदार जीत दर्ज की. जहां पैट कमिंस की टीम ने पहले टेस्ट में विंडीज को 159 रनों से हराया था. वहीं दूसरा टेस्ट वह 133 रनों से जीतने में कामयाब रही. सीरीज का तीसरा व अंतिम मुकाबला 12 जुलाई से खेला जाएगा.

एशियाई पैरा चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहा भारत

हरविंदर ने जीते दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर ने दो स्वर्ण पदक के साथ पदक की हैट्रिक पूरी की जिससे भारत रविवार को यहां बीजिंग 2025 एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप की पदक तालिका में मेजबान चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

भारत ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीते। चीन 10 स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर रहा।

पुरुष रिकर्व क्वालीफाइंग दौर में 663 अंक के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और नए चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहे हरविंदर ने इससे पहले भावना के साथ मिलकर रिकर्व ओपन मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन हरविंदर ने रिकर्व पुरुष ओपन खिताब भी जीता जिससे प्रतियोगिता में उनके नाम तीन पदक रहे। हरविंदर और भावना ने चीन के झिहान गाओ और जुन गेन को फाइनल में 5-4 (14-8) से हराकर खिताब जीता। गाओ शूट ऑफ में चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता।

रिकर्व पुरुष ओपन फाइनल में हरविंदर ने थाईलैंड के हेनरुचाई नेतसिरी को 7-1 से हराकर भारत को प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने एक और स्वर्ण कंपाउंड महिला टीम स्पर्धा में जीता जहां शीतल देवी और ज्योति ने ल्यु झेंग और जिंग झाओ की चीन की जोड़ी को 148-143 से हराया। चीन की जोड़ी अंतिम अंतिम चरण में चूक गए जिसमें ल्यु एक निशाना लगाने में नाकाम रहीं।

इससे पहले हरविंदर और विवेक चिकारा ने रिकर्व पुरुष युगल ओपन में रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी को जुन गेन और लीशुइ झाओ की चीन की जोड़ी के खिलाफ फाइनल में शूट ऑफ में 4-5 (17-18) से हार झेलनी पड़ी।

राकेश कुमार और श्याम सुंदर स्वामी को भी रजत पदक से संतोष करना पड़ा जब यह जोड़ी कंपाउंड पुरुष युगल ओपन में आइ शिनलियांग और यिचेंग झेंग की चीन की जोड़ी से करीबी मुकाबले में 155-156 से हार गई।

भारत के लिए तीसरा रजत कंपाउंड मिश्रित ओपन टीम स्पर्धा में राकेश कुमार और ज्योति ने जीता। इस जोड़ी कने जिंग झाओ और आइ शिनलियांग की चीन की जोड़ी के खिलाफ 150-153 से हार झेलनी पड़ी। पूजा और भावना ने रिकर्व महिल युगल में कांस्य पदक जीता। नवीन दलाल और नूरुद्दीन ने पुरुष डब्ल्यू 1 युगल वर्ग जबकि ज्योति ने महिला ओपन वर्ग में कांस्य पदक जीते।

ग्रैंड चेस टूर में कार्लसन की खास उपलब्धि

एक दौर रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट जीता

जगरेब, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक दौर शेष रहते सुपर यूनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश तीसरे स्थान पर रहे।

नौ दौर के रैपिड टूर्नामेंट में गुकेश से चार अंक पीछे रहने के बाद कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में इसका पूरा फायदा उठाया और पहले चरण में नौ में से 7.5 अंक हासिल किए। दूसरे चरण में पहले आठ बाजियों में से चार अंक हासिल करना ही उन्हें टूर्नामेंट में एक और जीत दिलाने के लिए पर्याप्त था।

गुकेश ने रैपिड वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए 14 अंक हासिल किए थे लेकिन ब्लिट्ज वर्ग में अपने पहले नौ गेम में से केवल 1.5 अंक हासिल करके लय खो बैठे। कार्लसन ने 22.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया और वह अमेरिका के वेस्ली सो से 2.5 अंक आगे थे जो दूसरे स्थान पर रहे।

गुकेश अंततः 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने 17,5000 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार पूल में से 40,000, वेस्ली ने 30,000 और गुकेश ने 25,000 हासिल किए। भारत के आर प्रज्ञानानंदा 15 अंक के साथ नौवें स्थान पर रहे।

पनेल गांव की मोनिका ने बाक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

रामपुर बुशहर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। शिमला जिले के ननखड़ी तहसील के पनेल गांव की मुक्केबाज मोनिका नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की भारतीय पुलिस टीम की ओर से प्रतियोगिता में भाग लिया।

बर्मिंघम में 26 जून से 6 जुलाई तक विश्व पुलिस खेल 2025 का आयोजन किया गया। बॉक्सिंग के 81 किलोग्राम कैटेगरी के फाइनल में मोनिका ने यूएसएजीई की बॉक्सर को 5-0 से पराजित किया। मोनिका नेगी भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल में कार्यरत हैं।

मोनिका नेगी इससे पहले भी बॉक्सिंग में कई पदक जीतकर रामपुर और हिमाचल का नाम रोशन कर चुकी हैं। वे मुक्केबाजी में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का कई बार प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मोनिका नेगी ने दो बार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है और पंजाब के जालंधर में आयोजित ऑल इंडिया विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीता है।

विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं नंबर-1 एरिना सबालेंका

जर्मनी की लौरा सिगमंड भी जीतीं; मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जोड़ी उलटफेर का शिकार

लंदन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन के राउंड ऑफ 16 मुकाबलों में रविवार को वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने विमेंस सिंगल्स के मैच में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को सीधे सेट में हरा दिया। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-5 टेलर फ्रिट्ज ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना लिया। विमेंस सिंगल्स में 3 प्लेयर्स जीतीं।

वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका न मर्टेंस को 6-4, 7-6 (7-4) के अंतर से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में उनके अलावा रूस की एनास्तासिया पाव्ल्यूचेंकोवा ने ब्रिटेन की सोनाय कार्टाल को 7-6 (7-3), 6-4 से हराया। वहीं जर्मनी की लौरा सिगमंड ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मेंस डबल्स में नंबर-1 जोड़ी

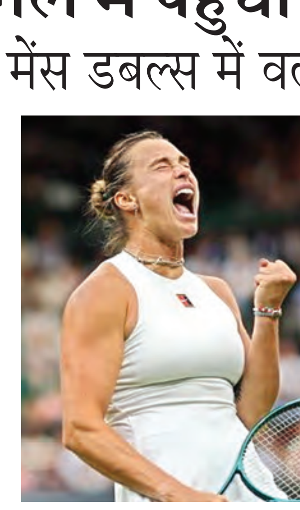

जीतीं।

मेंस डबल्स में अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों की नंबर-1 जोड़ी ने चेक रिपब्लिक के पैट्रिक रिकल और पीटर नौजा की जोड़ी को 7-5, 7-6 (15-13) के अंतर से हराया। मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जर्मनी के टिम पुट्ज और केविन क्राविट्ज की जोड़ी को उलटफेर का शिकार होना पड़ा। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजीकाता और नीदरलैंड के डेविड पेल की जोड़ी ने 6-2, 6-4 से हरा दिया। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के मार्सेलो मेलो और राफेल माटोस की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वहीं वर्ल्ड नंबर-10 जोड़ी मोनाको के ह्यूगो नायस और फ्रांचस एडोर्ड रोजर वैसलीन को भी जीत मिल गई। मेंस सिंगल्स में फ्रिट्ज जीते।

18 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य : रेवंत रेड्डी

सीएम ने "वन महोत्सव" 2025 का शुभारंभ किया
विधानसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 60 सीटों की घोषणा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष "वन महोत्सव" 2025 के तहत 18 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने आज हैदराबाद में पीजेटी कृषि विश्वविद्यालय में "वन महोत्सव" 2025 का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से अम्मा (माँ) के नाम पर एक पौधा लगाने की अपील को याद किया और माताओं से भी अपने बच्चों के नाम पर पौधे लगाने की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगर हम प्रकृति का ख्याल रखेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। पुरानी पीढ़ियों की एक लोकप्रिय कहावत– 'वन पारिस्थितिकी तंत्र और हमारा जीवन अभिन्न अंग है' आज भी प्रासंगिक है और हर घर में दो पौधे लगाए जाने चाहिए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर हम पेड़ों को अपने बच्चों की तरह पालेंगे तो तेलंगाना पूरी तरह से हरित क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार महिला समुदाय के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अगले विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 60 पार्टी टिकट देने की जिम्मेदारी लेंगे, क्योंकि विधायी निकायों में महिला कोटा अगले चुनावों में लागू होगा। सोलर प्लांट लगाने और लड़कियों को सरकारी स्कूल चलाने की जिम्मेदारी सहित महिला सशक्तिकरण योजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस साल महिला समूहों को 21,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राज्य सरकार महिलाओं को मुफ्त आरटीसी बस यात्रा प्रदान कर रही है और उन्हें आरटीसी को 1000 बसों का बेड़ा किराए पर देने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें बसों का मालिक बनाया। महिला समूहों को अपने उत्पादों को हाई टेक सिटी में बेचने की सुविधा भी प्रदान की जाती है, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थित हैं। सरकार ने एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा है, इस बात को दोहराते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भी महिला स्वयं सहायता समूह बनाए जाएंगे। सरकार सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने और इंदिराम्मा शासन में महिलाओं को आत्मसम्मान के साथ एक सभ्य जीवन जीने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

8 लोगों की पहचान के लिए दूसरे रक्त नमूनों पर डीएनए परीक्षण महत्वपूर्ण

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 30 जून को सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हुई दुर्घटना के बाद लापता हुए आठ व्यक्तियों की पहचान के लिए अधिकारी अब केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) को भेजे गए दूसरे रक्त नमूनों की डीएनए रिपोर्ट पर भरोसा कर रहे हैं। शुरूआती नमूनों से कोई निर्णायक परिणाम नहीं मिला, इसलिए अधिकारियों ने लापता श्रमिकों के रिश्तेदारों के लिए परिवहन की व्यवस्था की ताकि नए नमूने एकत्र किए जा सकें। ये दूसरे रक्त नमूने रविवार को एकत्र किए गए और विश्लेषण के लिए सीएफएसएल को भेजे गए।

सूत्रों ने बताया कि करीब 100 क्षत-विक्षत शरीर के अंग और खून से सने अवशेष भी मिलान और पहचान के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। इस बीच, विस्फोट स्थल पर तलाशी अभियान अभी भी जारी है, तथा कर्मचारी मलबे में अतिरिक्त अवशेष या साक्ष्य ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। आठ लापता व्यक्ति राहुल कुमार शर्मा (उत्तर प्रदेश), जी वेंकटेश (आंध्र प्रदेश), एस रवि (तेलंगाना), एस जस्टिन (तेलंगाना), विजय कुमार निशाद (बिहार), अकिलेश कुका निशाद (बिहार), इरफान अंसारी (झारखंड) और शिवाजी कुमार (बिहार) शामिल थे।

नई माताओं को 4,910 केसीआर किट वितरित करेंगे केटीआर

गिफ्ट ए स्माइल अभियान

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने घोषणा की कि 24 जुलाई को अपने जन्मदिन के अवसर पर गिफ्ट ए स्माइल अभियान प्रगति, आशा और जीवन पर केंद्रित होगा। तदनुसार, वह सिरसिल्ला जिले में 4,910 नई माताओं और शिशुओं को केसीआर किट वितरित करेंगे। उन्होंने कहा, अगर मुझे केसीआर द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं में से कोई एक पसंदीदा चुनना हो, तो वह केसीआर किट होगी। जीवन से ज़्यादा जीवन बदलने वाली और क्या चीज़ हो सकती है? पिछले वर्षों में कई पहल की गई हैं, जैसे सरकारी अस्पतालों में 108 एम्बुलेंस तैनात की गईं (2020), दिव्यांगों के लिए 1,400 तिपहिया वाहन (2021), जरूरतमंद छात्रों को 6,000 टैबलेट वितरित किए गए (2022), एक राजकीय गृह के 116 मेधावी बच्चों को लैपटॉप प्रदान किए गए (2023), और बुनकर आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान की गई (2024)। अब अपने छठे वर्ष में, गिफ्ट ए स्माइल सेवा पर आधारित एक जन-केंद्रित पहल बन गई है। जन्मदिन पर गुलदस्ते न देने का रामाराव का सरल इशारा पिछले कुछ वर्षों में एक वार्षिक अभियान बन गया है। उन्होंने उन सभी लोगों का धन्यवाद किया जो पिछले कुछ वर्षों से इस अभियान का हिस्सा रहे हैं।

एनडीएमए विशेषज्ञ दल सिगाची विस्फोट स्थल का दौरा करेगा

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की एक विशेषज्ञ टीम मंगलवार को संगारेड्डी जिले के औद्योगिक क्षेत्र का दौरा करेगी, ताकि सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हाल ही में हुए विस्फोट के कारणों का अध्ययन किया जा सके। जिला अधिकारियों के अनुसार, टीम विस्फोट स्थल का निरीक्षण करेगी और औद्योगिक दुर्घटना के कारणों का आकलन करेगी। टीम अपने निष्कर्षों को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ-साथ केंद्र सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। विस्फोट में अब तक 42 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि आठ लोग लापता हैं। एनडीएमए की टीम पीड़ितों के परिवारों, जिला अधिकारियों और कंपनी के प्रबंधन के प्रतिनिधियों से बातचीत करेगी।

यात्रियों की जान जोखिम में डालते हैं कैब ड्राइवर

गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर देखते हैं वीडियो और रील

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के राइड-हेलिंग इकोसिस्टम में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है, जिसमें बाइक टैक्सी, ऑटो और कैब चालक अक्सर सोशल मीडिया रील से लेकर मोबाइल गेम तक के वीडियो का आनंद लेते हुए, फिल्में देखते हुए या ड्राइविंग करते समय फोन पर बात करते हुए पकड़े जाते हैं, जबकि यात्री गाड़ी में बैठे होते हैं। कैब बुकिंग, भुगतान और यात्रा मार्ग (मानचित्र) के लिए फोन का उपयोग अनिवार्य है, और यात्रियों से जुड़ने के लिए ब्लूटूथ डिवाइस का उपयोग किया जाता है। हालांकि, कुछ लोग इनका दुरुपयोग भी कर रहे हैं। कारों के केबिन और ऑटो के स्टीयरिंग व्हील पर लगे होल्डर में फोन लगाए जा रहे हैं और ड्राइवर अपने कानों में ब्लूटूथ डिवाइस लगाकर क्रिकेट, फ़िल्में और सोशल मीडिया देखते नज़र आ रहे हैं।

यातायात पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की चेतावनी और परामर्श दिए जाने के बावजूद, चालकों के मोबाइल फोन पर लगे रहने की समस्या जारी है, जिससे यात्रियों को चिंता हो रही है। ये घटनाएं सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन और प्लेटफ़ॉर्म जवाबदेही में गंभीर खामियों को उजागर करती हैं। मार्च में, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें हैदराबाद में एक कैब ड्राइवर एक यात्री के साथ व्यस्त सड़कों पर चलते हुए अपने फोन पर पबजी खेलता हुआ दिखाई दे रहा था। यात्री द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद, ड्राइवर ने खेलना जारी रखा, जिससे सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया। यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि हर दिन ऐसी कई अन्य घटनाएं सामने नहीं आती हैं और संभावित रूप से घातक विकर्षण का कारण बनती हैं।

विडंबना यह है कि ट्रैफिक पुलिस केवल तभी चालान जारी कर सकती है जब लोग गाड़ी चलाते समय अपने फोन को पकड़े रहते हैं और कॉल करते या प्राप्त करते हैं। इस साल के पहले पांच महीनों में, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए गाड़ी चलाने के लिए 24,312 लोगों को चालान जारी किए गए। हालांकि, जब फोन वाहन से जुड़ा होता है और हैंड्स-फ्री सिस्टम (जैसे वॉयस कमांड, ब्लूटूथ हेडसेट और ईयरबड) का उपयोग किया जाता है, तो चालान जारी करने की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, पुलिस ने चेतावनी दी है कि बात करते हुए या फोन देखते हुए गाड़ी चलाना नशे में गाड़ी चलाने के बराबर है। एक वरिष्ठ यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा, ड्राइविंग करते समय मनोरंजन के लिए फोन का इस्तेमाल करना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है और दुर्घटना होने पर जुर्माना, लाइसेंस निलंबन या यहां तक कि आपराधिक आरोप भी लग सकते हैं।

डेंगू की रोकथाम के लिए 'शुक्रवार को ड्राई डे' रखने का किया आग्रह

मौसमी बीमारियों के बढ़ने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घरों और कार्यालयों के आसपास जमा पानी से छुटकारा पाने के लिए हर सप्ताह 'शुक्रवार-शुष्क दिवस' मनाने का आग्रह किया है।

डेंगू मच्छर दिन में भी काट सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपने दरवाज़े और खिड़कियां सुरक्षित रखने और मच्छरदानी, स्क्रीन लगाने और अपने बिस्तर और पालने को मच्छरदानी से ढकने का आग्रह किया है। लोग उदारतापूर्वक मच्छर भगाने वाली दवाइयों का इस्तेमाल कर सकते हैं और पानी को जमा होने से रोकने के लिए घरेलू नालियों की सफाई कर सकते हैं। गैस्ट्रोएंटेराइटिस, पीलिया और टाइफाइड (सभी जल जनित रोग) के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि के प्रभाव को रोकने के लिए, आम जनता को उबला हुआ/उपचारित पानी पीना सुनिश्चित करना चाहिए, भोजन करने से पहले और बाद में हाथ धोना चाहिए और बासी भोजन का सेवन करने से बचना चाहिए।

सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक डॉ.बी रविंदर नायक ने भी लोगों से वायरल बुखार और इन्फ्लूएंजा सहित वायु जनित संक्रमणों से सावधान रहने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि खांसते समय बुनियादी शिष्टाचार जैसे बीमार लोगों से हाथ न मिलाना, हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करना, छींकते या खांसते समय रूमाल का इस्तेमाल करना आदि का लोगों को पालन करना चाहिए।

पेड़ों की कटाई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर के कोरमुला गांव में ताड़ के पेड़ों की कटाई पर गंभीर आपत्ति जताते हुए पूर्व आबकारी मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने राज्य सरकार से इस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करने की मांग की। गांव में ताड़ के पेड़ों की कटाई की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की। सभी पेड़ दशकों पुराने थे और ताड़ी निकालने वालों की आजीविका चलाने में मदद कर रहे थे। श्रीनिवास गौड़ ने मांग की कि सरकार को अधिकारियों को गांव में पेड़ों को फिर से लगाने के लिए कदम उठाने का निर्देश देना चाहिए, साथ ही घटना में शामिल लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए।

बकरी की खाल को दांतों और हाथों से काटा

पेटा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसने एक बकरे की वीभत्स बलि देने की रस्म में भाग लिया था और अपने दांतों और नंगे हाथों से जानवर की खाल नोंच डाली थी। सिद्दीपेट के जक्कापुर गांव में एक व्यक्ति द्वारा जानवर की गर्दन को काटने और फाड़ने की घटना घटी, जबकि अन्य लोग उसे पकड़ कर रखे हुए थे। इसे रिकॉर्ड कर लिया गया और कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर साझा किया गया।

पशु कल्याण संगठन पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पेटा इंडिया) ने स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसएएफआई) हैदराबाद के साथ समन्वय में चिन्नाकोदुर पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की।

हैदराबाद स्थित एसएएफआई के क्रूरता निवारण प्रबंधक अब्दुलापुरम गौतम द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायत के बाद, पेटा इंडिया ने एफआईआर दर्ज करने के लिए सिद्दीपेट के पुलिस आयुक्त डॉ.बी. अनुराधा के साथ समन्वय किया।

पेटा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वीडियो में दिख रहे प्रमुख व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 325, तेलंगाना पशु और पक्षी बलि निषेध अधिनियम (टीएबीएसपीए), 1950 की धारा 6 और पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम, 1960 की धारा 11 (1) (ए) और 11 (1) (आई) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

पेटा इंडिया क्रूरता प्रतिक्रिया समन्वयक वीरेंद्र सिंह कहते हैं, हम डॉ. अनुराधा की एफआईआर दर्ज करने और पशु क्रूरता के खिलाफ एक सख्त संदेश भेजने के लिए त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं। पशु बलि जानवरों के लिए क्रूर है और समाज के लिए खतरा है। यह लोगों को हिंसा के प्रति असंवेदनशील बनाता है और पुरानी मान्यताओं को मजबूत करता है जो प्रगति में बाधा डालती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि पशुओं का वध केवल लाइसेंस प्राप्त बूचड़खानों में ही किया जा सकता है और नगर निगम अधिकारियों को इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना किसी भी सार्वजनिक धार्मिक पूजा या आराधना स्थल या उसके परिसर में या किसी सार्वजनिक सड़क पर धार्मिक पूजा से जुड़े किसी भी समूह या जुलूस में किसी भी पशु की धार्मिक बलि देने पर रोक लगाते हैं।

शुल्क प्रतिपूर्ति पर स्पष्टता न होने से तेलंगाना पॉलिटेक्निक में प्रवेश बाधित

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पॉलीसेट) 2025 की पहली सीट आवंटन में शुल्क प्रतिपूर्ति सीमा को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि राज्य सरकार ने डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क में भारी वृद्धि पर अभी तक निर्णय नहीं लिया है। राज्य सरकार ने 10 अक्टूबर 2024 को जीओ एमएस नंबर 38 जारी कर निजी पॉलिटेक्निक कॉलेजों द्वारा संचालित सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की वार्षिक फीस को 14,900 रुपये से बढ़ाकर 39,000 रुपये कर दिया था, जो 161 प्रतिशत की वृद्धि है। हालांकि, इस बात पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि पात्र छात्रों को पूरी बढ़ी हुई फीस वापस की जाएगी या नहीं, जैसा कि अभी किया जा रहा है।

हर वर्ष की तरह, राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड ने पॉलीसेट का सफलतापूर्वक आयोजन किया तथा परिणाम भी घोषित किया, जबकि तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रवेश कार्यक्रम जारी किया। 26 जून से 1 जुलाई तक आयोजित वेब काउंसलिंग में 21,316 अभ्यर्थी प्रमाण पत्र सत्यापन प्रक्रिया में शामिल हुए तथा 12,691 अभ्यर्थियों ने सीट एवं संस्थान आवंटन के लिए वेब विकल्प का प्रयोग किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सीट आवंटन 4 जुलाई को या उससे पहले किया जाना था, जिसमें शुल्क का भुगतान करना था तथा वेबसाइट के माध्यम से स्व-रिपोर्टिंग 4 से 6 जुलाई के बीच होनी थी। बढ़ी हुई फीस की प्रतिपूर्ति पर सरकार की ओर से कोई निर्णय लिए बिना ही काउंसलिंग शुरू हो गई। पहले चरण के सीट आवंटन के दौरान संबंधित अधिकारियों ने इस मुद्दे पर ध्यान दिया और राज्य सरकार से इस पर स्पष्टीकरण मांगा।

तकनीकी शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार नई फीस संरचना पर विकल्पों पर विचार कर रही है। दो प्रस्ताव (39,000 रुपये की पूरी फीस प्रतिपूर्ति, या निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की तरह एक सीमा लागू करना जिसमें छात्रों को अंतर राशि का भुगतान करना होगा) पर विचार किया जा रहा है। अगर सरकार संशोधित शुल्क की पूरी राशि वापस करने का फैसला करती है तो राज्य के खजाने पर करीब 25 करोड़ रुपये का बोझ पड़ने की उम्मीद है। अगले दो सालों में यह राशि 75 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। आधिकारिक सूत्रों से पता चला है कि नए शुल्क ढांचे की प्रतिपूर्ति के संबंध में अंतिम निर्णय होने के बाद ही पहली सीट का आवंटन फिर से शुरू होगा।

बाघ ने मवेशियों पर किया हमला, दहशत का माहौल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के जंगलों से तिरयानी मंडल के जंगलों में कथित तौर पर एक बाघ की आवाजाही से सोमवार को ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि तिरयानी मंडल के एडुलापहाड़ गांव के पास बाघ ने मवेशियों के झुंड पर हमला करने की कोशिश की। चरवाहों ने शोर मचाकर हमला रोका और बाघ को जंगल में वापस जाने पर मजबूर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि कई गांवों के जंगलों में बाघ की मौजूदगी के कारण वे लगातार डर में जी रहे हैं। कई लोगों को खेतों में काम करते समय हमले का डर है, साथ ही उनके मवेशियों के मारे जाने का भी डर है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे जानवरों को घने जंगलों में ले जाने के लिए कदम उठाएं, ताकि मानव और पशुधन की क्षति को रोका जा सके।

वन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक कम उम्र का नर बाघ, जो क्षेत्र की तलाश में महाराष्ट्र से आया था, पिछले कुछ दिनों से कुमराम भीम आसिफाबाद के तिरयानी मंडल और मंचेरियल जिले के कासिपेट मंडल की सीमाओं पर घूम रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और उसे बचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों को उसकी मौजूदगी के बारे में बताने के लिए गांवों में जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। ग्रामीणों को बाघ से अचानक मुठभेड़ से बचने और उसे नुकसान पहुंचाने से बचने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मारे गए मवेशियों के लिए मुआवजा दिया जाएगा। लाउडस्पीकर से घोषणाएं की जा रही हैं और निवासियों को जंगल में जाते समय समूहों में चलने के लिए कहा गया है।

प्रसिद्ध असमिया कवि नीलिम कुमार को 'विश्वंभरा' राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कवि और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ.सी. नारायण रेड्डी के सम्मान में श्रीमती सुशीला नारायण रेड्डी ट्रस्ट द्वारा हर साल दिया जाने वाला विश्वम्भर राष्ट्रीय पुरस्कार इस वर्ष प्रसिद्ध असमिया कवि निलिम कुमार को प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार 29 जुलाई को रवींद्र भारती में डॉ.सी. नारायण रेड्डी की 94वीं जयंती समारोह में प्रदान किया जाएगा। ट्रस्ट की अध्यक्ष सी. गंगा और महासचिव डॉ.जे. चेन्नई ने रविवार को बताया कि निलिम कुमार को पांच लाख रुपये नकद, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

नीलिम कुमार ने 24 कविता संग्रह प्रकाशित किए हैं और उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें कुसुमाग्रज राष्ट्रीय पुरस्कार और उदयभारती राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

फीस प्रतिपूर्ति में देरी को लेकर पीडीएसयू ने सीएम रेवंत के आवास के पास किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास पर तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि प्रगतिशील डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स यूनियन (पीडीएसयू) के सदस्यों ने फीस प्रतिपूर्ति में देरी के विरोध में घेराव करने का प्रयास किया। सीएम मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पीडीएसयू कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया, उनके हाथों में तख्तियां और बैनर थे, जिनमें मांग की गई थी कि राज्य सरकार लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया का भुगतान करे।

जब पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए। कुछ सदस्यों ने बैरिकेड तोड़कर आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया और उन्हें घटनास्थल से हटा दिया गया। पिछले सप्ताह पीडीएसयू सदस्यों ने राज्य भर में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि कांग्रेस सरकार लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया और छात्रवृत्ति जारी करे। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार अपील के बावजूद सरकार उनकी चिंताओं का समाधान करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि देरी की वजह से इस योजना पर निर्भर हजारों छात्रों को गंभीर आर्थिक कठिनाई और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

CA प्रवीण चौधरी सुपुत्र : भीकारामजी सोयल
CA तारा चौधरी सुपुत्री : केसारामजी मुलेवा
CA रंजन चौधरी सुपुत्री : शेरारामजी

सी.ए. फाईनल की परिक्षा में उत्तिर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

शुभकामनाओं सहित :
श्रीमती चौथी बाई-देवाराम (नानी-नानाजी),
श्रीमती सुकिया देवी-केसाराम , श्रीमती भंवरी देवी-मोहनलाल,
श्रीमती भंवरी देवी-गमनाराम, श्रीमती कंचन-शेषाराम (मामी-मामाजी),
हितेश, भावेश, किशोर, रितेश, हरिश, चन्दन, हिमांशु (भाई), डॉ. संजु,
कविता, यशोदा, तारा, दुर्गा, ज्योति (बहन) एवं समस्त हाम्बड़ परिवार।

प्रतिष्ठान : राजश्री इलेक्ट्रिकल्स, गंडीमैसम्मा
श्री जय अम्बे इलेक्ट्रिकल्स, बोईनपल्ली पवन इलेक्ट्रिकल्स, मियांपुर
AALMAAADS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.